Daily
# THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
Published from Ranchi
Ranchi ● Friday, 02 September 2023 ● Year : 01 ● Issue : 227 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

**सुविचार**

जिंदगी अगर अपने हिसाब से जीनी हैं तो कभी किसी के फैन मत बनो।

भाई-बहन का बंधन हर भावना का अनुभव...

**SHARE**

| | | |
|---|---|---|
| सेंसेक्स | : | 65,387.16 |
| निफ्टी | : | 19,435.30 |

**SARAFA**

| | | |
|---|---|---|
| सोना | : | 5,710 |
| चांदी | : | 80.07 |

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

**BRIEF NEWS**

### भारत-ब्रिटेन के बीच सितंबर में एफटीए पर 13वें दौर की होगी बातचीत

**NEW DELHI :** भारत और ब्रिटेन के बीच जारी प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के जल्द संपन्न होने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। एफटीए पर दोनों देशों के बीच 13वें दौर की बातचीत इस महीने दिल्ली में होगी। इससे पहले 12वें दौर की बातचीत 8 से 31 अगस्त के दौरान हुई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच प्रस्तावित एफटीए पर 13वें दौर की बाचतीत दिल्ली में सितंबर महीने में होगी। एफटीए पर 12वें दौर की वार्ता के बाद जारी संयुक्त बयान में दोनों देशों ने बातचीत को आगे बढ़ाने के तरीकों पर सहमति जताई है। बयान के मुताबिक इस बार भी बातचीत हाइब्रिड तरीके से आयोजित की गई, जिसमें यूके के अधिकारी दिल्ली आए और शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि इससे पहले ब्रिटेन की व्यापार मंत्री केमी बडेनोच ने बैठक के लिए भारत का दौरा किया और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की।

### झारखंड कैबिनेट की बैठक छह सितंबर को

**RANCHI :** राज्य मंत्रिपरिषद की बैठक छह सितंबर को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अध्यक्षता होगी। बैठक प्रोजेक्ट भवन में शाम चार बजे से होगी। डुमरी विधानसभा उपचुनाव के बाद आयोजित होनेवाली इस बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों की स्वीकृति मिल सकती है।

### धान की बुआई का रकबा 398.08 लाख हेक्टेयर रहा

**NEW DELHI :** इस साल खरीफ सीजन में धान (चावल) बुआई का रकबा 398.08 लाख हेक्टेयर रहा है। श्रीअन्न (मोटा अनाज) 181.06 लाख हेक्टेयर में बोया गया है। 59.91 लाख हेक्टेयर में गन्ना बोया गया है। वहीं खरीफ फसल की बुआई 1077.82 लाख हेक्टेयर के पार पहुंच गई है। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग ने 1 सितंबर 2023 तक खरीफ फसलों के तहत क्षेत्र कवरेज की प्रगति जारी की है। पिछले साल धान का रकबा 383.79 लाख हेक्टेयर था। वहीं श्रीअन्न 179.13 लाख हेक्टेयर और गन्ना 55.65 लाख हेक्टेयर था। विभाग के अनुसार धान 398.08 लाख हेक्टेयर में बोया गया है। दलहन 119.09 लाख हेक्टेयर जिसमें अरहर 42.66 लाख हेक्टेयर, उड़द 31.68 लाख हेक्टेयर, मूंग 30.98 लाख हेक्टेयर, कुल्थी 0.29 लाख हेक्टेयर और अन्य दालें 13.48 लाख हेक्टेयर हैं।

# चुनावी मोड की ओर देश, चढ़ा पारा

## I.N.D.I.A को जल्दी चुनाव की आशंका, गठित की समन्वय समिति, प्रचार में कूदने की तैयारी

### 28 दलों के गठबंधन ने मुंबई में भरी हुंकार, अब सीटें फाइनल करने पर होगी बात

**AGENCY MUMBAI :** विपक्ष के 28 दलों वाले इंडिया गठबंधन की तीसरी मीटिंग मुंबई में शुक्रवार को हुई, जिसमें 14 सदस्यों की एक समन्वय समिति बनाने का फैसला हुआ। इसके अलावा 'जुड़ेगा भारत, जीतेगा इंडिया' का नारा भी तय हुआ। लेकिन इस बैठक में सीट शेयरिंग को लेकर कोई बात नहीं हुई और न ही कोई समझौता होता दिख रहा है। हालांकि मीटिंग में जल्दी लोकसभा चुनाव की आशंका और संसद सत्र को लेकर संदेह जरूर दिखाई दिया। बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने मीटिंग के बाद कहा कि कब चुनाव हो जाएं, कुछ भी कहा नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि अब कोई ठिकाना नहीं है। चुनाव समय से पहले ही कभी भी हो सकता है। उनसे पहले उद्धव ठाकरे और मल्लिकार्जुन खरगे के भाषण में भी संसद के विशेष सत्र को लेकर आशंका दिखी। उद्धव ठाकरे ने कहा कि ये अब सेशन बुलाने जा रहे हैं। अब क्या होगा। ये तो आधी रात को कोई भी ऐलान कर देते हैं कि ये बंद है और वो बंद है। आखिर अचानक विशेष सत्र क्यों बुलाना पड़ा। मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि किसी को यह पता ही नहीं है कि सत्र क्यों बुलाया जा रहा है। कभी संकट की स्थिति में सत्र को नहीं बुलाया। आखिर चीन के मुद्दे पर, नोटबंदी पर और मणिपुर जैसे संकट को लेकर सेशन क्यों नहीं बुलाया। मोदी जी भले कहते हैं कि न खाऊंगा और न खाने दूंगा। लेकिन वह कुछ लोगों को तय करके खाने दे रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम लोगों ने तय कर लिया है कि देश के हर राज्य की राजधानी में जाएंगे और प्रचार करेंगे। नीतीश कुमार ने कहा कि अभी जो केंद्र में हैं, वो अब हारेंगे। नीतीश कुमार ने भी कहा कि इन लोगों ने मीडिया पर ही कब्जा कर लिया है। इन लोगों की बात ज्यादा छपती है और दूसरे लोगों का कुछ भी नहीं छपता। एक बार जब आजाद होंगे तो फिर जो सही लगेगा, वही लिखना।

मुंबई मीटिंग में उपस्थित 28 दलों ने नेता ● एजेंसी

### को-ऑर्डिनेशन कमेटी में हेमंत समेत 14 सदस्य

इंडिया को-ऑर्डिनेशन कमेटी में 1 सीएम, 1 डिप्टी सीएम, दो पूर्व मुख्यमंत्री, 5 राज्यसभा और 2 लोकसभा सांसदों को जगह दी गई है। इसके अलावा लेफ्ट से दो नेताओं को कमेटी में शामिल किया गया है। कमेटी में झारखंड के हेमंत सोरेन, तेजस्वी यादव, उमर अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती, केसी वेणुगोपाल, संजय राउत, शरद पवार, राघव चड्ढा, जावेद अली खान, ललन सिंह, अभिषेक बनर्जी, डी राजा, एक सदस्य सीपीआई (एम) से शामिल किया गया है। सीपीआई (एम) के सदस्य के नाम की घोषणा नहीं की

## 'एक देश, एक चुनाव' को लेकर आगे बढ़ा केंद्र

### रामनाथ कोविंद बनाए गए कमेटी के अध्यक्ष

**AGENCY NEW DELHI :** 'एक देश-एक चुनाव' पर केंद्र सरकार ने कमेटी बना दी है। एजेंसी के मुताबिक, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद को इसका अध्यक्ष बनाया गया है। आज इसका नोटिफिकेशन जारी हो सकता है। केंद्र सरकार ने 18 सितंबर से 22 सितंबर तक संसद का विशेष सत्र बुलाया है। संभव है कि एक देश एक चुनाव पर सरकार बिल भी ला सकती है। केंद्र की बनाई कमेटी एक देश एक चुनाव के कानूनी पहलुओं पर गौर करेगी। साथ ही इसके लिए आम लोगों से भी राय लेगी। इस बीच, भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा कोविंद से मिलने उनके आवास पर पहुंचे। हालांकि, इस मुलाकात की वजह सामने नहीं आई है। सरकार की इस पहल पर लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी ने कहा कि आखिर एक देश एक चुनाव की सरकार को अचानक जरूरत क्यों पड़ गई। वहीं कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा- व्यक्तिगत तौर पर मैं एक देश एक चुनाव का स्वागत करता हूं। यह नया नहीं, पुराना ही आइडिया है। इस बीच, संसदीय कार्य मंत्री, प्रह्लाद जोशी ने कहा, 'अभी तो समिति बनी है, इतना घबराने की बात क्या है? समिति की रिपोर्ट आएगी, फिर पब्लिक डोमेन में चर्चा होगी। संसद में चर्चा होगी।

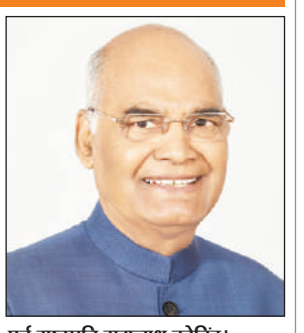
पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद।

### उधर, बंगाल में सीपीएम और कांग्रेस ने टीएमसी को बताया दुश्मन

**KOLKATA :** आगामी लोकसभा चुनाव के लिए विपक्षी दलों के बनाए गए 'इंडिया' गठबंधन में भले ही कांग्रेस, टीएमसी और सीपीआईएम साथ हों, लेकिन पश्चिम बंगाल में कांग्रेस और सीपीआईएम टीएमसी के खिलाफ हैं। उत्तर बंगाल के धुपगुड़ी में 5 सितंबर को होने वाले विधानसभा उपचुनाव के प्रचार के दौरान राज्य कांग्रेस अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी और सीपीआई (एम) के राज्य सचिव मोहम्मद सलीम ने तृणमूल कांग्रेस और भाजपा पर जमकर हमला बोला और दोनों को अपना दुश्मन बताया। जिस दौरान बंगाल में अधीर रंजन चौधरी और सलीम अपने साझा उम्मीदवार के समर्थन में जलपाईगुड़ी जिले के धुपगुड़ी में एक रैली को संबोधित कर रहे थे, उसी दौरान मुंबई में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और सीपीआई (एम) के राष्ट्रीय महासचिव सीताराम येचुरी इंडिया अलायंस की तीसरी बैठक में मौजूद थे। ऐसे में बंगाल में टीएमसी पर कांग्रेस के हमलावर होने के चलते सवाल उठ रहे हैं कि कहीं इससे राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन में आने वाले समय में कोई दरार न पड़ जाए।

## CM हेमंत सोरेन को ईडी का तीसरा समन, नौ को बुलाया

### समन के खिलाफ मुख्यमंत्री की याचिका SC में है लंबीत

**CRIME REPORTER RANCHI :** जमीन घोटाला मामले में शुक्रवार को प्रवर्तन निदेशालय ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को तीसरा नोटिस जारी किया है। जानकारी के मुताबिक ईडी ने फिर से 9 सितंबर को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पूछताछ के लिए रांची स्थित क्षेत्रीय कार्यालय में उपस्थित होने को कहा है। उधर सीएम हेमंत ने पहले ही ईडी के समन को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे चुके हैं। उन्होंने समन को असंवैधानिक एवं दुर्भावना से प्रेरित बताया था। सीएम हेमंत सोरेन ने ईडी के समन को दुर्भावना से प्रेरित बताते हुए सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। जिसमें उन्होंने न्याय एवं कानून मंत्रालय और ईडी निदेशालय को प्रतिवादी बनाया है। हालांकि इस मामले में अभी तक अदालत में सुनवाई की तारीख तय नहीं हुई है। ज्ञात हो कि बीत वर्ष भी जांच एजेंसी ने अवैध खनन मामले में झारखंड के मुख्यमंत्री को पूछताछ के लिए बुलाया था।

### पहली बार 14 अगस्त को जारी किया गया था समन

ईडी ने जमीन घोटाला मामले में सबसे पहले मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 14 अगस्त को समन जारी किया था। इसके जवाब में मुख्यमंत्री ने समन को असंवैधानिक एवं दुर्भावना से प्रेरित बताया था और समन वापस लेने को कहा था। जिसके बाद ईडी ने दूसरी बार समन भेज कर 24 अगस्त को रांची स्थित कार्यालय में हाजिर होने को कहा। इसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर किया। ईडी ने हेमंत को समन करने के लिए 13 और 26 अप्रैल, 2023 को की छापामारी के आलोक में दर्ज करायी गयी प्राथमिकी को आधार बनाया है।

### कठिनाई का मुकाबला करें, सफलता कदम चूमेगी : राष्ट्रपति

**RAIPUR :** गुरु घासीदास विश्वविद्यालय के दसवें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेने पहुँचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने चंद्रयान मिशन के माध्यम से जीवन की सफलताओं के सूत्र बताए। उन्होंने कहा कि चंद्रयान ने चंद्रमा की सतह पर सफल लैंडिंग की। इस पर बरसों से निष्ठापूर्वक काम होता रहा। मार्ग में रुकावटें आती रहीं लेकिन हम नहीं रूके। ऐसा व्यक्तिगत जीवन में भी होता है। निरंतर दक्षता के साथ परिश्रम करते रहें। तात्कालिक असफलता से कभी हताश न हों, चुनौतियाँ हमारे जीवन में आती हैं तो नये मौके भी लाती हैं। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर 2946 छात्र-छात्राओं को उपाधि प्रदान की। समारोह में राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया।

## अलकायदा का संदिग्ध आतंकी कटकी लाया गया जमशेदपुर

### कोर्ट में पेशी के बाद भेजा गया घाघीडीह सेंट्रल जेल

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** दिल्ली तिहाड़ जेल से कड़ी सुरक्षा में आतंकी संगठन अल-कायदा का संदिग्ध मोहम्मद अब्दुल रहमान उर्फ कटकी को बिष्टुपुर थाना की पुलिस ने प्रोडक्शन के आधार पर जमशेदपुर लाया। कटकी की सुरक्षा घेरे में चारों ओर दिल्ली, झारखंड व जमशेदपुर की पुलिस कुल आठ सशस्त्र फोर्स की टीम तैनात थी। शुक्रवार एक सितंबर, 2023 को दोपहर दो बजे एडीजे-वन न्यायाधीश संजय कुमार उपाध्याय के कोर्ट में पेशी की गयी। कोर्ट ने केस की सुनवाई के लिए अगली तिथि 20 सितंबर, 2023 को निर्धारित की है। इससे पूर्व संदिग्ध आतंकी कटकी ने वकील दिलीप कुमार महतो के माध्यम से गत 23 जून, 2023 को एडीजे-वन की कोर्ट में आवेदन देकर दिल्ली से संदिग्ध आतंकी को जमशेदपुर में लंबित केस की सुनवाई में लाने का अनुरोध किया गया था। इस पर कोर्ट ने 10 अगस्त, 2023 को इसकी अनुमति प्रदान की थी। शुक्रवार की सुबह कड़ी सुरक्षा में कटकी को लेकर दिल्ली और झारखंड पुलिस जमशेदपुर कोर्ट लेकर पहुंची थी। कोर्ट में पेशी के बाद घाघीडीह सेंट्रल जेल में रखने व यहां के लंबित 219/21 सेशन ट्रायल की सुनवाई शुरू करने का आदेश दिया। कोर्ट में पेशी के बाद कड़ी सुरक्षा में संदिग्ध आतंकी कटकी को घाघीडीह सेंट्रल जेल भेजा गया।

कड़ी सुरक्षा में जमशेदपुर कोर्ट में पेशी के लिए कटकी को लेकर जाती पुलिस।

## विधायक की हत्या में पूर्व सांसद को उम्रकैद की सजा

**CRIME REPORTER RANCHI :** करीब 28 वर्ष पूर्व विधायक की हत्या के आरोप में वर्तमान में हजारीबाग जेल में बंद राजद के पूर्व सांसद प्रभुनाथ सिंह को दोहरे हत्याकांड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। बिहार के महाराजगंज लोकसभा सीट से तीन बार जदयू और एक बार आरजेडी के टिकट पर सांसद रह चुके प्रभुनाथ सिंह पर 1995 में मसरख के एक मतदान केंद्र के पास तब 47 साल के दारोगा राय और 18 साल के राजेंद्र राय की हत्या का आरोप लगा था। आरोप था कि दोनों ने प्रभुनाथ सिंह समर्थित उम्मीदवार को वोट नहीं किया था, इसलिए दोनों की हत्या कर दी गई। मृतक के भाई द्वारा गवाहों को धमकाने की शिकायत के बाद इस केस को छपरा से पटना ट्रांसफर कर दिया गया जहां इसका ट्रायल हुआ था। कोर्ट ने सबूतों के आभाव में प्रभुनाथ सिंह को बरी कर दिया था।

### 39 पुड़िया ब्राउन शुगर के साथ दो तस्कर धराए

**RANCHI :** रांची पुलिस नशा का कारोबार करने वाले तस्करों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में डोरंडा थाने की पुलिस ने साउथ ऑफिस पाड़ा से दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों के पास से पुलिस ने 39 पुड़िया ब्राउन शुगर बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपियों में डोरंडा मिस्त्री मोहल्ले के सैफ खान और कुम्हार टोली निवासी मो फैजान शामिल हैं। बताया जा रहा है कि बीते गुरुवार को पुलिस की टीम को साउथ ऑफिस पाड़ा में नशीली पदार्थ के बिक्री होने की सूचना मिली। डोरंडा थाना प्रभारी लक्ष्मीकांत के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने छापेमारी कर दोनों तस्कर को साउथ ऑफिस पाड़ा से पकड़ा।

## चारा घोटाला में 36 दोषियों को 4-4 साल की जेल

### सीबीआई की अदालत ने डॉ गौरी शंकर प्रसाद पर लगाया एक करोड़ से अधिक का जुर्माना

**CRIME REPORTER RANCHI :** बहुचर्चित चारा घोटाले मामले में रांची की विशेष सीबीआई कोर्ट ने शुक्रवार को दोषी करार दिए गए सभी 36 अभियुक्तों को चार-चार साल की कैद की सजा सुनाई है। इसके साथ साथ ही सभी पर भारी भरकम जुमार्ना भी लगाया गया है। अदालत ने डॉ. गौरी शंकर प्रसाद पर एक करोड़ से अधिक का जुमार्ना लगाया गया है। सीबीआई के विशेष न्यायाधीश विशाल श्रीवास्तव की अदालत ने चारा घोटाले में डोरंडा कोषागार से जुड़े 36.60 करोड़ रुपये की अवैध निकासी मामले में शुक्रवार को सजा का ऐलान करते हुए सभी 36 दोषियों को चार-चार साल की कैद की सजा सुनाई। इससे पहले अदालत ने 28 अगस्त को इन अभियुक्तों को दोषी करार देकर बिरसा मुंडा जेल होटवार भेज दिया था।

### इन दोषियों को सुनाई गई सजा

सीबीआई कोर्ट द्वारा जिन दोषियों को सजा सुनाई गई है उनमें- डॉ. गौरीशंकर प्रसाद, डॉ. रवींद्र कुमार सिंह, डॉ. फणींद्र कुमार त्रिपाठी, नित्यानंद कुमार सिंह, डॉ. जुनुल भेंगराज, डॉ. के.एम. प्रसाद, डॉ. राधा रमण सहाय, सप्लायर महेंद्र प्रसाद, देवेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव, अशोक कुमार यादव, रामनंदन सिंह, डॉ. बिजयेश्वरी प्रसाद सिन्हा, अजय कुमार सिन्हा, राजन मेहता, रविनंदन कुमार सिन्हा उर्फ रवि कुमार सिन्हा, राजेंद्र कुमार हरित, अनिल कुमार, त्रिपुरारी मोहन प्रसाद, दयानंद प्रसाद कश्यप, शरद कुमार, मो सईद, मो. तौहिद, संजय कुमार, रामाशंकर सिंह, उमेश दुबे, अरुण कुमार वर्मा, श्याम नंदन सिंह, मोहिंद्र सिंह बेदी, प्रदीप कुमार चौधरी, सत्येंद्र कुमार मेहरा, मदन मोहन पाठक और प्रदीप वशिष्ठ उर्फ प्रदीप कुमार डॉ. अजीत कुमार वर्मा, सुशील कुमार सिन्हा और जगमोहन लाल कक्कड़ शामिल हैं।

### शनिवार सुबह 11.50 बजे होगी लॉन्चिंग, चार महीने में पहुंचेगा L-1 POINT

## सूरज से आंख मिलाने आज निकलेगा भारत का ROCKET

**AGENCY BENGALURU :** इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेश (इसरो) ने शुक्रवार (1 सितंबर) दोपहर 12 बजकर 10 मिनट पर सोलर मिशन आदित्य एल-1 की लॉन्चिंग का 23 घंटे 40 मिनट का काउंटडाउन शुरू कर दिया है। आदित्य एल-1 को आज (2 सितंबर) सुबह 11 बजकर 50 मिनट पर पीएसएलवी एक्सएल रॉकेट के जरिए श्रीहरिकोटा के सतीश धवन स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा। मिशन की लॉन्चिंग से पहले इसरो चीफ एस सोमनाथ ने शनिवार (1 सितंबर) को आंध्र प्रदेश के चेंगलम्मा परमेश्वरी मंदिर पहुंचे। यहां उन्होंने मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना की। इससे पहले सोमवार 28 अगस्त को इसरो चीफ एस सोमनाथ ने तमिलनाडु के सुल्लुरपेटा में श्री चेंगलम्मा परमेश्वरी मंदिर में पूजा की। उन्होंने बताया कि किसी भी मिशन की लॉन्चिंग से पहले इसरो के साइंटिस्ट इस मंदिर में आते हैं। यह परंपरा पिछले 15 सालों से चली आ रही है। 30 अगस्त को इसरो चीफ एस सोमनाथ ने कहा था कि आदित्य एल-1 की लॉन्चिंग की सभी तैयारियां पूरी हो गई हैं। रॉकेट और सैटेलाइट तैयार हैं। हमने लॉन्चिंग के लिए रिहर्सल भी कर ली है। मिशन को सटीक दायरे तक पहुंचने में 125 दिन लगेंगे। वहीं, इसरो ने कहा- व्हीकल के इंटरनल चेक पूरे कर लिए गए हैं। ये करीब 4 महीने में पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर दूर लैगरेंज पॉइंट-1 यानी एल-1 पॉइंट तक पहुंचेगा।

### आदित्य एल-1 की विशेषताएं

चंद्रयान-3 मिशन के तरह ही आदित्य एल-1 मिशन भी लॉन्च के बाद सबसे पहले पृथ्वी की कक्षा में चक्कर लगाते हुए 15 लाख किलोमीटर का सफर तय करके सूर्य के एल वन प्वाइंट पर पहुंचेगा। इसी प्वाइंट पर चक्कर लगाते हुए आदित्य-एल-1 सूर्य की सबसे बाहरी परत यानी कोरोना से निकलने वाली किरणों पर शोध करेगा। उल्लेखनीय है कि भारत ने अन्य देशों के सूर्य मिशन के मुकाबले इसे बहुत कम बजट में तैयार किया है। आदित्य एल-1 मिशन की लागत 380 करोड़ रुपये आई है। नासा ने जो अपना सूर्य मिशन भेजा था, उसमें कुल 12,000 करोड़ रुपये का खर्च आया था। वैज्ञानिकों के मुताबिक इस मिशन के तहत इसरो सूर्य की बाहरी परत कोरोना के आसपास के वायुमंडल की जांच करेगा।

### रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 2-3 सितंबर को श्रीलंका की यात्रा पर रहेंगे

**NEW DELHI :** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 02-03 सितंबर को श्रीलंका की यात्रा पर रहेंगे। इस दौरान वे श्रीलंका के राष्ट्रपति एवं रक्षा मंत्री रानिल विक्रमसिंघे और प्रधानमंत्री दिनेश गुणवर्धने के साथ बातचीत करेंगे। रक्षा मंत्री मध्य श्रीलंका स्थित नुवारा एलिया और देश के पूर्वी हिस्से में स्थित त्रिंकोमाली का भी दौरा करेंगे। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि इन बैठकों के दौरान श्रीलंका के साथ भारत के रक्षा संबंधों के समस्त पहलुओं की समीक्षा की जाएगी। राजनाथ सिंह की यह यात्रा श्रीलंका के साथ मौजूदा सौहार्दपूर्ण एवं मैत्रीपूर्ण संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के प्रति भारत की निरंतर प्रतिबद्धता को दोहराएगी। यह दोनों देशों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगी।

## चीन-पाक सीमा पर गरजेंगे वायु सेना के लड़ाकू विमान

### जी-20 सम्मेलन

**AGENCY NEW DELHI :** जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए राजधानी दिल्ली में दुनिया के ताकतवर राष्ट्राध्यक्षों की मौजूदगी के बीच चीन और पाकिस्तान की सीमाओं पर भारतीय वायु सेना के लड़ाकू विमान गरजेंगे। भारतीय वायु सेना दोनों सीमाओं पर एक साथ 'त्रिशूल' नाम से प्रशिक्षण अभ्यास करेगी। 4 से 14 सितंबर तक यह अभ्यास लद्दाख, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पंजाब सहित उत्तरी क्षेत्र में होगा। भारतीय वायु सेना ने 9 और 10 सितंबर को होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए अपने हथियारों और उपकरणों को हाई अलर्ट पर रखा है। वायु सेना इस समय राजधानी दिल्ली में शिखर सम्मेलन के दौरान हवाई सुरक्षा के मद्देनजर अभ्यास कर रही है। खासकर विदेशी मेहमानों को ठहराए जाने वाले होटलों और कार्यक्रम स्थल प्रगति मैदान के आसपास मॉक ड्रिल की जा रही है। जनपथ रोड स्थित होटल ली-मेरिडियन की छत पर वायु सेना ने अपने एमआई-17 हेलीकॉप्टर को उतारने का अभ्यास किया है, ताकि जरूरत पड़ने पर किसी भी ऑपरेशन को अंजाम दिया जा सके।

BRIEF NEWS

## तोरपा के नौ और खूंटी के तीन मतदान केंद्रों को बदलने पर सहमति

**KHUNTI:** जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त लोकेश मिश्र की अध्यक्षता में मतदाता सूची विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण के संबंध में एनआईसी सभागार में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ शुक्रवार को प्रशासनिक अधिकारियों की बैठक हुई। इसमें आगामी लोकसभा चुनाव और एसएसआर के तहत जर्जर और ध्वस्त भवनों में स्थित मतदान केंद्रों को बदलने के लिए जिला स्तर पर राजनीतिक दलों की सहमति और अन्य बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में 59 तोरपा (अजजा) के नौ मतदान केंद्रों और 60 खूंटी (अजजा) के तीन मतदान केन्द्र के भवन जर्जर-ध्वस्त होने के कारण इन्हें बदलने के प्रस्ताव पर सहमति दी गई। सर्वसम्मति से हाउस टू हाउस सर्वे में सहयोग का अनुरोध किया। उपायुक्त ने सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से कहा कि मतदान केंद्रों पर बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति वे अपने स्तर से सुनिश्चित करें। डीसी ने बताया कि जिनकी उम्र 18 वर्ष पूरी होने वाली है, वे सभी प्रपत्र-6 के माध्यम से नाम दर्ज करा सकते हैं। किसी भी प्रकार के संशोधन के लिए प्रपत्र-8 तथा मतदाता सूची से नाम हटाने के लिए प्रपत्र-7 का प्रयोग होता है। बैठक में उप विकास आयुक्त, अनुमंडल पदाधिकारी, अपर समाहर्ता, उप निर्वाचन पदाधिकारी एवं अन्य उपस्थित थे।

## भाकपा माले की बैठक में संकल्प सभा के आयोजन पर की गई चर्चा

**GIRIDIH:** भाकपा माले गावां व तीसरी प्रखंड के संयुक्त बैठक 1 सितंबर को गावां में आयोजित की गई। बैठक में मुख्यरूप से किसान महासभा के प्रदेश सचिव सह पूर्व विधायक राजकुमार यादव उपस्थित थे। बैठक में 19 सितंबर को कोडरमा में आयोजित होने वाली किसान मजदूर संकल्प सभा की सफलता पर विस्तार से चर्चा की गई। तय किया गया कि गावां व तीसरी से सैकड़ों की संख्या में किसान व मजदूर संकल्प सभा मे भाग लेंगे। बैठक में दोनों प्रखंडों में पंचायतवार प्रचार प्रसार की जिम्मेवारी कार्यकताओं को सौपी गई। राजकुमार यादव ने कहा कि एनडीए सरकार देश की संविधान को बदलने की साजिश कर रही है। लोकतंत्र पर हमला भी जारी है। देश की जनता महगाई व बेरोजगारी से त्रस्त है। गिरिडीह व कोडरमा को सरकार सुखाड़ घोषित कर गरीबों को अनाज की व्यवस्था करें व बिजली बिल माफ किया जाए। कार्यक्रम में नागेश्वर यादव, जयनारायण यादव, पवन कुमार चौधरी, अशोक मिस्त्री, मंटू शर्मा, अशोक मोदी, मकसूद आलम, उमेश चौधरी, कन्हाय राम, लालो भुंइया, आनंदी यादव, जितेंद्र यादव आदि उपस्थित थे।

## विश्वानी नदी पर पुल निर्माण का विधायक ने किया शिलान्यास

**DEOGHAR :** मोहनपुर प्रखंड क्षेत्र के अंतर्गत रिखिया थाना के बारा पंचायत के बिसवानी नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण कार्य का शिलान्यास विधायक नारायण दास ने नारियल फोडकर किया। इस दौरान उपस्थित आम ग्रामीणों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पुल का निर्माण होने से पंचायत के ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा होगी। वर्षा के दौरान नदी में पानी भर जाने से लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था, अब पुल निर्माण होने से ग्रामीणों को निजात मिलेगी। मौके पर जुटे लोगों ने अपनी समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा। विधायक नारायण दास ने मौके पर ही कई समस्याओं का समाधान किया। इस दौरान रिखिया मंडल अध्यक्ष मिथिलेश सिन्हा, बारा पंचायत के मुखिया विष्णु महतो, अनिल कुमार शाह, राजेंद्र भोक्ता, सुमेश्वर यादव, कमल यादव ,सुरेश पोद्दार, राजेश यादव, हनुमान रामानी, रामदयाल सिंह, संजय यादव सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित थे।

# जी-20 बैठक में दिखेगी सभी 29 सदस्य देशों की संस्कृति , खास तौर पर बनाया गया गलियारा

## नौ आमंत्रित देशों की कलाकृतियों से भी रूबरू होंगे मेहमान

**AGENCY NEW DELHI:** आगामी जी-20 देशों की बैठक के आयोजन स्थल पर संस्कृति मंत्रालय ने एक खास संस्कृति गलियारा तैयार किया है। इसमें 29 देशों की संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी। 'वसुधैव कुटुंबकम' के थीम पर आधारित भारतमंडपम में तैयार इस गलियारे में जी- 20 देशों के साथ 9 आमंत्रित देशों की कलाकृतियों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ उनकी विशिष्ट सांस्कृतिक वस्तुओं को डिजिटल रूप से भी प्रदर्शित किया जाएगा। प्रदर्शनी में जी-20 सदस्यों और आमंत्रित देशों की मूर्त, अमूर्त और प्राकृतिक विरासत का विषयगत संकलन प्रदर्शित किया जाएगा, जिनकी एक विशिष्ट पहचान है। संस्कृति मंत्रालय के अधिकारियों

के अनुसार इस प्रदर्शनी के लिए सभी 29 देशों से सांस्कृतिक वस्तुएं प्राप्त हुईं हैं, जिसे मेहमान कॉरिडोर में देख पाएंगे। भारत की ओर से इस सांस्कृतिक कॉरिडोर में मूर्त कैटेगरी में अत्यंत प्राचीन ग्रंथ महर्षि पाणिनि अष्टाध्यायी, डिजिटल रूप से भीमबेटका शिलालेख, अमूर्त कैटेगरी में योग, कुंभ मेला, वैदिक मंत्रोच्चारण, मूर्तिकला, और पाटन पटोला हस्तकला को शामिल किया है। प्राकृतिक विरासत कैटेगरी में हिमालय, गंगा, गंगासागर, बंगाल टाइगर, और लिविंग रूट ब्रिज को डिजिटल रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। इसके साथ आयोजन स्थल पर लोकतंत्र पर भी एक खास प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जिसमें भारत की तरफ से ऋग्वेद को शामिल किया गया है। मंत्रालय के मुताबिक इस प्रदर्शनी का अनावरण 9 सितंबर को जी20 लीडर्स समिट के आयोजन स्थल भारतमंडपम में किया जाएगा। जो बैठक के बाद लोगों के लिए भी खोली जाएगी। उल्लेखनीय है कि जी- 20 बैठक में यह पहली बार है जब विरासत परियोजना के रूप संस्कृति गलियारे की कल्पना की गई है। संस्कृति गलियारा विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों की समझ और सराहना को बढ़ावा देने, ज्ञान साझा करने, समानता और साझा पहचान की भावना को बढ़ावा देने के लिए एक शक्तिशाली मंच के रूप में काम करेगा।

**कैसा दिखेगा कल्चर कॉरिडोर :**

कल्चर कॉरिडोर को भविष्य के संग्रहालयों के एक मिश्रित रूप के रूप में डिजाइन किया गया है। दुनिया के कौशल, कला और इतिहास को प्रदर्शित करने के लिए 29 देशों की सबसे महत्वपूर्ण सांस्कृतिक वस्तुएं प्रदर्शित की जाएंगी। 180-डिग्री इमर्सिव स्क्रीन आगंतुक को एक ऐसे क्षेत्र में ले जाएगी, जो दुनिया की प्राकृतिक और अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की झलक दिखाएगा। प्रदर्शनी में 12 फुट का डिजिटल क्यूब भी प्रदर्शित किया जाएगा जो एनामॉर्फिक सामग्री के माध्यम से प्रतिष्ठित उत्कृष्ट कृतियों को प्रदर्शित करेगा। कॉरिडोर में कई स्क्रीन लगाई गई हैं, जिसमें सभी 29 देशों की सांस्कृतिक झलक 30-30 सेकंड तक देखी जा सकेगी।

# डुमरी में बेबी देवी की जीत ही जगरनाथ महतो को होगी श्रद्धांजलि : राजेश ठाकुर

## प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष व पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने ऊपरघाट में चलाया जनसंपर्क अभियान

नुक्कड़ सभा को संबोधित करते प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS BERMO :** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर और राज्य के पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने एक सितंबर को डुमरी विधानसभा उपचुनाव में ह्यईंडियाह्ल गठबंधन की प्रत्याशी बेबी देवी के समर्थन में नावाडीह के ऊपरघाट क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने ऊपरघाट के मुंगो, रंगामाटी, डेगागढ़ा सहित अन्य जगहों पर नुक्कड़ सभाओं को संबोधित किया। राजेश ठाकुर ने कहा कि स्व। जगरनाथ महतो डुमरी विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए हमेशा तत्पर रहे। यहां के लोगों की दिन-रात सेवा की। कोरोना काल में बीमार पड़े, लेकिन ठीक होने के तुरंत बाद जनता की सेवा में जुट गए। उनकी शहादत बेकार नहीं जाएगी। उन्होंने क्षेत्र की जनता से अपील की उनकी पत्नी बेबी देवी को विजयी बनाएं। यह जगरनाथ महतो के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सभाओं को बंधु तिर्की ने भी संबोधित किया।

# राज्य में अपराधियों का हौसला बुलंद, जनता डरी : सुदेश महतो

नुक्कड़ सभा को संबोधित करते सुदेश महतो।

**PHOTON NEWS GIRIDIH:** आजसू के केंद्रीय अध्यक्ष सुदेश महतो ने शुक्रवार को एनडीए प्रत्याशी यशोदा देवी के पक्ष में नावाडीह के भलमारा, नावाडीह, चिरूडीह, परसबानी, दहियारी और आहारडीह में नुक्कड़ सभा किया। उन्होंने कहा कि हेमंत है तो हिम्मत है का नारा देकर सत्ता में आने वाली सरकार में जनता का हिम्मत तो नहीं बढ़ा लेकिन अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। यही इस सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि डुमरी को भय मुक्त और विकास युक्त बनाना ही हमारा लक्ष्य है। जेएमएम की सरकार का जाना तय है। जनता मन बना चुकी है। महतो ने कहा कि हेमंत सरकार झूठ की नींव पर खड़ी है। इस सरकार ने जनता से किया एक भी वादा पूरा नहीं किया है। पिछले चार सालों में वादों के नाम पर राज्य की जनता को छलने का काम किया जा रहा है। डुमरी का उप चुनाव भी ये लोग विकास पर नहीं, बल्कि झूठ और आतंक के जोर पर लड़ना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि पूरी हेमंत कैबिनेट डुमरी पर्यटन पर है। जनता से जुड़े मुद्दों की तरफ इनका ध्यान नहीं है। झामुमो के राजनीतिक शब्दावली में विकास जैसा कोई शब्द है ही नहीं। जेएमएम और उसके सहयोगी दल चाहे जितना जोर लगा दें उन्हें मुंह की खानी होगी। यह सरकार बड़े-बड़े वादे करती है लेकिन एक गांव का नाम नहीं बता सकती जिसका काया पलट इसने किया हो।

# यह दौर बदलाव का, तैयार रहें झारखंडी : जयराम महतो

## चरही में बदलाव संकल्प महासभा में उमड़ा जनसैलाब, वक्ताओं ने भरी परिवर्तन की हुंकार

**PHOTON NEWS HAZARIBAGH :** हजारीबाग के चरही स्थित बिरसा फुटबॉल मैदान में शुक्रवार को बदलाव संकल्प महासभा में जनसैलाब उमड़ा और वक्ताओं ने परिवर्तन की हुंकार भरी। मौके पर जयराम महतो और अन्य वक्ताओं ने कहा कि झारखंड में एक बहुत बड़े बदलाव की जरूरत है। इसके लिए सभी को तैयार रहना होगा। झारखंड के लिए आंदोलन बदलाव का एक दौर है। सभी झारखंडी को उठ खड़ा होना होगा। यह एक बड़े परिवर्तन का दौर है। यह आंदोलन एक उम्मीद का आंदोलन है। झारखंड के जनमुद्दों को लेकर झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति (जेबीकेएसएस) पूरे राज्य में सभाएं कर रही हैं और लगातार झारखंड वासियों के हक और अधिकारों को लेकर जन जागरुकता अभियान चला रही है। वक्ताओं ने कहा कि झारखंडी मुद्दों पर जुटी भीड़ स्पष्ट स्थानीय और नियोजन नीति की मांग कर रही है। साथ ही झारखंड की 81 विधानसभा और 14 लोकसभा सीटों पर स्थानीय झारखंडी को सांसद और विधायक बनाने को लेकर तैयारी कर रही हैं। सभा में संजय मेहता ने कहा कि झारखंड की स्थानीय नीति, नियोजन नीति, पुनर्वास नीति में कोई स्पष्टता नहीं है। झारखंडी की पहचान आज तक परिभाषित नहीं हो पायी है। स्थानीय नीति को झारखंडी भावनाओं के अनुरूप परिभाषित करने की जरूरत है। करण उर्फ बप्पी ने कहा कि निजी कंपनी कोल उत्खनन के लिए सरकार के नियम को तोड़ रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब जमीन हमारी, फसल हमारा, पहाड़ हमारा, नदी हमारी तो सरकार भी हमारी होगी। महासभा में झारखंड के हजारीबाग, चतरा, कोडरमा और गिरिडीह लोकसभा के कार्यकर्ता और आम लोग पहुंचे। साथ ही सभी विश्वविद्यालयों से छात्र नौजवानों ने भाग लिया।

# डुमरी की जनता ने परिवर्तन का बनाया मन : बाबूलाल

जनसंपर्क अभियान में लोगों को संबोधित करते बाबूलाल मरांडी।

**PHOTON NEWS RANCHI:** डुमरी उप चुनाव में एनडीए का प्रचार अभियान जोर-शोर से चल रहा। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने संकल्प यात्रा को बीच में रोककर प्रचार अभियान में पूरी ताकत झोंक दी है। सभी छह मंडलों में बूथ स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन के बाद अब गांव-गांव संपर्क अभियान पर पार्टी ने जोर लगाया है। बाबूलाल मरांडी ने शुक्रवार को ससारखों मंडल के दर्जनों गांवों का दौरा कर लोगों से एनडीए प्रत्याशी यशोदा देवी के पक्ष में मतदान करने की अपील की। मरांडी ने अपने संबोधनों में बार-बार पहले मतदान फिर जलपान का अनुरोध किया। मरांडी ने संपर्क अभियान की शुरूआत खरको मोड़ पर स्थापित झारखंड के अमर शहीद सिदो कान्हो की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया। जनसंपर्क अभियान में मरांडी ने जरीडीह, बाराडीह, खकसावा, करमा, बहियार, बरवाडीह सहित दर्जनों गांवों में लोगों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से जनता का आक्रोश हेमंत सरकार के खिलाफ झलक रहा उससे स्पष्ट हो गया है कि डुमरी विधानसभा क्षेत्र की जनता ने हेमंत सरकार को सबक सिखाने का मन बना लिया है। उन्होंने कहा कि जनता आखिर झामुमो प्रत्याशी को क्यों वोट करे। हेमंत सोरेन की सरकार पैसे और परिवार के लिए सत्ता में बने रहना चाहती है।

# इंडिया गठबंधन हो रहा मजबूत, डुमरी में बेबी देवी की जीत तय : खीरू महतो

संवाददाताओं से बातचीत करते खीरू महतो व अन्य ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS GIRIDIH:** जदयू के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद खीरू महतो ने डुमरी विधासभा उपचुनाव में इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी बेबी देवी के समर्थन में एक सितंबर शुक्रवार को डुमरी में जनसंपर्क अभियान चलाया और नुक्कड़ सभाएं की। इस दौरान संवाददाताओं से बातचीत में उन्होंने कहा कि पूरे देश में इंडिया गठबंधन मजबूत हो रहा है। डुमरी उपचुनाव में बेबी देवी की जीत निश्चित है। उन्होंने कहा कि बेबी देवी के पक्ष में पूरे डुगरी क्षेत्र की जनता खड़ी है। उनकी जीत ही स्वर्गीय जगरनाथ महतो को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने कहा कि डुमरी विधानसभा क्षेत्र में जदयू का बड़ा जनाधार है, इसका लाभ इंडिया के प्रत्याशी को मिलेगा। मौके पर लकेश्वर महतो, त्रिभुवन दयाल, दीपनारायण सिंह, श्रवण कुमार, डॉ आफताब अली, सुभाष राय, मनोज सिंह समेत अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

## पुरानी पेंशन योजना की पुनर्बहाली पर मुख्यमंत्री का जताया आभार

**RANCHI:** झारखंड में राज्य कर्मियों के लिए पुरानी पेंशन योजना की पुनर्बहाली के एक वर्ष पूर्ण होने पर राज्यकर्मियों ने मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया है। साथ ही योजना से आच्छादित सभी राज्यकर्मियों ने एक-दूसरे को बधाई दी है। उल्लेखनीय है कि राज्यकर्मी वर्षों से पुरानी पेंशन योजना झारखंड में लागू करने की मांग कर रहे थे, जिसकी एक वर्ष पूर्व राज्य सरकार ने स्वीकृति दी थी। ऐसा करने वाला झारखंड देश का पहला राज्य बना था।

# मोदी सरकार की ओबीसी कल्याण योजनाएं जन-जन तक पहुंचाएं सोशल मीडिया योद्धा : डॉ. के लक्ष्मण

## भाजपा ओबीसी मोर्चा की सोशल मीडिया कार्यशाला में जुटे 30 प्रदेशों के प्रभारी

**AGENCY NEW DELHI:** भारतीय जनता पार्टी के ओबीसी मोर्चा ने शुक्रवार को भाजपा राष्ट्रीय कार्यालय से राष्ट्रीय सोशल मीडिया की कार्यशाला से मिशन 2024 का शंखनाद किया। कार्यशाला के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए भाजपा ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद डा. के लक्ष्मण ने कहा कि सोशल मीडिया के योद्धा मोदी सरकार की ओबीसी वर्ग के कल्याण की योजनाओं को जन जन तक पहुंचाएं ताकि जनता ज्यादा से ज्यादा उन योजनाओं का लाभ उठा सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय सोशल मीडिया लोगों

से जुड़ने का एक सशक्त माध्यम है, जिसकी उपयोगिता को हमें पार्टी हित में उपयोग करना चाहिए। डा. लक्ष्मण ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने चुनाव से पहले जो वायदे किए थे, उनसे कहीं अधिक उन्होंने पिछड़ा वर्ग के लिए काम किया है। ओबीसी आयोग को संवैधानिक दर्जा देना, प्रदेशों को ओबीसी सूची में विस्तार का अधिकार देना, अब तक केंद्र में सबसे अधिक 27 मंत्रियों को मंत्री परिषद में स्थान देना, नीट में 27 प्रतिशत आरक्षण, विश्वकर्मा योजना, प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना, वेंचर कैपिटल फंड फॉर ओबीसी और प्रधानमंत्री दक्ष योजना आदि अनेक योजनाएं केंद्र सरकार द्वारा ओबीसी वर्ग के कल्याण के लिए लाई गई हैं। इनका सोशल मीडिया के कार्यकताओं द्वारा समाज में प्रचार प्रसार किया जाना चाहिए। डा. लक्ष्मण ने कहा कि मोदी सरकार को बनाने में पिछड़ा वर्ग का अहम योगदान है और पिछड़ा वर्ग भी अपने आप को भाजपा सरकार में सुरक्षित महसूस करता है, इसलिए 2024 में ओबीसी के व्यापक जन समर्थन से तीसरी बार मोदी देश के प्रधानमंत्री बनेंगे और भारत का जन मानस देश को विकास की नई ऊंचाइयां छूते हुए देखेगा। डा. लक्ष्मण ने बताया कि 17 सितंबर को विश्वकर्मा जयंती पर केंद्र सरकार द्वारा विश्वकर्मा योजना लाई जा रही है, जिसमें देश की लगभग 140 पिछड़ी जातियों के 30 लाख परिवारों को स्व रोजगार शुरू करने के लिए 5 प्रतिशत वार्षिक के नाम मात्र ब्याज पर वित्तीय सहायता दी जाएगी।

## केन्द्रीय उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य ने किया दो दिवसीय बी-20 इंटरनेशनल एयरो स्पेस कांफ्रेंस का उद्घाटन

# भारत के विमानन क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं, कंपनियां आएं आगे : सिंधिया

**AGENCY GWALIOR:** केन्द्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि विमानन क्षेत्र में भारत की क्षमताओं व अपार संभावनाओं का लाभ उठाकर विश्व की एयरोस्पेस कंपनियाँ निवेश के लिये आगे आएँ। भारत में किया गया निवेश कंपनियों के लिये हर तरह से फायदेमंद होगा। सिंधिया शुक्रवार को ग्वालियर में विमानन उद्योग में संभावना एवं निवेश प्रोत्साहन के उदेश्य से शुरू हुई दो दिवसीय ह्लबी-20 इंटरनेशनल एयरोस्पेस कॉन्फ्रेंसह्व के उद्घाटन सत्र में मौजूद देश-विदेश से आए विमानन क्षेत्र के प्रतिनिधिगण, उद्योगपति व निवेशकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर एयरोस्पेस के उत्पादन व उद्योग संभावनाओं को लेकर ह्लमेन इन एमपीह्व का आह्वान भी किया। साथ ही उड्डयन के क्षेत्र में ग्वालियर के स्वर्णिम इतिहास का जिक्र भी किया। दो दिवसीय बी-20 इंटरनेशनल एयरोस्पेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) द्वारा नागर विमानन मंत्रालय की सहभागिता से यहां सिटी सेंटर स्थित होटल रेडिसन में हो रहा है। कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में प्रदेश के औद्योगिक नीति व निवेश संबंधी विभाग के मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव भी मौजूद थे। कॉन्फ्रेंस में लगभग तीन दर्जन उद्योगपति, नीति विशेषज्ञ, जी-20 देशों के प्रतिनिधिगणों सहित लगभग 250 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। जिनमें जीई एयरोस्पेस, हॉल, एयर बस, जीएमआर, एआईईसीएल, रसेल टैक्सास, लोक्हीड एण्ड व्हीटनी एवं हंच मोबिलिटी जैसी विमानन क्षेत्र की जानी-मानी कंपनियों के प्रतिनिधि भी शामिल हैं। केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कॉन्फ्रेंस में निवेशकों का आह्वान करते हुए कहा कि भारत में तेजी के साथ

कार्यक्रम को संबोधित करते केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया।

विमानन सेवाओं का विस्तार हो रहा है। इसलिए वे बेझिझक निवेश करें। उन्होंने कहा कि पिछले 9 साल में विमानन के क्षेत्र में भारत में अभूतपूर्व बदलाव हुए हैं। पहले जहाँ देश में मात्र 74 एयरपोर्ट थे, जो अब बढ़ कर 148 हो गए हैं। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अगले दो-तीन साल में भारत में एयरपोर्ट का आकड़ा 200 तक पहुंच जायेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 में देश में 200 हवाई जहाज थे, जो अब बढ़ कर 700 हो गए हैं। बिहार के दरभंगा जैसी जगहों पर हवाई अड्डों का निर्माण हो रहा है। उन्होंने रेलवे और हवाई सेवाओं की तुलना करते हुए जानकारी दी कि भारत के भारतीय रेलवे के एसी-1 और सेकेण्ड एसी क्लास में लगभग साढ़े 18 करोड़ लोग हर साल यात्रा कर रहे हैं, वहीं हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या साढ़े 14 करोड़ से अधिक है। उन्होंने आशा जताई कि वर्ष 2030-35 तक रेलवे के एसी-1 और सेकेण्ड एसी की तुलना में विमानों से ज्यादा यात्री सफर करने लगेंगे। रेलवे का कम्पाउण्ड एनुयल ग्रोथ रेट 5 प्रतिशत और विमानन क्षेत्र का यह प्रतिशत 10 के लगभग है। सिंधिया ने कॉन्फ्रेंस में मौजूद निवेशकों को जानकारी दी कि भारत ने ड्रोन से लेकर पीएलआई स्कीम तक और डिजी यात्रा सुविधा से लेकर एमआरओ ईको सिस्टम के निर्माण तक हर क्षेत्र में सफलता हासिल की है। कांफ्रेंस के पहले दिन उड्डयन क्षेत्र में नवाचार, सशक्त उत्पादन एवं इस क्षेत्र में महिलाओं की प्रतिभागिता एवं एयरोस्पेस में आधुनिक तकनीकों की आवश्यकता पर परिचर्चा हुई। साथ ही पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न सत्र आयोजित किए गए।

**भारत अब चाँद पर**

सिंधिया ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री ने मेड इन इंडिया का नारा दिया है। उनकी मंशा है कि मेन इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड हो। इसी भाव के साथ देश में परफोर्म, रिफॉर्म एवं ट्रांस फोर्म के सिद्धांत पर देश का विमानन क्षेत्र आगे बढ़ रहा है। देश में जहां विकास के नए कीर्तिमान स्थापित हो रहे हैं वहीं हम अब फाइटर जैट बनाने में भी सक्षम हो रहे हैं। भारत बिना किसी की मदद के अर्थात आत्मनिर्भरता के बल पर चाँद पर भी अपना झंडा लहरा रहा है।

**ग्वालियर के उड्डयन क्षेत्र के स्वर्णिम इतिहास पर प्रकाश डाला**

उन्होंने ग्वालियर के स्वर्णिम इतिहास पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ग्वालियर में 1937 में फ़्लाइग बोट सर्विस हुआ करती थी, जो इंग्लैड और ऑस्ट्रेलिया के बीच उड़ती थी। यह माधव सागर लेक में लैंड होती थी। आजादी से पहले भारत के कई शहरों के लिए ग्वालियर से सीधी उड़ान उपलब्ध थी। सन 1941 में बैंगलोर-ग्वालियर-दिल्ली और बॉम्बे-ग्वालियर-दिल्ली की उड़ान सेवा संचालित थी। ग्वालियर की भूतल परिवहन सेवायें भी सर्वोत्कृष्ट थीं। आजादी के पहले से नॉर्थ इंडियन ट्रांसपोर्ट कंपनी काम करती थी, जो ग्वालियर को मध्य प्रदेश व देश के तमाम शहरों तक परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराती थीं।

**भारत के इतिहास में सबसे कम समय में पूरा होगा ग्वालियर एयरपोर्ट**

उन्होंने कहा कि ग्वालियर में बन रहे अत्याधुनिक टर्मिनल की आधारशिला पिछले साल गृह मंत्री अमित शाह द्वारा रखी गई थी। लगभग 500 करोड़ रुपये की लागत से करीब ढाई लाख वर्गफुट में निमार्णाधीन भारत के इतिहास में सबसे कम समय में पूरा होने जा रहा है।

## BRIEF NEWS

### वाहन चेकिंग के दौरान पुलिसकर्मियों से विवाद करने पर युवक गया जेल

**RANCHI :** अरगोड़ा थाना की पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान पुलिसकर्मियों के साथ विवाद और धक्का मुक्की करने के आरोप में युवक अतुल कुमार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। अतुल हरमू हाउसिंग कालोनी में रहता है। वह कनाडा में पढ़ाई करने के बाद एक सप्ताह पहले रांची आया था। पुलिस का कहना है कि सहजानंद चौक के समीप पुलिस के द्वारा एंटी क्राइम चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान आरोपित अतुल कुमार कार से पहुंचा। पुलिस ने अतुल से कार की डिक्की खोलने की बात कही। अतुल ने डिक्की खोल दिया। पुलिसकर्मियों ने अतुल को डिक्की के पास आने के लिए कहा। इसी बात पर अतुल उग्र हो गया और पुलिसकर्मियों के साथ विवाद करने लगा। आरोपित बार बार पुलिसकर्मियों को वर्दी उतरवाने की धमकी दे रहा था। युवक इतना उग्र हो गया कि उसने जवानों के साथ हाथा पाई कर दिया। इसके बाद पुलिस आरोपित को पकड़कर थाना ले आई और उसे जेल भेज दिया।

### बेड़ो में ट्रेन की चपेट में आने से युवक की मौत

**RANCHI :** प्रखंड के नरकोपी रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को पैसेंजर ट्रेन की चपेट में आने से अज्ञात युवक की मौके पर मौत हो गई। घटना शुक्रवार को दिन के तीन बजे की है। नरकोपी थाना प्रभारी अभिजीत कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने पर वे सदल बल मौके पर पहुंचे और मुआयना किया। नरकोपी पुलिस ने शव को घटनास्थल से बरामद कर लिया। पुलिस मृतक की शिनाख्त करने में जुटी है।

### भाई को राखी बांधकर लौट रही बहन की हादसे में मौत

**RANCHI :** रांची-पटना एनएच 33 पर अज्ञात कंटेनर की टक्कर से बाइक सवार मां की मौत हो गई और पुत्र घायल हो गया। घटना शुक्रवार को दिन के 12 बजे की है। महिला अपने मायके रामगढ़ में भाई को राखी बांधकर पुत्र के साथ ससुराल लौट रही था। मृतका उषा देवी (40वर्ष) बूटी गांव निवासी युगल किशोर ओहदार की पत्नी थी। वहीं उसके घायल पुत्र दुर्गेश ओहदार का रिम्स में इलाज चल रहा है वह खतरे से बाहर है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया है। उषा गुरुवार को अपने मायके गई थी और शुक्रवार को ससुराल लौट रही थी। रास्ते में ओरमांझी थाना के पास रामगढ़ की ओर से आ रहे कंटेनर ने उसे चपेट में ले लिया। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घायल दुर्गेश को शास्त्री चौक स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां से उसे रिम्स भेज दिया गया। घटना की सूचना पर मिलने पर परिजन रोने-बिलखने लगे।

### चान्हो-मांडर में अलग-अलग हादसों में पांच घायल

**RANCHI :** चान्हो-मांडर थाना क्षेत्र स्थित एनएच पर शुक्रवार को अलग-अलग सड़क हादसों में पांच युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। पहली घटना चान्हो थाना क्षेत्र के चटवल मोड़ के पास की है। यहां बाइक सवार दो युवक अनियंत्रित होकर सड़क से लगभग 10-15 फीट दूर ड्रेन के नीचे एक नाली में गिर गए। दूसरी घटना मांडर थाना क्षेत्र के कंदरी मोड़ के पास की है। यहां एक बाइक और स्कूटी की टक्कर में मखमंदरो निवासी अजय लोहरा गंभीर रूप से घायल हो गया। रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद उसे रिम्स रेफर किया गया है।

atom美
ATOMY
INDIA
RANCHI TEAM
WARRIOR CENTRE
4th Floor, Shop No. 22, 23, 24
Roshpa Roshpa Tower,
Main Road, Ranchi - 834001
Mob. 9334495776

# जमीन घोटाला मामले में ED ने 161.64 करोड़ की संपत्ति अटैच की

## प्रवर्तन निदेशालय ने विष्णु अग्रवाल को 31 जुलाई को किया था गिरफ्तार

**CRIME REPORTER RANCHI :** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मशहूर बिजनेसमैन विष्णु अग्रवाल की 161.64 करोड़ रुपये के तीन भूमि पार्सल को अस्थायी रूप से अटैच किया है। मालूम हो कि विष्णु अग्रवाल को ईडी ने लैंड स्कैम मामले में गिरफ्तार किया गया है। ये तीन भूमि पार्सल रांची में चेशायर होम रोड, पुगरू और सिरमटोली में स्थित हैं। अग्रवाल को संघीय एजेंसी ने 31 जुलाई को रांची के पॉश चेशायर होम रोड में एक एकड़ भूखंड की धोखाधड़ी से बिक्री के लिए सदर पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर के आधार पर गिरफ्तार किया था। तब से वह न्यायिक हिरासत में हैं। ईडी के अनुसार, चेशायर होम रोड संपत्ति और नामकुम में 9.3 एकड़ के प्लॉट के अलावा अग्रवाल ने डीसी छवि रंजन और अन्य के साथ मिलकर रांची में 5.83 एक-ड़ का प्लॉट भी खरीदा, जो 1949 से भारतीय रक्षा प्रतिष्ठान के कब्जे में है। बयान में कहा कि भू-राजस्व विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत से भू-माफियाओं के पक्ष में इन भूमि भूखंडों का फर्जी तरीके से उत्परिवर्तन किया गया है। ईडी ने प्रदीप बागची, बिष्णु कुमार के खिलाफ झारखंड पुलिस और पश्चिम बंगाल पुलिस द्वारा दर्ज कई एफआईआर के आधार पर तीन भूमि घोटाला मामलों में जांच शुरू की थी। एक अधिकारी ने कहा, अग्रवाल, भानु प्रताप प्रसाद और अन्य पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने कहा कि जांच से पता चला है कि झारखंड में माफियाओं द्वारा जमीन के स्वामित्व को अवैध रूप से बदलने का एक बड़ा रैकेट चल रहा है। ये आपराधिक तत्व कोलकाता और रांची में विरासत रिकॉर्ड में फजीर्वाड़ा करते थे। यह भी पता चला कि जमीन के स्वामित्व रिकॉर्ड में भी फजीर्वाड़ा किया गया है। बेईमान सरकारी अधिकारियों द्वारा उक्त भू-माफिया को लाभ पहुंचाने के लिए। इसके बाद, जाली भूमि रिकॉर्ड के आधार पर, ऐसे भूमि पार्सल अन्य व्यक्तियों को बेच दिए जाते हैं। ईडी ने पहले इस मामले में 41 तलाशी और 5 सर्वेक्षण किए थे और विभिन्न साक्ष्य जैसे कि भूमि राजस्व विभाग की जाली मुहरें, जाली भूमि दस्तावेज, उनके बीच अपराध की आय के वितरण के रिकॉर्ड, जालसाजी की तस्वीरें, रिश्वत देने के सबूत सरकारी अधिकारी आदि जब्त कर लिये गए। इससे पहले विष्णु अग्रवाल के खिलाफ कार्रवाई से पहले ईडी ने अस्थाई रूप से रुपये के तीन भूमि पार्सल संलग्न किए थे। मौजूदा कुर्की के साथ भूमि घोटाला मामलों में कुल कुर्की 236 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। इस मामले में अब तक 14 आरोपी को गिरफ्तार किया गया है।

ईडी कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल करने जाती एजेंसी की टीम।

## इधर, पूर्व डीसी समेत 10 के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल

**CRIME REPORTER RANCHI :** बरियातू रोड स्थित चेशायर होम रोड स्थित 1 एकड़ जमीन की अवैध खरीद मामले में ईडी की विशेष अदालत में केंद्रीय जांच एजेंसी ईडी की ओर से रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन, न्यूक्लीयस के मालिक विष्णु अग्रवाल, चर्चित प्रेमप्रकाश समेत 10 लोगों के खिलाफ शुक्रवार को आरोप पत्र दाखिल किया गया। इसके अलावा राजेश राय, भरत प्रसाद, इम्तियाज अहमद, अफसर अली, मोहम्मद सद्दाम, लखन सिंह, प्रवीण भार्गव के खिलाफ भी आरोप पत्र दाखिल किया गया है। बता दें कि ईडी ने विष्णु अग्रवाल को पूछताछ के बाद बीते 31 जुलाई को गिरफ्तार किया था जबकि पूर्व डीसी छविरंजन को 4 मई और अन्य लोगों को बीते 14 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था। ईडी की जांच में पता चला था कि राजेश राय एवं भारत प्रसाद ने गलत तरीके से चेशायर होम रोड की एक एकड़ जमीन पर कब्जा किया था। उक्त जमीन का खाता नंबर 37 , प्लॉट नंबर 28 है। वहीं विष्णु अग्रवाल पर चेशायर होम रोड की 1 एकड़ की जमीन गलत ढंग से खरीदने का आरोप है। ईडी ने अपनी जांच में पाया था कि इस जमीन के मूल दस्तावेज में छेड़छाड़ की गई थी। कोलकाता रजिस्ट्री कार्यालय में रखे मूल दस्तावेज में छेड़छाड़ कर रैयत का नाम बदला गया था। जिसके बाद विष्णु अग्रवाल ने यह जमीन खरीदी थी। जालसाजी कर मूल दस्तावेज में छेड़छाड़ कर गंगाधर राय को इस जमीन का फर्जी मालिक बनाया गया था। बाद में गंगाधर राय के पोते राजेश राय से यह जमीन खरीद बिक्री की गई थी। ईडी ने जमीन के फर्जी मालिक के पोते राजेश राय और उसके उससे पावर ऑफ अटॉर्नी लेने वाले भरत प्रसाद से पूछताछ की थी। राजेश राय ने ही पुनीत भार्गव को चेशायर होम रोड की जमीन बेची थी। प्रेम प्रकाश के करीबी पुनीत भार्गव ने इस जमीन में करोड़ों रुपए का निवेश किया है।

# कांग्रेस MLA प्रदीप यादव को हाईकोर्ट से झटका

## क्रिमिनल रिवीजन याचिका हुई खारिज

**SPECIAL REPORTER RANCHI :** महिला के साथ यौन शोषण मामले में आरोपी पोड़ैयाहाट सीट से कांग्रेस के विधायक प्रदीप यादव को आज झारखंड हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने आज अपना फैसला सुनाते हुए प्रदीप यादव की ओर से दाखिल क्रिमिनल रिवीजन याचिका खारिज कर दी। प्रदीप यादव ने दुमका कोर्ट में उनके खिलाफ यौन शोषण के केस में हुए चार्जफ्रेम करने की प्रक्रिया को चुनौती दी थी। इस केस में फिलहाल वह बेल पर हैं। याचिका खारिज होने के बाद प्रदीप यादव को अब निचली अदालत में ट्रायल फेस करना होगा। जानकारी के अनुसार, झारखंड हाईकोर्ट के जस्टिस सुभाष चंद की बेंच ने झारखंड में महिला के साथ यौन शोषण करने के आरोपी कांग्रेस विधायक प्रदीप यादव के क्रिमिनल रिवीजन पर शुक्रवार को अपना फैसला सुनाया। हाईकोर्ट ने आज अपना फैसला सुनाते हुए प्रदीप यादव की याचिका को खारिज कर दी। कोर्ट में 17 अगस्त की सुनवाई के दौरान दोनों पक्षों की ओर से बहस पूरी कर ली गई थी, जिसके बाद अदालत ने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस पहले हाईकोर्ट द्वारा पूर्व में प्रदीप यादव के खिलाफ दुमका के एमपी / एमएलए कोर्ट में इस मामले से संबंधित चल रही कार्यवाही पर रोक लगाई थी। प्रदीप यादव ने मामले में स्पेशल जज दुमका द्वारा 2 अप्रैल 2022 को उनके डिस्चार्ज पिटिशन को खारिज किए जाने को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। पीड़िता ने प्रदीप यादव के खिलाफ यौन शोषण मामले में 20 अप्रैल 2019 को देवघर महिला थाना में एफआईआर दर्ज कराई थी। इस मामले में 28 सितंबर 2019 को प्रदीप यादव को झारखंड हाईकोर्ट से बेल मिली थी।

### शिबू सोरेन लोकपाल मामले में अगली सुनवाई 18 को

**RANCHI :** दिल्ली हाईकोर्ट में शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा के अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन से जुड़े लोकपाल मामले में सुनवाई हुई। सुनवाई के दौरान शिबू सोरेन की ओर से रिजवाइंडर दाखिल करने के लिए समय देने का आग्रह किया गया। जिसके बाद अदालत ने इस मामले की अगली सुनवाई के लिए 18 सितंबर की तिथि निर्धारित की है। पूर्व की सुनवाई में अदालत ने डीए (आय से अधिक संपति) मामले में शिबू सोरेन के खिलाफ लोकपाल के सामने कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। जिसे कोर्ट ने 18 सितंबर तक विस्तार दिया है। शिबू सोरेन ने अधिकार क्षेत्र के आधार पर सीबीआई को प्रारंभिक जांच की कार्यवाही और आदेश को चुनौती दी है। दिल्ली हाईकोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की अदालत में शिबू सोरेन की याचिका पर सुनवाई हुई। शिबू सोरेन की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अधिवक्ता प्रज्ञा सिंह बघेल पक्ष रख रही हैं।

## खराब पड़ी स्ट्रीट लाइट बदलेगा नगर निगम, PHONE NUMBER जारी

**PHOTON NEWS RANCHI :** नगर निगम शहर के 53 वार्डो में सड़कों के किनारे, चौराहों पर स्ट्रीट लाइट लगाना शुरू किया है। इन स्ट्रीट लाइट के रखरखाव के लिए 30 टीम का गठन किया गया है। इसके साथ निगम ने लोगों को अपने क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट के बारे में शिकायत करने के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है। जानकारी देते हुए निगम के अधिकारियों ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य सभी सड़कों, चौराहों और वार्ड के सभी स्थानों को रोशन करना है, जिससे जनता को बेहतर दृश्यता और सुरक्षा प्रदान की जा सके। बिजली शाखा की निगरानी में 30 टीम विभिन्न वार्डों में खराब पड़ी एलईडी वेपर और स्ट्रीट लाइट की मरम्मत के लिए जिम्मेदार होंगी।

### ये हैं हेल्पलाइन नंबर

मरम्मत प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करने के लिए, निगम ने शहर को चार क्षेत्रों में विभाजित किया है और कर्मचारियों को तैनात किया है। यदि किसी क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट खराब है तो संबंधित क्षेत्र के निवासी सीधे हेल्पलाइन नंबर 7488259803, 7257000145, 9431798116 और 7257000151 पर कॉल कर सकते हैं। वैकल्पिक रूप से, शिकायतें टोल-फ्री नंबर 18001803580 पर दर्ज की जा सकती हैं। नियंत्रण कक्ष के लिए अतिरिक्त संपर्क नंबर 0651-2200011, 0651-2200025 और मोबाइल नंबर 9431104429 भी जारी किए गए हैं। लोग अपने क्षेत्र में किसी भी समस्या की रिपोर्ट करने के लिए नियंत्रण कक्ष तक पहुंच सकते हैं।

# ORMANJHI TRIPLE MURDER : नौ आरोपियों को पुलिस ने भेजा जेल, अन्य की तलाश में छापेमारी जारी

## 11 नामजद और पांच अज्ञात के खिलाफ भी केस दर्ज, सुअर चराने को लेकर था विवाद

**CRIME REPORTER RANCHI :** ओरमांझी इलाके में ट्रिपल मर्डर मामले में पुलिस ने शुक्रवार को नौ आरोपी राजो देवी, संजीत बेदिया, रंजीत बेदिया, हेमंत बेदिया, महेंद्र बेदिया, पंचित बेदिया, सुकरा मुंडा, सहजनाथ बेदिया और कामेश्वर बेदिया को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से दावली, कुदाल और चापड़ बरामद किया है। इस मामले में मृतक झामेश्वर बेदिया का भतीजा संतराज बेदिया के बयान पर केस हुआ है। इस मामले में 11 लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया है। इसके अलावा पांच अज्ञात के खिलाफ भी केस हुआ है। पूरे घटनाक्रम का खुलासा प्रभारी ग्रामीण एसपी हारिस बिन जमा ने शुक्रवार को प्रेस कांफ्रेंस कर किया। पुलिस का कहना है कि संतराज बेदिया ने बयान दिया है कि दो सप्ताह पहले झामेश्वर बेदिया का सुअर सहजनाथ और अन्य लोगों के खेत में जाकर फसल को नष्ट कर दिया था। इस बात को लेकर झामेश्वर बेदिया और सहजनाथ के बीच विवाद काफी बढ़ गया था। इसी विवाद को लेकर सहजनाथ का भतीजा बात करने के लिए झामेश्वर के पास गया था।

प्रेस कांफ्रेंस कर गिरफ्तार आरोपियों के बारे में जानकारी देती पुलिस।

### सात माह की गर्भवती थी मृतका संजू बेदिया

संजू बेदिया सात माह की गर्भवती थी। गांव के लोगों का कहना था कि आरोपियों ने गर्भवती को भी नहीं छोड़ा और उसकी हत्या कर दी गई। संजू गर्भवती थी इस वजह से स्वजनों ने उसे दफनाया। वहीं झामेश्वर और सरिता का एक ही चिता पर अंतिम संस्कार हुआ। अंतिम संस्कार में गांव के काफी कम लोग शामिल हुए थे। गांव में पुलिस के जवानों को तैनात रखा गया है। पुलिस का कहा है कि गांव में तनाव का माहौल है। जबतक मामला शांत नहीं हो जाता है और अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो जाती है तबतक जवान तैनात रहेंगे। दूसरी तरफ एक टीम आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है।

## राज्य के कई जिलों में आज से हल्की बारिश का अनुमान, गिरेगा तापमान

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड में मानसून कमजोर पड़ा है। रांची समेत राज्य के कई जिलों में तापमान में बढ़त दर्ज की जा रही है। मौसम विभाग ने साफ कर दिया है कि मानसून राज्य में पहले जैसा नहीं है। मौसम विभाग ने कहा है कि पहले सप्ताह 1 सितंबर से लेकर सात सितंबर तक राज्य में छिटपुट वर्षा होने की संभावना है। इस दौरान आसमान में कई जगहों पर काले बादल नजर आयेंगे। राज्य के कई हिस्सों में इस दौरान बारिश हो सकती है लेकिन कई हिस्सों में बारिश नहीं होगी। मौसम विभाग के अनुसार इस महीने के दूसरे सप्ताह में राज्य में छिटपुट से लेकर काफी व्यापक वर्षा होने की संभावना जाहिर की गयी है। सितंबर के दूसरे सप्ताह में बारिश उम्मीदों पर खरी उतर सकती है लेकिन राज्य में सामान्य से कम बारिश होने का अनुमान लगाया गया है। राज्य में संचयी रूप से सामान्य वर्षा होने का अनुमान है जो बड़ी राहत दे सकता है। मौसम विभाग ने राज्य के किसी हिस्से में भारी बारिश और वज्रपात को लेकर कोई अलर्ट जारी नहीं किया है। 3 सितंबर को राज्य के कई हिस्सों में हल्की बारिश की संभावना है, जिससे तापमान में थोड़ी राहत मिल सकती है। मौसम विभाग ने अगले दो से तीन दिनों में अधिकतम तापमान धीरे-धीरे 2 से 3 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की संभावना जताई है। 1 सितंबर को भी पूर्वी और निकटवर्ती मध्य हिस्सों में जबकि 2 और 3 सितंबर को राज्य के कई भागों में हल्के से मध्यम दर्जे की बारिश हो सकती है। झारखंड में इस बार मानसून के कमजोर होने पर खेती पर खासा असर पड़ा है।

### छात्रों को कौशल प्रदर्शन का मंच प्रदान करेगा संस्थान

**RANCHI :** बिड़ला प्रौद्योगिकी संस्थान (बीआईटी) मेसरा में नए सत्र के विद्यार्थियों के लिए शुक्रवार को उन्मुखीकरण कार्यक्रम रखा गया। कुलपति प्रो इंद्रनील मन्ना ने विद्यार्थियों से अपने करियर के माध्यम से विभिन्न संभावनाओं का पता लगाने व अपनी नैतिकता से समझौता किए बिना अकल्पनीय कार्य करने का रास्ता दिखाया। उन्होंने कहा कि संस्थान छात्रों को आगे बढ़ने और अपने कौशल का प्रदर्शन करने का मंच प्रदान करेगा। छात्र मामलों के डीन डॉ भास्कर कर्ण, संकाय मामलों के डीन डॉ कुणाल मुखोपाध्याय, डीन एडमिशन, एक्रेडिटेशन एंड कोऑर्डिनेशन डॉ सुदीप दास, डीन एलुमनी एंड इंटरनेशनल रिलेशंस डॉ रितेश सिंह, डॉ निशा गुप्ता ने भी विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया।

## एशियन गेम्स के लिए भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा, झारखंड की 3 बेटियां शामिल

**PHOTON NEWS RANCHI :** 19वें एशियन गेम्स के लिए 18 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की हुई घोषणा हुई। इस टीम में झारखंड के भी तीन खिलाड़ी निक्की प्रधान, सलीमा टेटे और संगीता कुमारी का चयन किया गया है। तीनों ही खिलाड़ी भारतीय टीम के नियमित सदस्य हैं। बैंगलौर में हॉकी इंडिया ने विशेष कार्यक्रम आयोजित कर समस्त पदाधिकारियों और खिलाड़ियों के परिजनों की उपस्थिति में टीम की घोषणा की गई। हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने झारखंड के सभी खिलाड़ियों का बैंगलोर में स्वागत किया गया। इस मौके पर भोलानाथ सिंह ने कहा कि किसी भी खिलाड़ी को बनाने में सबसे बड़ा योगदान, समर्पण और त्याग उनके अभिभावकों का होता है,परंतु उनका सम्मान अपवाद में ही होता है। इसलिए हॉकी इंडिया ने शुरूआत की है कि खिलाड़ियों के अभिभावकों को भी सम्मान मिले। इसलिए हमलोगों ने इस बड़े अवसर पर खिलाड़ियों के अभिभावकों को आमंत्रित किया है। बता दें कि19वें एशियन गेम्स का आयोजन 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चीन हांगझू में किया जाएगा।

## कारखाना के अंदर जाने से रोका गया, कई श्रमिक संगठनों का प्रदर्शन, आश्वासन के बाद शांत हुआ आक्रोश

# HEC के 1623 ठेका कर्मियों की नौकरी समाप्त

**PHOTON NEWS RANCHI :** एचईसी के 1623 ठेका कर्मी शुक्रवार को एक साथ बेरोजगार हो गए। कंपनी के एफएफपी कारखाना के मुख्य गेट पर ठेका कर्मियों को अंदर जाने से रोक दिया गया। एफ-एफपी प्लांट प्रबंधन ने नोटिस जारी कर ठेका कर्मियों के कारखाना के अंदर जाने पर रोक लगा दी है। मेन गेट पर ठेका कर्मियों को सीआईएसएफ ने रोका। जिसके बाद एचईसी में ठेका कर्मियों को लेकर विभिन्न श्रमिक संगठनों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। एचईसी का औद्योगिक माहौल खराब नहीं हो, इसे देखते हुए एचईसी सप्लाई संघर्ष समिति का प्रतिनिधिमंडल एफएफपी के सीनियर डीजीएम ऑपरेशन संजय कुमार से मिला। प्रतिनिधिमंडल में ठेका श्रमिक मनोज पाठक, दिलीप सिंह, वाई त्रिपाठी, राजेश कुमार शर्मा और प्रमोद कुमार शामिल थे। संजय कुमार ने ठेका कर्मियों को बताया कि उनका काट्रैक्ट 31 अगस्त 2023 को समाप्त हो गया है। नए काट्रैक्ट के लिए मैनेजमेंट ने टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी है। टेंडर भी हुआ था, मगर किसी काट्रैक्टर ने रूचि नहीं दिखाई। काट्रैक्टर की तलाश जारी है। एफएफपी मैनेजमेंट ने दो दिनों के लिए कारखाना में प्रवेश पर रोक लगायी है। उसके बाद ठेका कर्मी प्लांट के अंदर प्रवेश कर सकेंगे। जब तक ठेका कर्मियों से संबंधित नया काट्रैक्ट नहीं हो जाता है, तब तक ठेका कर्मी अपने कार्य स्थल पर आना-जाना कर सकेंगे। मैनेजमेंट के ऐसे आश्वासन के बाद ठेका कर्मियों का गुस्सा शांत हुआ। एचईसी के ठेका कर्मियों की नौकरी एक सितंबर से समाप्त हो गयी। क्योंकि 31 अगस्त के बाद से ठेका कर्मियों का काट्रैक्ट समाप्त हो गया। जिस कंपनी के तहत ठेका कर्मी एचईसी में इनरॉल थे, उस कंपनी ने आगे काम लेने से इनकार कर दिया है। क्योंकि एचईसी ने एजेंसी को ठेका कर्मियों के इएसआई और जीएसटी आदि मद का भुगतान बंद कर दिया था। जिस वजह से एजेंसी पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ता गया। अंततः एजेंसी ने खुद को पीछे कर लिया। वर्तमान में कंपनी की आर्थिक स्थिति को देखते हुई कोई नई कंपनी भी नहीं आ रही है। ऐसे में 1 सितंबर से 1623 ठेका कर्मी एक साथ बेरोजगार हो गए। ऐसे में ठेका कर्मी मैनेजमेंट के आश्वासन पर कारखानों में आते हैं और किसी तरह की दुर्घटना हो जाती है।

ठेका कर्मियों को अंदर जाने से रोकने के बाद जुटी भीड़।

## 907 सैप कर्मियों का अनुबंध समाप्त करने वाला आदेश किया गया स्थगित

### झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के बाद लगी रोक

**PHOTON NEWS RANCHI :** झारखंड हाईकोर्ट के पारित आदेश के आलोक में पुलिस मुख्यालय ने सैप के दोनों वाहिनी के 907 कर्मियों के अनुबंध को समाप्त करने वाला जारी अपना आदेश स्थगित कर दिया है। राज्य सरकार ने बीते महीने 27 अगस्त को सैप एक और दो में कार्यरत लगभग 907 कर्मियों की सेवा 31 अगस्त 2023 से समाप्त करने का आदेश दिया था। राज्य सरकार के इस आदेश को प्रार्थी चमरा भेंगरा ने झारखंड हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। जस्टिस डीएन पाठक ने पुलिस मुख्यालय द्वारा निर्गत आदेश के क्रियान्वयन पर अगले आदेश तक रोक लगा दिया।

बता दें कि सैप एक और दो वाहिनी में सात वर्ष से अधिक पूर्ण कर चुके 907 पदाधिकारियों व कर्मियों का 31 अगस्त से सेवा समाप्त करने का आदेश निर्गत किया गया। सैप 1 वाहिनी टाटीसिलवे रांची और सैप 2 वाहिनी हलुदबनी जमशेदपुर में अनुबंध के आधार पर नियुक्त सैप के 907 पदाधिकारी और कर्मियो के नाम से इश्यूड हथियार, गोली और पहचान पत्र को जमा कराते हुए अनुबंध समाप्त करते हुए पुलिस मुख्यालय को अनुपालन प्रतिवेदन उपलब्ध कराने को कहा गया था।

BRIEF NEWS

## विद्यार्थी परिषद ने जीएलए कॉलेज के प्राचार्य का किया घेराव

**PALAMU:** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने गणेश लाल अग्रवाल महाविद्यालय में शैक्षणिक अराजकता और सीयूईटी के छात्रों एवं पूर्व में दिये गए ज्ञापन पर उचित कार्रवाई नहीं होने पर शुक्रवार को प्राचार्य का घेराव किया। नेतृत्व कॉलेज अध्यक्ष विपिन यादव ने किया। परिषद कार्यकताओं ने कहा कि महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सीयूईटी के छात्रों के नामांकन के लिए दो दिनों का अतिरिक्त समय नहीं बढ़ाए जाने से छात्रों का भविष्य अधर में लटका हुआ है। महाविद्यालय में गंदगी और लैब में किसी भी प्रकार की सुविधा का ना होना दुर्भाग्यपूर्ण है। जंतु विज्ञान के विद्यार्थियों का आंतरिक एवं प्रायोगिक परीक्षा का अंक और उपस्थिति प्रपत्र विश्वविद्यालय को भेजा जाए, ताकि परीक्षा परिणाम अविलंब निकाला जा सके। प्राचार्य ने कहा कि सीयूईटी के छात्रों के नामांकन के लिए दो दिनों का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। साथ ही सभी विषयों पर अविलंब कार्रवाई की जाएगी। परिषद के प्रदेश सोशल मीडिया प्रमुख रोहित देव ने कहा कि महाविद्यालय की स्थिति दिन प्रतिदिन दयनीय होती जा रही है। महाविद्यालय प्रशासन इसे अविलंब ठीक करें अन्यथा विद्यार्थी परिषद पुरजोर आंदोलन करेगा। नगर मंत्री रामा शंकर पासवान ने कहा कि कैम्पस में दलालों की उपस्थिति लगातार बनी हुई है।

## युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

**GODDA:** बसंतराय थाना अंतर्गत पचुआकिता गौव में अपने नानी घर आए 23 वर्षीय युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान डोय गांव निवासी सियाराम तांती के पुत्र अमित कुमार के रूप में की गई है। बसंतराय पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोड्डा भेज दिया है। बताया जाता है कि अमित कुमार गुरुवार की रात खाना खाकर सोने चले गया। अमित कुमार जब शुक्रवार सुबह नहीं उठा तो परिजन उठाने गये तो देखा कि कपड़े के फंदे से झूलते हुए पाया। लोगों की माने तो आत्महत्या की वजह प्रेम प्रसंग है। पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है।

## निचितपुर-मतारी के बीच ट्रेन की चपेट में आकर एक की मौत

**DHANBAD:** धनबाद रेल मंडल अंतर्गत निचितपुर एवं मतारी हाल्ट के मध्य गोशाला पुल के ऊपर शुक्रवार 1 सितंबरकी सुबह किसी ट्रेन की चपेट में आकर मंजर नामक व्यक्ति की मौत हो गई। सुबह रेल लाइन से गुजर रहे ग्रामीणों ने शव देखकर कतरास थाना की पुलिस को फोन कर सूचना दी। शव मिलने की खबर पाकर लोगों की भीड़ लग गई। कतरास थाना की पुलिस एवं धनबाद जीआरपी भी पहुंची व शव को पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया। मृत व्यक्ति कतरास कलाली फाटक के निकट रहता था। मृत्यु के पीछे कारण की जानकारी नहीं मिल सकी है।

## रंगारंग कार्यक्रम से विदाई समारोह को बनाया यादगार

**SINDRI :** सिंदरी कॉलेज सिंदरी के इतिहास स्नातक और विज्ञान स्नातक के अंतिम सेमेस्टर 6 के छात्र-छात्राओं का शुक्रवार एक सितंबर को कॉलेज परिसर में फेयरवेल हुआ। फेयरवेल को यादगार बनाने के लिए रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां विद्यार्थियों ने फि ल्मी गीतों पर जमकर ठुमके लगाए। विदाई समारोह में कॉलेज प्राचार्य डॉ. कमलाकांत पाठक ने छात्र-छात्राओं को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। बॉटोनी विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो.अनुराधा ने विद्यार्थियों को उत्साहित करते हुए उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। समारोह में पूजा यादव और सावित्री कुमारी ने संथाली गीत प्रस्तुत किये। समारोह में शिक्षकों में प्रो इंचार्ज डॉ. सुनीता जायसवाल, प्रो. सुरेंद्र कुमार, प्रो।अनिल आशुतोष, डॉ. नीतू गौरव, डॉ. ममता कुमारी, डॉ. सनत कुमार, सुमिरन रजक, राजेश गुप्ता सहित विद्यार्थियों में फातिमा खान, उमर फारुख, सौरभ कुमार, विशाल कुमार, दानिश आलम, कैफी अहमद, शबीना परवीन, श्वेता कुमारी, धीरज दुबे, विकास कुमार, प्रिया ओझा, प्रिया कुमारी, आशिया, एहसान खान, एजाज मौजूद थे।

# उधार के पैसे मांगने पर पीट-पीट कर मार डाला, दो आरोपी धराए

### लोहरदगा जिले में सेन्हा थाना क्षेत्र की घटना, बजरंग बैठा को मंहगा पड़ा रुपया मांगना

**PHOTON NEWS LOHARDAGA:** सेन्हा थाना क्षेत्र अंतर्गत बरही गांव में उधारी पैसे मांगने पर चिकन व्यवसायी बजरंग बैठा की मारपीट कर हत्या कर दी गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए हत्या में संलिप्त दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। बताया जाता है कि बजरंग बैठा अपने गांव में चिकन का दुकान चलाया करता था, वहीं गांव के ही दो भाई छेदिया उरांव और घमरू उरांव एक साल से बजरंग बैठा के दुकान से उधारी चिकन लिया करते थे। बजरंग बैठा जब गुरुवार रात दोनों के घर दो हजार रुपए उधारी पैसे मांगने गया तो विवाद होने लगा, जिसके बाद दोनों बजरंग बैठा से मारपीट करने लगे, जिससे बजरंग बैठा की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। वहीं मारपीट की घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर मौके पर सेन्हा थाना पुलिस पहुंची, तब तक चिकन व्यवसाई बजरंग बैठा की मौत हो चुकी थी, घटना के बाद पुलिस ने करवाई करते हुए हत्या का मामला दर्ज कर दोनो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, वहीं शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया है।

अस्पताल में पड़ा मृतक के शव ● फोटोन न्यूज

## लातेहार में झारखंड लाल टाइगर के पांच सदस्य गिरफ्तार

प्रेस वार्ता कर जानकारी देते एसपी अंजनी अंजन ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS LATEHAR:** पुलिस ने झारखंड लाल टाइगर उग्रवादी संगठन के पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक देसी बंदूक समेत अन्य सामग्री बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपितों में लातेहार के अम्बाझारन गांव निवासी चंदन कुमार यादव, टेमकी निवासी दीपेंद्र यादव और उमेश यादव, बालूमाथ लेजांग निवासी दिलीप यादव तथा बालू गांव निवासी गुड्डू उरांव शामिल हैं। एसपी अंजनी अंजन ने शुक्रवार को पत्रकार वार्ता में बताया कि गिरफ्तार आरोपितों गत 21 अगस्त की रात सदर थाना क्षेत्र के तुबेद गांव में डीवीसी के कोलियरी में हमला कर सुरक्षा कर्मियों के साथ मारपीट की थी और कांटा घर में आग लगा दी थी। एसपी ने बताया कि आरोपितों ने झारखंड लाल टाइगर नाम का एक संगठन बनाया है, जिसके नाम पर दहशत कायम कर लेवी वसूलना इनका मकसद था। लातेहार डीएसपी संतोष कुमार मिश्रा के नेतृत्व में गठित टीम ने छापेमारी कर आरोपितों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपितों ने कोलियरी में आगजनी की घटना को स्वीकार किया है। इनसे पुलिस को कुछ अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्राप्त हुई हैं। ये अन्य घटनाओं को भी अंजाम देने की फिराक में थे। पुलिस की टीम में पुलिस इंस्पेक्टर आशुतोष कुमार, पुलिस इंस्पेक्टर शशि रंजन कुमार समेत अन्य पुलिस अधिकारी शामिल रहे।

# अहमदाबाद-कोलकाता एक्सप्रेस से 7 लाख के जेवर के साथ पकड़ाया कारीगर

### राजस्थान के बाड़मेर की आभूषण दुकान से चोरी कर भाग रहा था बंगाल

**PHOTON NEWS DHANBAD:** धनबाद स्टेशन के प्लेटफॉर्म संख्या सात पर शुक्रवार एक सितंबर को अहमदाबाद-कोलकाता एक्सप्रेस से सात लाख रुपये मूल्य के जेवर के साथ बंगाल का एक कारीगर पकड़ा गया। वह राजस्थान बाड़मेर से एक जेवर दुकान में चोरी कर हुगली भाग रहा था। सारा जेवर बेचने की तैयारी में था। उससे पहले ही आरपीएफ के पदाधिकारियों व जवानों के हत्थे चढ़ गया। आरपीएफ पोस्ट धनबाद के इंस्पेक्टर पंकज कुमार ने उससे पूछा तो कहा कि वह जेवर दुकान में कारीगरी का काम करता है। मौका पाकर चोरी कर भाग निकला। उसे बंगाल में किसी दुकान में बेच देता। उसकी तस्वीर पहले ही बाड़मेर के दुकानदार की ओर से भेज दी गई थी। इस कारण उसे पकड़ने में सफलता मिली। वह एसी कोच बी-वन बर्थ संख्या 17 पर बैठा था। दिन के 11:51 बजे गाड़ी की चेकिंग में पकड़ा गया। उसका नाम एस के हिसाबुद्दीन है और वह पश्चिम बंगाल के हुगली स्थित चंडीताला के कृष्णनगर का रहने वाला है।

जब्त जेवर दिखाते आरपीएफ के पदाधिकारी ● फोटोन न्यूज

### 108 ग्राम सोना व 325 ग्राम चांदी

आरपीएफ सूत्रों के अनुसार चेक करने पर बैग में सोना का बाजूबंद डांडावाला- 32 पीस, सोना का बाजूबंद (डबल/ज्वाइंट)- 04 पीस, सोना का बाजूबंद (ट्रिपल/ज्वाइंट)- 02 पीस, सोना का बाजूबंद लोकेट 4 पीस, सोना का झुमका 2 पीस, सोना का लॉकेट 1 पीस, सोना का कानबाला- 4 पीस, कानबाली- 3 पीस, सोने की टूटा चेन 2 पीस, सोना के फर्मा में चिपका हुआ सोना- 2 पीस मिला। जब्त सोने की वजन 108 ग्राम है। इसके अलावा चांदी की पायल-2 पीस, चांदी की बलिया-2 पीस, चांदी का बाजूबंद 2 पीस, चांदी की चेन 2 पीस मिली, जिसका वजन 325 ग्राम है। इसके अलावा नकदी 59,650 रुपये भी मिले। सूचना बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना थाना को दे दी गई है। वहां पहले से केस दर्ज है। अनुसंधानकर्ता बाड़मेर से धनबाद के लिए रवाना हो चुके हैं।

# दो साथियों के साथ धराया हत्याकांड का आरोपी

### एक पिस्टल, दो देसी कट्टा व सात गोली बरामद

प्रेस कांफ्रेंस में जानकारी देते एसडीपीओ सह सहायक पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ● फोटोन न्यूज

**PHOTON NEWS PALAMU:** डालटनगंज शहर थाना क्षेत्र के मुस्लिम नगर इलाके में पिस्टल चमकाकर लोगों को डरा धमका रहे शातिर अपराधी फैज खान को गिरफ्तार किया गया है। उसकी निशानदेही पर दो अन्य अपराधी भी पकड़े गए हैं। उनके पास से 7.65 एमएम की लोडेड एक पिस्टल, दो देशी कट्टा और सात जिंदा गोली बरामद की गयी है। फैज खान डेढ़ महीने पहले 11 वर्ष की सजा काटकर जेल से बाहर निकला है। उसे युवा नेता लड्डू रंगरेज हत्याकांड में सजा हुई थी। सदर एसडीपीओ सह सहायक पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग ने शुक्रवार को अपने कार्यालय में बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि मुस्लिम नगर इलाके में हत्या की सजा काटकर जेल से बाहर आया फैज खान मुहल्ले में पिस्टल से लोगों को डरा धमका रहा है। वह अपने साथियों के साथ पिस्टल के लेनदेन का भी काम करता है। सूचना के आलोक में शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर अभय कुमार सिन्हा के नेतृत्व में टीम बनाई गई। थाना प्रभारी ने टीओपी वन के प्रभारी रेवाशंकर राणा और जवानों के साथ मुस्लिमनगर इलाके में पहुंचे और फैज खान को पकड़ने की कोशिश की तो उसके साथ पुलिस की गुथम गुत्थी भी हुई। फैज अपने पास से पिस्टल निकाल कर पुलिस पर तानने की कोशिश करने लगा था। लेकिन जवानों ने तत्परता दिखाकर उसे गिरफ्त में ले लिया। एसडीपीओ ने बताया कि फिलहाल जेल से निकलने के बाद मुस्लिम नगर के फैज खान कुंड मुहल्ला के शहजाद आलम उर्फ विक्की राइन और पहाड़ी मुहल्ला के फेकू खान के साथ मिलकर जमीन का अवैध धंधा कर रहा था। खाली जमीन को देखकर दावा ठोक देता था। विवाद करके जमीन पर कब्जा करने की कोशिश करता था। उन्होंने बताया कि फैज खान द्वारा पूछताछ के दौरान बताया गया कि जमीन कारोबार से जुड़े अपने विरोधियों की हत्या करने के उद्देश्य से उसने लोडेड पिस्टल रखा था। उसके द्वारा दो देशी कट्टा कुंड मुहल्ला के रहने वाले फेकू खान के द्वारा पहाड़ी मुहल्ला शमशान घाट के पास रहने वाले विक्की राइन को रखने के लिए दिया गया था। फेकू खान से पूछताछ करने के बाद शहजाद के घर से दो देशी कट्टा बरामद किया गया। फेकू खान पूर्व में आर्म्स एक्ट के मामले में जेल जा चुका है।

# रामगढ़ जिले की समस्याओं पर सांसद ने डीसी से की मुलाकात

**PHOTON NEWS RAMGARH:** जिले में चल रहे विकास कार्यों और समस्याओं को लेकर सांसद जयंत सिन्हा ने पार्टी नेताओं के साथ शुक्रवार को डीसी चंदन कुमार से मुलाकात की। इस दौरान पीवीयूएनएल के विस्थापित, सेवटा क्रासिंग, मेडिकल स्टाफ भर्ती, गोला चौक निर्माण, सामुदायिक भवन निर्माण, जमीन रजिस्ट्री, विस्थापितों की समस्याओं सहित सेंट्रल स्कूल भुरकुंडा के स्थानान्तरण के विरोध पर चर्चा हुई। साथ ही डीएमएफटी फंड से हो रहे विकास कार्य के पूरा होने में हुई देरी पर भी चिंता जताई गई। उपायुक्त से मिलकर सांसद ने असंतोष जाहिर करते हुए कहा कि रामगढ़ जिले में छोटे छोटे विकास कार्यों के लिए सांसद मद से करीब ढाई करोड़ रुपये जारी किए गए थे लेकिन आज तक वह राशि अनुर्शसित मद में नहीं पहुंची। सांसद ने कहा कि जब हमारे पर डीएमएफटी फंड में सरप्लस राशि उपलब्ध है तो विकास कार्यों में देरी नहीं होनी चाहिए। जयंत सिन्हा ने कहा कि घाटी में हो रही दुर्घटना में त्वरित इलाज के लिए ट्रॉमा सेंटर का निर्माण करवाया गया था। सीटी स्कैन सहित अन्य आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित सदर अस्पताल का निर्माण करवाया था लेकिन आज ये भी मेडिकल स्टाफ की भर्ती में सरकार की उदासीन प्रक्रिया का भेंट चढ़ चुकी है, जो दुखद है। यहां के स्टाफ नियुक्ति में आने वाली अड़चनों को भी समाप्त करने में स्वास्थ्य मंत्रालय का सहयोग मिल रहा है तो अब इसकी नियुक्ति प्रक्रिया में तेजी लाने की जरूरत है।

### डीसी ने दिया सकारात्मक पहल करने का आश्वासन

सांसद की बातों को गंभीरता पूर्वक सुनने के बाद डीसी ने अपनी सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। उपायुक्त चंदन कुमार ने डीआरएम से बात की और कहा कि सेवटा में जबतक वहां के पच्चीस पंचायतों के निवासियों के लिए रास्ते का कोई दूसरा विकल्प नहीं मिलता तब तक उस क्रासिंग को बंद नहीं किया जाएगा। साथ ही उन्होंने बताया कि जिस जमीन पर भवन बना है उसकी रजिस्ट्री प्रक्रिया शुरू की जा रही है। जिस जमीन पर किसी प्रकार का निर्माण नहीं है उसकी रजिस्ट्री के लिए राज्य सरकार के निर्देश का इंतजार है। बॉन्ड पेपर का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया की इसको वापस करने की प्रक्रिया को अपनाते हुए सभी लोग अपना रिफंड प्राप्त कर सकते हैं। इसमें कोई समस्या नहीं है। बाकी के सभी मांगों पर उपायुक्त ने सहमति जताते हुए कहा कि डीवीसी चौक पर जल्द ही गोलंबर का निर्माण होगा। साथ ही सामुदायिक भवनों की उपयोगिता के हिसाब से जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है। उपायुक्त ने प्रतिनिधिमंडल को रजरप्पा मंदिर, महामाया टुंगरी, टोटी झरना जैसे धार्मिक स्थलों को भी पर्यटन स्थल में बदलने के लिए उनका पंजीयन करवाने का सुझाव दिया।

# काम दिलाने के बहाने दिल्ली ले जाकर दो बच्चों सहित महिला को बेचा

### महिला के पिता ने थाने में दर्ज कराई शिकायत, पुलिस ने झाड़ा पल्ला

**PHOTON NEWS DHANBAD:** पंचेत ओपी क्षेत्र के ग्वालाडीह, बांदा पश्चिम की दो बच्चों की मां मोनी गोप (26) को काम दिलाने के नाम पर दिल्ली ले जाकर बच्चे सहित बेच देने का मामला प्रकाश में आया है। महिला के पिता शिबू गोप ने पंचेत ओपी में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने पंचेत के ही पूजा महतो नाम की महिला पर बेटी को बेचने का आरोप लगाया है। पुलिस ने दिल्ली का मामला होने की बात कह कर अपना पल्ला झाड़ लिया है। शिबू गोप ने बताया कि बेटी मोनी गोप की शादी सात वर्ष पूर्व पश्चिम बंगाल रकता गांव निवासी सुबल गोप से हुई थी। परंतु रोज रोज की पारिवारिक कलह से तंग वह दो बच्चों के साथ मो मायके आकर रहने लगी। आर्थिक तंगी से जूझ रही मोनी आसपास के घरों में काम कर बच्चों की परवरिश कर रही थी। पिता ने बताया कि तभी उनकी बेटी मोनी का सम्पर्क पंचेत की पूजा महतो से हुआ। पूजा की शादी दिल्ली में हुई है। उसने मोनी को बहलाया- फुसलाया और कहा कि दिल्ली-हरियाणा में बहुत काम है, जहां अच्छी पगार मिलती है मोनी पूजा के झांसे में आ गई और दोनों बच्चों को साथ लेकर दिल्ली चली गई। पिता ने बताया कि 12 अगस्त को अचानक उनके मोबाइल पर फोन आया, जिसमें रोती बिलखती बेटी मोनी की आवाज सुनाई दी। उसने रो रो कर बताया कि उसे यहां लाकर बेच दिया गया है। किसी से बात करने भी नहीं दिया जाता है। हर समय मारपीट की जाती है। मुझे बचा लो। कहा कि उन्होंने तुरंत इसकी सूचना पंचेत ओपी को दी। लेकिन कार्रवाई के नाम पर पुलिस ने कुछ नहीं किया है। कहा यह दिल्ली का मामला है, वहीं शिकायत दर्ज कराना होगा। पंचेत ओपी प्रभारी ने कहा कि परिवार को प्रशासन हर प्रकार से मदद कर रहा है। बहुत जल्द लड़की वापस आ जाएगी।

पीड़ित मोनी गोप के माता-पिता

### एक-एक दरवाजा, खिड़की सहित सारा सामान कुर्क कर ले गई पुलिस, फहीम खान के बेटे से रंगदारी मांगने के मामले में हुई कार्रवाई

# गैंगस्टर प्रिंस खान के घर पुलिस ने की कुर्की-जब्ती

- घर में मिला कुरान, स्कूल का आईकार्ड
- सीओ बोले, कार्रवाई के लिए लाया गया बुलडोजर
- बुलडोजर देख लोगो को यूपी के 'योगी मॉडल' की आई याद
- प्रिंस खान के खिलाफ इंटरपोल ने रेड और ब्लू कॉर्नर नोटिस किया जारी

**PHOTON NEWS DHANBAD:** गैंग्स ऑफ वासेपुर का गैंगस्टर प्रिंस खान के खिलाफ कानूनी शिकंजा कसने लगा है। शुक्रवार एक सितंबर को कोर्ट के आदेश के बाद बैंक मोड़ और भूली पुलिस धनबाद के वासेपुर स्थित मखदुमपुर में प्रिंस खान के घर की कुर्की जब्ती करने बुलडोजर लेकर पहुंची। 2015 के रंगदारी मामले में प्रिंस खान फरार है। कई बार कोर्ट के नोटिस के बाद भी कोर्ट में वो हाजिर नहीं हुआ। इसी मामले को लेकर कुर्की जब्ती की गई। और भी कई मामलों में प्रिंस खान फरार चल रहा है। कुर्की के दौरान सीओ प्रशांत लायक के साथ बैंक मोड़ थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडेय भारी दल बल के साथ मौजूद थे। कुर्की जब्ती की प्रक्रिया 12 बजे से शुरू की गई। ताला तोड़कर घर के अंदर पुलिस दाखिल हुई। उसके बाद खिड़की, दरवाजा और घर में रखे सामानों की कुर्की जब्ती की गई। पुलिस ने उसके आवासीय कार्यालय का ताला तोड़ा, जहां जिम के उपकरण और पानी टंकी बरामद हुई। गौरतलब है कि इससे पहले 2022 में भी सिविल कोर्ट के आदेश पर कुर्की जब्ती हो चुकी है।

बुलडोजर के साथ पहुंची पुलिस ● फोटोन न्यूज

कुर्की के दौरान घर से कुरान एक छोटे बक्से में मिला। जिसे पुलिस ने कमर मखदुमी रोड स्थित मस्जिद में रखवा दिया। कुरान के साथ-साथ मैकेनिकल इंजीनियरिंग की किताब भी मिली। पुलिस को प्रिंस खान के वास्तविक नाम हैदर अली के नाम से बचपन के स्कूल का एक आईकार्ड मिला। जिसमे लिटिल फ्लावर स्कूल भूली रोड स्कूल का नाम और जन्म तारीख 20/10/93, क्लास टू और रोल नंबर 15 लिखा हुआ है। इसके साथ प्रिंस खान और परिवार वालो की तस्वीर भी मिली। जिसमे एक फोटो में प्रिंस के साथ उसकी पत्नी बच्चे को गोद में लेकर खड़ी है।

### गैंगस्टर फहीम खान के बेटे साहेबजादे से रंगदारी मांगने के मामले में हुई कुर्की

प्रिंस के भाई गोपी खान के खिलाफ बैंक मोड़ पुलिस ने इश्तेहार चिपकाया था। बैंक मोड़ थाना प्रभारी प्रभात रंजन पांडेय गाजे बाजे के साथ प्रिंस खान के घर पर पहुंचे थे और माइक से मुनादी करवाकर इश्तेहार चिपकाया था। पुलिस ने बताया कि प्रिंस खान के खिलाफ गैंगस्टर फहीम खान के बेटे साहेबजादे से रंगदारी मांगने के मामले में बैंक मोड़ थाना में केस दर्ज. है। इसके बाद से ही वह फरार है। इस मामले में कोर्ट ने इश्तेहार जारी किया था। इसका तामिला कराया गया था।

बुलडोजर लेकर कुर्की जब्ती करने पहुंची पुलिस जब वासेपुर के कमर मखदुकमी रोड पहुंची तो वहां एकाएक यूपी के ?ोगी मॉडल की चर्चा होने लगी। कई लोगों ने कहा कि अब धनबाद पुलिस भी यूपी की तरज पर बुलडोजर लेकर निकल पड़ी है। सीओ प्रशांत लायक ने कहा कि बाहरी दरवाजा खोलने में दिक्कत हो तो उसे तोड़ने के लिए बुलडोजर लाया गया था। बैंक मोड़ थाना प्रभारी ने बताया कि घर के अंदर से जो भी सामान जब्त किया जा रहा है, उसकी सूची बनाई जा रही है।

पुलिस की नजर में फरार गैंगस्टर प्रिंस खान के खिलाफ इंटरपोल ने रेड और ब्लू कॉर्नर नोटिस जारी करते हुए अरब देशों की सुरक्षा एजेंसी के पास भेज दिया है। रेड कॉर्नर नोटिस धनबाद में दर्ज. फायरिंग के एक केस में जारी किया गया है। जबकि ब्लू कॉर्नर नोटिस झारखंड एटीएस की ओर से प्रिंस खान के खिलाफ अनुसंधान किये जा रहे एक केस में जारी किया गया है। इसके अलावा इंटरपोल की ओर से प्रिंस खान के बारे नेशनल सिक्यूरिटी काउंसिल को भी जानकारी दी गयी है। गौरतलब है कि धनबाद से पासपोर्ट बनवाने के बाद प्रिंस खान विदेश भाग गया था। जब धनबाद पुलिस और एटीएस ने उसकी तलाश शुरू की थी। तब पुलिस और एटीएस को अनुसंधान के दौरान इस बात की जानकारी मिली थी कि प्रिंस खान शारजाह में छिपा है। तब पुलिस की ओर से उसके पासपोर्ट रद्द कराने की कार्रवाई की गयी थी। इसके साथ ही उसके खिलाफ इंटरपोल के सहयोग से नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू की गयी। इसके बाद सीबीआई के जरिये प्रस्ताव तैयार कर इंटरपोल को भेज दिया गया था। इंटरपोल की ओर से झारखंड पुलिस को यह भी बताया गया था कि मामले में आगे की कार्रवाई के लिए अरब देशों की सुरक्षा एजेंसी से प्रत्यर्पण संधि के नियम के अनुसार संपर्क कर सकते हैं।

BRIEF NEWS

## डीईओ कार्यालय में हुई शिक्षकों की काउंसलिंग

**JAMSHEDPUR :** शुक्रवार को पूर्वी सिंहभूम जिले के हाई स्कूलों में स्नातक प्रशिक्षित शिक्षक ( सीधी भर्ती ) के पद पर नियुक्ति के लिए जीव विज्ञान व रसायन शास्त्र के कुल छह उम्मीदवारों की काउंसलिंग हुई। इस काउंसलिंग में शत-प्रतिशत उम्मीदवार शामिल हुई। उक्त सभी उम्मीदवारों के सभी शैक्षणिक प्रमाण पत्रों के साथ ही आवासीय, जाति समेत अन्य अभिप्रमाणित दस्तावेजों को जिला शिक्षा विभाग में जमा करवाया गया। सभी की जांच के लिए विभिन्न बोर्ड व विवि में भेजी जायेगी। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग द्वारा पूर्वी सिंहभूम जिले में जीव विज्ञान व रसायनशास्त्र विषय के संसूचित रिक्ति के विरुद्ध प्राप्त अनुशंसा के आधार पर उक्त काउंसलिंग हुई।

## डॉ विनय कुमार सिंह बने केयू के नए फाइनांस आफिसर

**JAMSHEDPUR :** कोल्हान विश्वविद्यालय ने नए फाईनांस ऑफिसर के रूप में डॉ विनय कुमार सिंह को नियुक्त किया है। इससे संबंधित नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। उनका कार्यकाल छह महीने का होगा। डॉ विनय कुमार सिंह अभी जमशेदपुर कोआपरेटिव कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में कार्यरत है। उन्हें तत्काल प्रभाव से योगदान देने को कहा गया है। विदित हो कि एफओपद पर डॉ पीके पाणि कार्यकाल पिछले महीने पूरा हो गया था। जिसकी वजह से यह पद रिक्त था। इसके बाद ही राजभवन की अनुमति से विवि ने डॉ विनय कुमार सिंह को नई जिम्मेदारी दी है।

## महाराजा रणजीत सिंह सेवा दल के रक्तदान शिविर में 80 यूनिट रक्त संग्रहित

**JAMSHEDPUR :** श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी के पहले प्रकाश उत्सव के उपलक्ष पर स्टेशन रोड गुरुद्वारा साहिब में रक्तदान शिविर लगाया गया। रक्तदान शिविर में केवल जुगसलाई ही नहीं बल्कि दूर दराज क्षेत्रों से लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मुख्य रूप से इस शिविर में क्षेत्र के विधायक मंगल कालिंदी, पूर्व विधायक सह बीजेपी प्रवक्ता कुणाल सारंगी, बीजेपी नेता दिनेश कुमार, सेंट्रल गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी के भगवान सिंह, सरदार शैलेंद्र सिंह, स्टेशन रोड गुरुद्वारा के कमिटी मेम्बर, महाराजा रणजीत सिंह सेवा दल, वॉइस ऑफ ह्यूमैनिटी के मेम्बर आदि मौजूद थे। इस दौरान सभी ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। जानकारी देते हुए स्टेशन रोड गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के सेक्रेटरी कमलजीत सिंह भाटिया ने कहा कि जरूरत मंद मरीजों को सही समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके इस उद्देश्य से रक्तदान शिविर लगाया गया है। हर वर्ष इस शिविर को लगाकर रक्त संग्रह कर ब्लड बैंक को रक्त उपलब्ध कराया जाता है उन्होंने कहा कि केवल जुगसलाई ही नहीं बल्कि दूर दराज क्षेत्रों से लोग एकत्रित होकर रक्तदान कर रहे हैं। इस रक्तदान शिविर में 80 लोगो ने रक्तदान किया ।

## सुरभि शाखा का उन्नत फेस्टिवल मेला कल से

**JAMSHEDPUR :** महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत मारवाड़ी युवा मंच स्टील सिटी सुरभि शाखा द्वारा तीन दिवसीय 3 से 5 सितंबर तक उन्नत फेस्टिवल मेला (प्रदर्शनी सह बिक्री) का आयोजन तुलसी भवन बिष्टुपुर में किया जा रहा है। तीनों दिन मेला सुबह 10 से रात 9 बजे तक चलेगा। यह जानकारी सुरभि शाखा अध्यक्ष निशा सिंघल, कार्यक्रम संयोजिका प्रीति झाझरिया एवं प्रीति अग्रवाल ने संयुक्त रूप से प्रेस विज्ञाप्ति जारी कर दी। उन्होंने बताया कि महिलाओं को स्वावलंबी बनाने हेतु आयोजित हो रहे इस मेले में सुरभि शाखा द्वारा ऐसी कई महिलाओं को प्लेटफार्म उपलब्ध कराया गया हैं, जो घर में खाना बनाकर रोजगार कर रही है। इस मेला में एक ही छत के नीचे कुर्ती, साड़ी, गिफ्ट आइटम, चादर, बांदरवाल, लड्डू गोपाल की पोशाक, ज्वेलरी, हाथ के बने हुए मंगोड़ी, पापड़, अचार उचित मूल्य में प्राप्त होगा। साथ ही समय की बचत भी होगी। इसे सफल बनाने में सुरभि शाखा की सभी महिलाएं लगी हुई हैं।

# BAGBEDA में शिशु को बेच रही थी महिला, जांच में जुटी पुलिस

## छह हजार रुपये में किया दो माह के नवजात का सौदा

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** जमशेदपुर के बागबेड़ा में ममता को शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है। बागबेड़ा के ट्रैफिक कॉलोनी में एक मां अपने दो माह की नवजात को मात्र छह हजार रुपये में बेचती नजर आई। हालांकि मौके से गुजर रही अन्य महिलाओं की नजर शिशु पर पड़ी। इसके बाद पुलिस को इसकी सूचना दी गई। पुलिस साकची थाना में महिला से पूछताछ कर रही है। पूछताछ में महिला ने पुलिस को अपना नाम शांति मछुआ बताया है। उसने कहा कि वह पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले के बलरामपुर की रहने वाली है। उसने दो माह पूर्व नीमडीह के अस्पताल में शिशु को जन्म दिया है और जमशेदपुर में भीख मांगकर गुजारा करती है। इधर जमशेदपुर पुलिस पश्चिम बंगाल की पुलिस से संपर्क साधकर महिला के परिजनों का पता लगाने में जुट गई है।

शिशु को लेकर बेचने के बैठी महिला। ● फोटोन न्यूज

बागबेड़ा निवासी खैरुन निशा ने बताया कि वह ट्रैफिक कॉलोनी से होते हुए गुजर रही थी, तभी रास्ते में एक बच्ची के रोने की आवाज सुनी। बच्ची एक महिला के पास थी। उसने पास जाकर महिला से बच्ची के बारे में पूछताछ शुरू की। महिला ने बताया कि वह बच्ची को छह हजार रुपये में बेच देगी। उन्होंने तुरंत 100 नंबर डायल पर पुलिस को इसकी सूचना दी। थोड़ी देर बाद पुलिस की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और बच्ची को मां समेत उपायुक्त कार्यालय लेकर चली गई। यहां से बच्ची और उसकी मां को साकची थाना ले जाया गया। खैरुन निशा ने बताया कि बच्ची कुपोषण का शिकार है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# शहर के 5 बड़े मॉल में बनेगी विश्वकर्मा गैलरी ग्रामीण स्तर पर निर्मित वस्तुओं को मिलेगा बाजार

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** जमशेदपुर अक्षेस सभागार में जिला दण्डाधिकारी-सह- उपायुक्त मंजूनाथ भजन्त्री ने जिले के मॉल, होटल, रेस्टॉरेन्ट, कैटरिंग क्षेत्र में कार्यरत संस्था/ प्रतिनिधियों के साथ शुक्रवार को बैठक की। इस दौरान नगर निकायों के ऊब-ठवछट की दीदियों तथा खरछढर की महिला मंडल की सखी दीदियों द्वारा निर्मित/ उत्पादित वस्तुओं को क्रय किए जाने तथा स्थानीय शिल्पकारों के उत्थान की दिशा में आवश्यक पहल किए जाने पर चर्चा की।

ग्रामीण महिलाओं द्वारा बनायी गयी वस्तुओं को देखते उपायुक्त। ● फोटोन न्यूज

मौके पर डीसीने कहा कि स्वयं सहायता समूह की सखी दीदियों द्वारा निर्मित पेपर बैग, जूट बैग, खाद्य सामग्री व अन्य उत्पाद को हमें मिलकर आम जनता तक पहुंचाना होगा ताकि उन्हें भी रोजगार का उचित अवसर मिल सके और आमदनी में बढ़ोतरी हो पाए। उन्होंने कहा कि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की जितनी भी सखी दीदियां है स्वरोगजार के लिए कोई न कोई कार्य से जुड़ी हैं, हुनरमंद भी है, जरूरत है उन्हें एक मंच प्रदान करने की जिसमें जिला प्रशासन के साथ-साथ जिले के व्यवसायी वर्ग की भी महती भूमिका होगी । उन्होंने सभी शॉपिंग मॉल, रेस्टोरेंट आदि के संचालक व प्रतिनिधि से कहा कि लोकल प्रोडक्ट्स का ज्यादा से ज्यादा उपयोग को प्राथमिकता दी जाए। एसएचजी महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे व्यवसायों के सशक्तिकरण के लिए उनके द्वारा निर्मित पेपर बैग,जूट बैग, थैली व इस तरह के विभिन्न सामग्री को व्यावसायिक संस्थानों के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों में शामिल किया जाए।

**जिले की शिल्पकलाओं को मिले पहचान, मिलकर करें काम:** जिले के हुनरमंद शिल्पकारों द्वारा वाद्ययंत्र निर्माण में निपुणता हो या डोकरा, पायटकर, छऊ जैसी पारंपरिक नृत्य कला को संरक्षित करना, उनके एकल प्रयास कलाओं को संरक्षित करने में नाकाफी होंगे। उन्होंने इन दुर्लभ कलाओं को बचाने के लिए विभिन्न प्रतिष्ठानों को आगे आकर अपने समाजिक दायित्व को निभाने की बात कही। इसके यथोचित प्रचार प्रसार की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा गैलरी का अधिष्ठापन शहर के 5 प्रमुख मॉल में शुरूआती तौर पर किया जाए। इन विश्वकर्मा गैलेरी में शिल्पकलाओं तथा सखी दीदियों द्वारा निर्मित/ उत्पादित दैनिक आवश्यकताओं की वस्तुओं की बिक्री के लिए जगह उपलब्ध कराते हुए रोजगार के अवसर से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि इस तरह हम सभी मिलकर अपने सामूहिक दायित्व को निभाते हुए ही हम अपने सांस्कृतिक धरोहर को बचा सकते हैं।

**नक्शा विचलन गैरकानूनी, प्रशासन का सहयोग करें:** शहर को साफ-स्वच्छ तथा व्यवस्थित रखने में नागरिकों की विशेष भूमिका होती है। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त द्वारा मौजूद प्रतिष्ठान के संचालक व प्रतिनिधियों से स्वीकृत नक्शे के अनुरूप ही निर्माण कार्य करने की बात कही गई तथा यह भी सुनिश्चित करने को कहा गया कि निर्माण में किसी तरह का भी विचलन नहीं हो।

# बिरसानगर जोन नंबर 4 में लगा कचरे का अंबार, लोग परेशान

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** बिरसानगर जोन नंबर 4 में खाली पड़े जमीन पर कचरे का अंबार लगा हुआ है। जिससे आस-पास के लोगों को काफी परेशानी हो रही है। कई लोग डेंगू जैसे मच्छर जनित रोग से ग्रसित हैं जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। इस संबंध में बिरसानगर निवासी वाई विजय कुमार ने बताया कि कचरे की सफाई के लिए जेएनएसी को कई बार शिकायत की गई लेकिन जेएनएसी के पदाधिकारियों द्वारा केवल टाल मटोल किया जा रहा है। खाली पड़े जमीन पर लोगों द्वारा कचरा फेंका जा रहा है। लोगों को मना करने पर भी लोग नहीं मान नहीं रहे हैं। कचरे के कारण आस-पास के लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में शुक्रवार को एसडीओ धालभूम को ज्ञापन सौंप कर कार्रवाई करने की मांग की गई है। ज्ञापन सौंपने वालों में बी। वेंकट राव, प्रकाश, बंजरंग, रंजना, पीके दास सहित अन्य लोग शामिल थे।

खाली जमीन पर कचरे का ढ़ेर।

# एजेयू की मधुमिता झारखंड सरकार के खर्च पर मास्टर्स डिग्री के लिए जायेगी यूके

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** जमशेदपुर के अरका जैन यूनिवर्सिटी (एजेयू) की छात्रा मधुमिता मुंडा मास्टर्स की डिग्री हासिल करने के लिए यूके स्थित बर्मिंघम जायेगी। इसके लिए इस वर्ष मधुमिता का झारखंड सरकार की ओर से मारांग गोमके जयपाल सिंह मुंडा पारदेशीय छात्रवृत्ति योजना के तहत चयन हुआ है। मधुमिता बर्मिंघम स्थित एस्टर्न यूनिवर्सिटी से डाटा एनालेटिक्स में मास्टर्स की पढ़ाई करेगी। इस छात्रवृत्ति के लिए चयन होने पर हाल ही में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने राजधानी रांची में उसे सम्मानित किया है। मधुमिता जमशेदपुर के बिरसानगर जोन 1-बी निवासी दशरथ मुंडा व प्यारी मुंडा की पुत्री है। उसने एजेयू से बीसीए में स्नातक की डिग्री हासिल की है।

**विषम परिस्थितियों में भी पिता ने प्रभावित नहीं होने दी पढ़ाई:** मधुमिता बताती है कि उसके पिता दशरथ मुंडा की एक छोटी सी राशन दुकान है। मां प्यारी मुंडा गृहणी हैं। चार भाई बहनों में वह दूसरी है। पिता पहले तो टेंपो चलाते थे। उसके बाद किसी तरह एक छोटी सी राशन की दुकान खोल ली। उसी से घर का खर्च चलता है। चारों भाई-बहन अभी पढ़ाई ही कर रहे हैं। लेकिन पिता इतने सक्षम नहीं हैं कि अच्छे संस्थानों में पढ़ाई का खर्च उठा सकें। बावजूद उन्होंने मधुमिता की पढ़ाई के प्रति ललक को देखते हुए कर्ज वगैरह लेकर अरका जैन यूनिवर्सिटी से बीसीए में स्नातक की डिग्री दिलायी। इस दौरान उसने भी ट्यूशन पढ़ा कर अपना खर्च निकाला। इससे पूर्व 10वीं तक की उसकी स्कूली शिक्षा टेल्को स्थित विद्या भारती चिन्मया विद्यालय से हुई। फिर आर्थिक स्थिति की वजह से स्कूल छोड़ जमशेदपुर वीमेंस कॉलेज से कॉमर्स में इंटरमीडिएट की पढ़ाई की। स्नातक अंतिम सेमेस्टर के दौरान उक्त छात्रवृत्ति के लिए आवेदन किया और अपनी मेधा के बल पर यह छात्रवृत्ति हासिल की।

**मास्टर्स के बाद स्टार्टअप व जरूरतमंदों को रोजगार देना उद्देश्य :** मधुमिता ने बताया कि इस छात्रवृत्ति की सहायता से मास्टर्स की डिग्री हासिल कर वह खुद अपना ही भविष्य संवारना नहीं चाहती है। बल्कि उसका उद्देश्य अपना स्टार्टअप शुरू करना भी है। ताकि उसके माध्यम से जरूरमंदों को रोजगार उपलब्ध करा कर बेरोजगारी की समस्या से लड़ सके।

## बहरागोड़ा महाविद्यालय में तीन दिवसीय व्याख्यानमाला का आयोजन

# डॉ पाणी ने शोध कार्य के बारे में दी विस्तृत जानकारी

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** बहरागोड़ा महाविद्यालय में तीन दिवसीय व्याख्यान माला का आयोजन किया गया है उक्त आयोजन का शुभारंभ शुक्रवार को विश्वविद्यालय के नई शिक्षा नीति के समन्वयक डॉक्टर पीके पाणि ने किया। महाविद्यालय की ओर से प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर बीके बेहरा ने अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया तथा आइक्यूएसी के समन्वयक डॉक्टर तपन मंडल ने मोमेंटो प्रदान किया।

कार्यशाला में उपस्थित अतिथि व अन्य। ● फोटोन न्यूज

मेथाडोलॉजी तथा प्रोजेक्ट तैयार करने से संबंधित विस्तृत जानकारी विद्यार्थियों को डॉक्टर पाणि ने दिया। पीपीटी के माध्यम से डॉक्टर पाणि ने स्नातकोत्तर एवं स्नातक अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को बताया कि मेथाडोलॉजी और प्रोजेक्ट स्नातक एवं स्नातकोत्तर का विषय है जबकि शोध कार्य स्नातकोत्तर के बाद किया जाता है। उन्होंने प्रोजेक्ट कार्य पर विस्तार से चर्चा करते हुए इसके लिए किन-किन पड़ावों पर किन-किन विषयों को उपस्थापित करना है इसकी भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि उदाहरण के तौर पर महिला सशक्तिकरण के विषय को ले सकते हैं। प्रोजेक्ट के प्रथम पन्ने पर ही विषय के साथ-साथ शोधार्थी को अपनी सूचनाओं अंकित करना है। तत्पश्चात प्रस्तावना, प्रमाण पत्र, ग्रंथ सूची आदि को रखें। सदैव यह प्रयास करना है कि अपनी भाषा में मूल विषयों से संबंधित डाटा रखें। जिस विषय पर आप कार्य करेंगे इसकी प्रारंभिक स्थिति के साथ-साथ अब तक जो कार्य किए गए हैं एवं उसे कार्य के फल स्वरुप उसके परिणाम किस हद तक लाभदायक साबित हुआ है इसे उपस्थापित करना है।

डॉक्टर तपन मंडल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ सत्र के समाप्ति की घोषणा की गई। कार्यक्रम का संचालन डीके सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉक्टर पीके चंचल, डा हर्षित टोपनो, प्रोफेसर तिरु, प्रो भास्कर, कौशिक महतो समेत विभिन्न विभागों के अध्यापक एवं स्नातक एवं स्नातकोत्तर के विद्यार्थी व्याख्यान माला में भाग लिया।

# डेंगू की रोकथाम को लेकर भाजमो के प्रतिनिधिमंडल ने डीसी को सौंपा ज्ञापन

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** भाजमो जमशेदपुर महानगर के प्रतिनिधिमंडल की ओर से शुक्रवार को डेंगू की रोकथाम के लिए उपायुक्त को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन भाजमो के जिलाध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव के नेतृत्व में सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से उपायुक्त को बताया गया कि जिले में बढ़ रहे डेंगू- मलेरिया सहित अन्य मौसमी बिमारियां फैल रही है। इसे रोका जाना अति आवश्यक है। प्रतिनिधिमंडल ने उपायुक्त से उक्त बीमारियों की रोकथाम के लिए उचित कदम उठाने की मांग की। ज्ञापन के माध्यम से बताया गया कि शहर में डेंगू एवं वायरल फीवर बड़ी तेजी से फैल रहा है, प्रत्येक घर में यह बिमारी दस्तक दे रही है। जिले में स्थित अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रो में समुचित व्यवस्था नहीं होने से बिमारी से ग्रसित लोग अपने जीवन बचाने के लिए संघर्ष कर रहे है।

डीसी को ज्ञापन देने पहुंचे भाजमो के नेता। ● फोटोन न्यूज

साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि यदि जिला प्रशासन पुरी मुस्तैदी से डेंगू, मलेरिया एवं अन्य मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए आवश्यक कदम नहीं उठाती है तो भाजमो महानगर लोकतांत्रिक आंदोलन करने को विवश होगी।

प्रतिनिधिमंडल में भाजमो जिला महामंत्री कुलविंदर सिंह पन्नु, विकास गुप्ता, अमित शर्मा, प्रकाश कोया, आकाश शाह, राजेश प्रसाद, प्रेम सक्सेना, राघवेंद्र प्रताप सिंह, दीपु कुमार, त्रिलोचन सिंह, गणेश चंद्रा आदि उपस्थित थे।

# रेलवे कल लेगी पावर ब्लॉक, टाटा-हटिया व टाटा-आसनसोल सहित कई ट्रेनें रहेंगी रद्द

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** साउथ ईस्टर्न रेलवे के चक्रधरपुर मंडल के कांद्रा-कुनकी स्टेशन के बीच विकास कार्य को लेकर रेलवे तीन सितंबर को पावर ब्लॉक लेगा। पावर ब्लॉक के कारण रेलवे ने कई ट्रेनों को रद्द करने का फैसला लिया है। वहीं कुछ ट्रेनों के समय में भी बदलाव किया गया है। इस दौरान तीन सितंबर को ट्रेन संख्या 18601/18602 टाटानगर-हटिया-टाटानगर एक्सप्रेस, ट्रेन संख्या 08152/08151 बरकाकाना-टाटानगर-बरकाकाना पैसेंजर स्पेशल, 13511/13312 टाटानगर-आसनसोल-टाटानगर एक्सप्रेस और 13301/13302

धनबाद-टाटानगर-धनबाद स्वर्णरेखा एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

**टाटानगर-आसनसोल मेमू स्पेशल शॉर्ट टर्मिनेट :** ट्रेन संख्या 08173/08174 आसनसोल-टाटानगर-आसनसोल मेमू स्पेशल 3 सितंबर को पुरुलिया तक आएगी और यही ट्रेन पुरुलिया से आसनसोल के लिए लौट जाएगी। वहीं ट्रेन संख्या 18101 टाटानगरझझम्मू तवी एक्सप्रेस ट्रेन तीन सितंबर को अपने निर्धारित समय के गंतव्य के लिए एक घंटे विलंब से प्रस्थान करेगी।

## शहर के विभिन्न मंदिरों में मनाया जायेगा भगवान श्री कृष्ण का जन्मोत्सव

# सिदगोड़ा सूर्य मंदिर में जन्माष्टमी को लेकर कई प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

**PHOTON NEWS JAMSHEDPUR :** श्रीकृष्ण जन्माष्टमी में महज अब कुछ ही दिन बचे है। भक्त बाल गोपाल की जन्मोत्सव मनाने की तैयारी अभी से शुरू कर दिये है। शहर के विभिन्न मंदिरों में इस बार भगवान श्री कृष्ण की जन्मोत्सव मनाया जायेगा। वहीं कृष्ण की जन्मोत्सव पर इस बार सिदगोड़ा सूर्य मंदिर समिति के द्वारा तैयारी शुरू हो गई है। इस अवसर पर शहर के सैकड़ों बच्चे राधा-कृष्ण का रूप धारण कर भगवान बाल गोपाल की लीला करते दिखाई देंगे। जबकि सूर्य मंदिर परिसर में सैकड़ों प्रतिभागी सामूहिक नृत्य से समां बांधेंगे। इसके अलावे मंदिर परिसर में मटकी फोड़ प्रतियोगिता भी आयोजित होगी। जिसमें पुरुष व महिलाएं अलग-अलग भाग लेंगे। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को सूर्य मंदिर कमेटी, सिदगोड़ा की ओर से नकद राशि और पुरस्कार प्रदान की जाएगी। इसकी जानकारी सूर्य मंदिर समिति ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी। सूर्य मंदिर समिति के अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने जन्माष्टमी की तैयारियों पर जानकारी देते हुए बताया कि सिदगोड़ा स्थित सूर्यधाम में 5 से 7 सितंबर तक श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव पूरे धूमधाम से मनाया जाएगा। महोत्सव के दौरान राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री एवं मंदिर कमेटी के मुख्य संरक्षक रघुवर दास, संरक्षक चंद्रगुप्त सिंह मुख्यरूप से मौजूद रहेंगे।

**सात सितंबर को बाल राधा-कृष्ण सजाओ प्रतियोगिता का होगा आयोजन :** मंदिर समिति ने प्रेस वार्ता में बताया कि 7 सितंबर को सूर्य मंदिर परिसर में शाम 5 बजे बाल राधा-कृष्ण सजाओ प्रतियोगिता का फाइनल और शाम 6 बजे सामुहिक नृत्य प्रतियोगिता का फाइनल होगा। फाइनल प्रतियोगिता में पिछले राउंड के चुने हुए प्रतिभागी भाग लेंगे। इसके साथ ही, मटकी फोड़ प्रतियोगिता में पुरुष एवं महिलायें अलग-अलग भाग लेंगे, जिसका आयोजन 7 सितंबर को सुबह 10 बजे से किया जाएगा।

**इच्छुक प्रतिभागी मंदिर कार्यालय से ले सकते है फॉर्म :** कृष्ण की जन्मोत्सव पर इस बार सिदगोड़ा सूर्य मंदिर समिति के द्वारा आयोजित किये जाने वाले प्रतियोगिता के फॉर्म सूर्य मंदिर कार्यालय से लिया जा सकता है। सूर्य मंदिर समिति के मीडिया प्रभारी प्रेम झा ने बताया कि जन्माष्टमी महोत्सव पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए इच्छुक प्रतिभागी मंदिर कार्यालय से सुबह 10 बजे से 12 बजे तक और शाम 4 से 8 बजे तक फॉर्म ले सकते है।

**5 सितंबर को होगा राधाकृष्ण सजाओ प्रतियोगिता का ऑडिशन :** सिदगोड़ा सूर्य मंदिर समिति द्वारा 5 सितंबर शाम 5 बजे बाल राधाकृष्ण सजाओ प्रतियोगिता का ऑडिशन होगा। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रतिभागी 4 सितंबर को शाम 7 बजे फॉर्म जमा कर सकते है। वहीं सामुहिक नृत्य प्रतियोगिता का ऑडिशन 6 सितंबर को संध्या 5 बजे एवं फाइनल 7 सितंबर को संध्या 6 बजे से होगा। इसके फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 5 सितंबर संध्या 7 बजे है। वहीं एकल मटकी फोड़ प्रतियोगिता का फाइनल 7 सितंबर को सुबह 10 बजे से होगा। इसके फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 6 सितंबर संध्या 7 बजे तक है। इच्छुक प्रतिभागी फॉर्म संबंधी जानकारी एवं फॉर्म प्राप्ति के लिए समिति के नंबर 9204602790 पर संपर्क कर सकते है।

**प्रतियोगिता आयोजन को लेकर बनाये गए प्रभारी :** श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रम को लेकर सूर्य मंदिर कमेटी ने प्रभारियों की नियुक्ति की है। जिनमें बाल राधा-कृष्ण सजाओ प्रतियोगिता के प्रभारी गुंजन यादव, अखिलेश चौधरी, रूबी झा एवं कंचन दत्ता को बनाया गया है। सामूहिक नृत्य प्रतियोगिता के प्रभारी दिनेश कुमार, शैलेश गुप्ता, बंटी अग्रवाल एवं प्रमोद मिश्रा एवं एकल दही हांडी फोड़ प्रतियोगिता के प्रभारी अमरजीत सिंह राजा, शशिकांत सिंह, प्रेम झा एवं कृष्णमोहन सिंह बनाये गए हैं।

# भारत की सूझबूझ

साउथ अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में हुए ब्रिक्स देशों के शिखर सम्मेलन में आखिर इसके विस्तार का फैसला हो गया। फैसले के मुताबिक पांच देशों- ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका- के इस संगठन में अगले साल 1 जनवरी को छह नए सदस्य- अर्जेंटीना, इजिप्ट, ईरान, इथियोपिया, सऊदी अरब और यूएई- जुड़ जाएंगे। वैसे ब्रिक्स के विस्तार पर चर्चा काफी पहले से हो रही है। 2009 में इस संगठन के अस्तित्व में आने के एक साल बाद यानी 2010 में ही इसमें साउथ अफ्रीका को जोड़ लिया गया। उसके बाद से ही नए सदस्यों की एंट्री पर जब-तब चर्चा होती रही है। लेकिन पिछले कुछ समय से यह मुद्दा काफी जोर पकड़ चुका था, जिसकी दो बड़ी वजहें रहीं। एक तो यह कि ग्रुप से जुड़ने की चाहत रखने वाले देशों की संख्या बढ़ती चली गई। 22 देश इस मंच का हिस्सा बनने के लिए बाकायदा आवेदन कर चुके हैं। 40 से ज्यादा देश इसकी इच्छा जता चुके हैं। दूसरी वजह यह रही कि बदले वैश्विक हालात के मद्देनजर चीन इस पर बहुत जोर दे रहा था। इसे देखते हुए यह आशंका जताई जा रही थी कि शायद भारत इस मसले पर ज्यादा पॉजिटिव रुख न दिखाए। चीन के सरकार नियंत्रित मीडिया ने कुछ दिन पहले पश्चिमी देशों पर आरोप भी लगा दिया कि वे नहीं चाहते विस्तार के बाद ब्रिक्स एक मजबूत संगठन बनकर उभरे, इसलिए भारत और चीन में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं। बहरहाल, इन अटकलबाजियों से अलग भारत पहले ही साफ कर चुका था कि वह ब्रिक्स के विस्तार के खिलाफ नहीं है। अन्य मुद्दों की तरह इस मामले में भी उसका रुख किसी खास देश या लॉबी के आग्रह या शंका आशंका से नहीं बल्कि अपने राष्ट्रीय हितों से निर्देशित हो रहा था। ध्यान रहे, भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत तमाम वैश्विक संगठनों और मंचों के विस्तार और उनमें समय के मुताबिक सुधार की वकालत करता रहा है। ब्रिक्स के विस्तार के ताजा फैसले से उस अजेंडे को आगे बढ़ाने में आसानी होगी। हालांकि इसके बावजूद इस फैसले में निहित चुनौतियों की अनदेखी नहीं की जा सकती। एक तरफ यह आशंका है कि इन नए सदस्यों में से कई देशों के साथ अपनी करीबी की बदौलत चीन इस मंच पर अपना दबदबा बढ़ाने का प्रयास कर सकता है तो दूसरी तरफ कुछ हलकों में यह संदेह भी है कि चीन, रूस और ईरान जैसे देशों के प्रभाव में इसे पश्चिमी देशों के खिलाफ एक मंच के रूप में इस्तेमाल न किया जाने लगे। इन आशंकाओं और संदेहों के बीच सभी देशों के हितों में सामंजस्य स्थापित करते हुए बेहतर विश्व सुनिश्चित करने की दिशा में आगे बढ़ने के लिए इस मंच को निश्चित रूप से ज्यादा परिपक्व और दूरदर्शितापूर्ण नजरिया अपनाना होगा।

# नीरज का कमाल

भारत के ओलिंपिक्स गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड ऐथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी गोल्ड जीतकर देश का सिर ऊंचा कर दिया है। अब तक कोई भी ऐथलीट देश को यह गौरव नहीं दिला पाया था। लेकिन बात सिर्फ इस एक गोल्ड की नहीं है। उनकी इस उपलब्धि के साथ ऐसी कई बातें जुड़ी हैं जो इसे खास बनाती हैं। पहली बात तो खुद नीरज चोपड़ा की अब तक की यात्रा है। चंद बरस पहले वह बढ़ते वजन से परेशान एक टीनेजर थे। 13 साल की उमर में उनका वजन 80 किलोग्राम हो गया था जिसकी वजह से उनकी उम्र के दूसरे बच्चे उन्हें चिढ़ाते थे। वहां से शुरू करके नीरज ने न सिर्फ अपने शरीर को साधा बल्कि अपने मन को अनुशासित कर इस तरह से केंद्रित किया कि लगातार आगे बढ़ते रहे। साल 2018 में एशियाई खेल और फिर कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड, 2020 में तोक्यो ओलिंपिक्स में गोल्ड, 2022 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में सिल्वर, 2022 में ही डायमंड लीग में गोल्ड और 2023 में वर्ल्ड चैंपियनशिप में गोल्ड लाने का उनका करिश्मा तो बहुत कुछ कहता ही है, सबसे बड़ी बात यह है कि इस दौरान वह अपने प्रदर्शन में लगातार सुधार करते रहे। अब भी उनका कहना है कि आने वाले कॉम्पिटिशंस में वह और बेहतर परफॉर्म करने की उम्मीद बनाए हुए हैं। 90 मीटर के लक्ष्य तक पहुंचने का उनका संकल्प कायम है। इसी से जुड़ी दूसरी महत्वपूर्ण बात यह है कि नीरज चोपड़ा अपने व्यक्तित्व और प्रदर्शन की बदौलत देश के दूसरे ऐथलीट्स के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बने हुए हैं। बुडापेस्ट में हो रहे वर्ल्ड चैंपियनशिप की ही बात करें तो मेडल भले सिर्फ नीरज चोपड़ा के खाते में आया हो, लेकिन किशोर जेना और डीपी मनु ने भी बढ़िया प्रदर्शन किया। जेना ने 84.77 मीटर के साथ अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। दूसरी ओर मनु 84.14 मीटर के थ्रो के साथ छठे नंबर पर रहे। इस तरह पहली बार ऐसा हुआ कि टॉप आठ खिलाड़ियों में तीन भारतीय खिलाड़ी शामिल रहे। यह इस फील्ड में भारत की मजबूत उपस्थिति दर्शाता है। यही नहीं वर्ल्ड ऐथलेटिक चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच चुकी और नैशनल चैंपियनशिप की गोल्ड विनर अनु रानी और उनकी तरह के तमाम महिला-पुरुष एथलीट हैं, जिनके लिए नीरज चोपड़ा रोल मॉडल बने हुए हैं। इन सबका मिला-जुला प्रभाव है कि ऐथलेटिक्स के क्षेत्र में आने वाला दौर भारत के लिए उम्मीदों से भरा दिख रहा है। ऐसे समय जब चांद के दक्षिण ध्रुव के पास चंद्रयान उतार कर भारतीय वैज्ञानिक स्पेस एक्सप्लोरेशन के क्षेत्र में अपना झंडा बुलंद कर चुके हैं और शतरंज में प्रग्नानंदा जैसे यंग टैलंट नई उम्मीदें दिखा रहे हैं, नीरज चोपड़ा की यह उपलब्धि न केवल देशवासियों के मनोबल को और ऊंचा करती है बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी निरंतर बेहतर करने का विश्वास और प्रेरणा देती है।

# 'एक देश-एक चुनाव' आज की सबसे बड़ी जरूरत

ANALYSIS

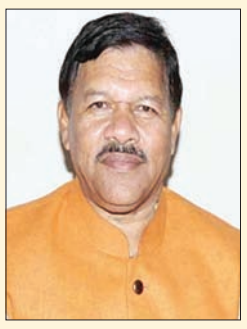

श्याम जाजू

एक साथ चुनाव कराने का मुख्य तर्क यह है कि इससे काफी समय और संसाधनों की बचत होगी। वर्तमान में, देश में चुनाव कई चरणों में होते हैं। यह प्रक्रिया कई माह चलती है। यह न केवल सरकार के सामान्य कामकाज को बाधित करता है बल्कि राजकोष पर भी बड़ा बोझ डालता है। एक साथ चुनाव कराने का मतलब होगा कि प्रक्रिया की अवधि और समग्र लागत को कम करना। एक साथ चुनाव कराने के पक्ष में एक और तर्क यह है कि इससे मजबूत और अधिक स्थिर शासन को बढ़ावा मिलेगा। लगातार होते चुनाव और सत्ता परिवर्तन से सरकारी नीतियां और कार्यक्रमों की निरंतरता बाधित होती है। साथ ही सरकार की जवाबदेही में भी कमी आ जाती है। सरकार का ध्यान शासन से हटकर चुनाव प्रचार पर चला जाता है। एक साथ चुनाव कराने का मतलब होगा कि सत्ता में रहने वाली सरकार पूरे कार्यकाल के लिए लोगों के प्रति जवाबदेह होगी। इससे अधिक बेहतर शासन की संभावना बढ़ेगी। इसके अतिरिक्त, एक साथ चुनाव कराने से मतदान प्रतिशत बढ़ सकता है। जब चुनाव अलग-अलग समय पर और बार-बार होते हैं, तो मतदाताओं को अरुचि होने लगती है।

वर्तमान दो वर्ष देश के लिए चुनावी साल कहे जा सकते हैं। इस साल 2023 में 10 राज्यों की विधानसभा और 2024 में सात राज्यों की विधानसभा और लोकसभा चुनाव होने हैं। अर्थात दो वर्ष में 18 चुनाव। इनके साथ ही कई विधानसभाओं और लोकसभा की कुछ खाली सीटों के लिए उपचुनाव भी होंगे। मतलब यह की आने वाले दिनों में देश चुनाव में व्यस्त रहेगा। ऐसे समय में जब देश-दुनिया अनेक चुनौतियों से दो-चार हो रही है, पूरी मानवता कोविड और यूक्रेन युद्ध के दुष्प्रभाव से जूझ रही है और जिस समय भारत संघर्ष से लड़कर अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में लगा हो, क्या ये उचित लगता है कि सारा देश और प्रशासनिक तंत्र चुनाव व्यवस्था में ही लग जाए? क्या यह उचित नहीं होगा कि सारे चुनाव एक बार में, एक साथ कराए जाएं और बार-बार चुनाव पर होने वाले खर्च और व्यवधान से बचा जा सके? देश की चिंता करने वालों के मन में यह विचार बार-बार आता है। समय आ गया है कि हम सब इस पर गंभीरता से विचार करें। एक साथ चुनाव कराने का मुख्य तर्क यह है कि इससे काफी समय और संसाधनों की बचत होगी। वर्तमान में, देश में चुनाव कई चरणों में होते हैं। यह प्रक्रिया कई माह चलती है। यह न केवल सरकार के सामान्य कामकाज को बाधित करता है बल्कि राजकोष पर भी बड़ा बोझ डालता है। एक साथ चुनाव कराने का मतलब होगा कि प्रक्रिया की अवधि और समग्र लागत को कम करना। एक साथ चुनाव कराने के पक्ष में एक और तर्क यह है कि इससे मजबूत और अधिक स्थिर शासन को बढ़ावा मिलेगा। लगातार होते चुनाव और सत्ता परिवर्तन से सरकारी नीतियां और कार्यक्रमों की निरंतरता बाधित होती है। साथ ही सरकार की जवाबदेही में भी कमी आ जाती है। सरकार का ध्यान शासन से हटकर चुनाव प्रचार पर चला जाता है। एक साथ चुनाव कराने का मतलब होगा कि सत्ता में रहने वाली सरकार पूरे कार्यकाल के लिए लोगों के प्रति जवाबदेह होगी। इससे अधिक बेहतर शासन की संभावना बढ़ेगी। इसके अतिरिक्त, एक साथ चुनाव कराने से मतदान प्रतिशत बढ़ सकता है। जब चुनाव अलग-अलग समय पर और बार-बार होते हैं, तो मतदाताओं को अरुचि होने लगती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश में समकालिक चुनाव के बड़े हिमायती हैं और अनेक बार देश में एक साथ चुनाव को लेकर सार्वजनिक मंचों पर अपनी राय जाहिर कर चुके हैं। 2014 के चुनाव से पहले इस मुद्दे को भारतीय जनता पार्टी के मैनिफेस्टो में भी शामिल किया गया था। उसी साल जून में एक टीवी इंटरव्यू में उन्होंने एक साथ चुनाव कराने को अत्यंत आवश्यक बताया था और चुनाव आयोग का आह्वान किया था की वह इस दिशा में काम करे। प्रधानमंत्री ने एक साथ चुनाव की वकालत करते हुए कहा था कि इस कदम से 'सार्वजानिक जीवन में पारदर्शिता बढ़ाने और भ्रष्टाचार से लड़ने में मदद मिलेगी।' प्रधानमंत्री मोदी की पहल का समर्थन भारत का निर्वाचन आयोग भी कर चुका है पर वह इसके लिए सभी दलों की सहमति चाहता है। वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी भी 1995 और 2010 में इस मुद्दे को जोर-शोर से उठा चुके हैं। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने भी लोकसभा और विधानसभाओं का चुनाव एक साथ कराने का समर्थन किया था। उन्होंने कहा था, 'चुनाव सुधार पर सकारात्मक चर्चा का वक्त आ गया है। समय आ गया है कि हम पुराने समय में लौट जाएं, जब स्वतंत्रता के तुरंत बाद लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव साथ-साथ होते थे।' समाजवादी पार्टी के नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के अलावा बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को कई मौकों पर एक ही समय पर चुनाव कराने के पक्ष में राय देते हुए मैंने देखा है। कुछ वर्ष पूर्व लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि अकसर चुनाव होते रहते हैं और इस पर बड़ी राशि खर्च होती है। बड़ी संख्या में शिक्षकों सहित एक करोड़ से अधिक सरकारी कर्मचारी चुनाव प्रक्रिया में शामिल होते हैं। यह सिलसिला जारी रहने पर शिक्षा के क्षेत्र को अधिकतम नुकसान होता है। इसके अलावा सुरक्षा बलों को भी चुनाव कार्य में लगाना पड़ता है। इससे देश की सुरक्षा कमजोर पड़ जाती है। प्रधानमंत्री ने सभी राजनीतिक दलों का आह्वान करते हुए लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ कराने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा था कि राजनीतिक दल इसे अन्य नजरिये से न देखें। यह काम एक पार्टी या सरकार नहीं कर सकती। हम सबको ही मिलकर एक रास्ता खोजना होगा। दरअसल, एक साथ चुनाव कराने की कवायद लंबे समय से चल रही है। दिसंबर, 2015 में संसद की एक स्टैंडिंग कमेटी ने देश में सभी विधानसभा चुनाव को दो चरणों में पूर्ण कराने की संस्तुति की थी। अप्रैल, 2018 में विधि आयोग ने समकालिक चुनाव पर तीन पृष्ठों का एक श्वेतपत्र जारी किया था। इस मसौदे में विधि आयोग ने तथ्यों के आधार पर समकालिक चुनाव की जरूरत पर बल देते हुए इससे जुड़ी व्यापक चर्चा का आह्वान भी किया था। आयोग के मसौदे में समकालिक चुनाव को लेकर पूर्व में उठी मांगों अथवा सिफारिशों का हवाला भी दिया गया था। इतिहास में जाकर पड़ताल करें तो समकालिक चुनाव का विचार सबसे पहले चुनाव आयोग की 1983 में जारी वार्षिक रिपोर्ट में आया था। इसके बाद 1999 में विधि आयोग की रिपोर्ट और वर्ष 2015 में संसद की स्थायी समिति की रिपोर्ट में भी समकालिक चुनाव पर सकारात्मक चर्चा उभर कर आई थी। इस विषय पर 2017 में नीति आयोग ने भी एक विश्लेषण पत्र जारी करके समकालिक चुनाव की सिफारिश की थी। नीति आयोग ने तो 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ करने का सुझाव भी दिया था। नीति आयोग का मानना था कि लोकसभा और विधानसभा, दोनों चुनाव एक साथ कराना राष्ट्रहित में होगा। आयोग ने अपने वक्तव्य में कहा, 'हम 2024 में लोकसभा चुनाव से एक साथ दो चरणों में चुनाव कराने की ओर आगे बढ़ सकते हैं। इसमें अधिकतम एक बार कुछ विधानसभाओं के कार्यकाल में कटौती करनी होगी या कुछ को कार्यकाल विस्तार देना होगा।' आयोग ने सुझाव दिया था कि राष्ट्रहित में इसे लागू करने के लिए संविधान और इस मामले पर विशेषज्ञों, थिंक टैंक, सरकारी अधिकारियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों सहित पक्षकारों का एक विशेष समूह गठित किया जाना चाहिए। सवाल है कि क्या वाकई अब समय आ गया है कि देश को समकालिक चुनाव की तरफ ले जाने की पहल करनी चाहिए ? क्या इसके लिए यह सर्वाधिक अनुकूल अवसर नहीं है, क्योंकि देश में सर्वाधिक हिस्से में सत्ता पर काबिज दल इसके लिए तैयार हैं। क्या इस अवसर को समकालिक चुनाव के लिहाज से इसलिए माकूल नहीं माना चाहिए, क्योंकि सत्ताधारी दल के साथ-साथ विधि आयोग और नीति आयोग जैसी संस्थाएं इसपर गंभीरता के साथ विचार कर रही हैं। दरअसल आजादी के बाद देश में चुनाव एक साथ ही होते थे। 1951-52 में पहले आम चुनाव में लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ ही हुए थे। यह सिलसिला 1967 तक निर्विघ्न चला। 1968 और 1969 में कुछ विधानसभाओं के समय पूर्व भंग होने और 1971 में लोकसभा के मध्यावधि चुनाव होने से यह क्रम टूट गया। इसके बाद सिर्फ आठवीं, दसवीं, चौदहवीं और पंद्रहवीं लोकसभा ही अपना कार्यकाल पूर्ण कर पाईं। अब स्थिति यह है कि देश में प्रतिवर्ष छोटे-बड़े औसतन पांच-सात चुनाव होते हैं। इन लगातार होते चुनाव से न केवल बड़ा खर्च होता है बल्कि लगातार लागू होती आचार संहिता से शासकीय कार्य बुरी तरह प्रभावित होते हैं। नीति आयोग के अनुसार लगातार चुनाव होते रहने से नीति निर्माण में स्थायित्व नहीं रहता और मतदाताओं को लुभाने के चलते संरचनात्माक सुधारों के बजाय अदूरदर्शी और लोकलुभावन निर्णयों को ज्यादा प्राथमिकता दी जाती है। एक साथ चुनाव कराने के पक्ष में दिए जाने वाले मूलतः चार तर्क हैं। एक- इससे बार-बार चुनाव कराने के खर्च से बचा जा सकेगा।

# आतंक की राह पर जाते शिक्षित युवा

पिछले दिनों गुजरात के अंकलेश्वर की सत्र अदालत ने इस्लामिक स्टेट यानी आइएस से संबद्ध दो आतंकियों उबेद अहमद मिर्जा और मोहम्मद कासिम टिंबरवाला को अंतिम सांस तक कारावास की सजा सुनाई। इससे पहले मार्च में लखनऊ की एनआइए अदालत ने भोपाल-उज्जैन पैसेंजर ट्रेन में बम विस्फोट के लिए सात आइएस आतंकियों को फांसी और एक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। इसी तरह हिमाचल, उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान, केरल और महाराष्ट्र समेत तमाम राज्यों की अदालतों ने इस्लामिक स्टेट से संबद्ध कई आतंकियों को पिछले कुछ वर्षों में सजा सुनाई हैं। 2021 की एक विज्ञप्ति के अनुसार एनआइए द्वारा 168 आइएस आतंकियों को गिरफ्तार कर 37 मुकदमे दर्ज कराए गए। पिछले दो वर्षों में जिस तरह एनआइए ने आइएस के विभिन्न गुटों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की हैं, उसके चलते गिरफ्तार आतंकियों की संख्या बढ़कर दोगुनी या और भी अधिक हो गई हो तो कोई बड़ी बात नहीं है। कुछ वर्ष पहले तक नेताओं और सुरक्षा विशेषज्ञों का मानना था कि आइएस के प्रति भारतीय मुसलमान उदासीन हैं, परंतु देश भर में एनआइए के लगातार छापे और राज्यवार इकाइयों का पदार्फाश दिखाता है कि परिस्थितियां बदल गई हैं। भारत में आइएस का उभार इस्लामी कट्टरवाद का वह चिंताजनक पहलू है, जिसमें मुख्यतः पढ़े-लिखे, उच्च शिक्षा प्राप्त मुसलमानों की संलिप्तता है। पिछले माह पुणे के प्रख्यात चिकित्सक अदनान अली की गिरफ्तारी सुर्खियों में रही थी। पुणे के ही बीजे मेडिकल कालेज से गोल्ड मेडल प्राप्त अली को मुस्लिम युवाओं को आइएस में भर्ती कराने और आतंकी घटनाओं की योजना बनाने का आरोपी बनाया गया। इस्लामिक स्टेट का साहित्य और आपराधिक प्रयोग में लाए जाने वाले इलेक्ट्रानिक उपकरणों की बरामदगी के अलावा अली को आइएस की पत्रिका वाइस आफ हिंद की जिहादी सामग्री का प्रसार करते भी पाया गया। उच्च शिक्षित भारतीय मुसलमानों का इस्लामिक स्टेट के अलावा अन्य आतंकी समूहों के प्रति बढ़ता रुझान भी लगातार देखने को मिल रहा है। इस्लामिक स्टेट के प्रति सबसे ज्यादा उत्साह उस केरल में दिखा है, जिसकी साक्षरता दर भारतीय राज्यों में शीर्ष पर है। एक अंग्रेजी दैनिक में 2016 में प्रकाशित आलेख के अनुसार गिरफ्तार हुए आइएस आतंकियों में 70 प्रतिशत मध्यम या उच्च आय वर्ग से संबंध रखते थे। तब तक गिरफ्तार हुए 156 व्यक्तियों में आधे से ज्यादा स्नातक और 23 प्रतिशत परास्नातक थे। इसी तरह इस्लामिक स्टेट से जुड़ने वाले आतंकियों में इंजीनियरों की भारी संख्या है। एक रिपोर्ट के अनुसार केवल 2016 में ही आइएस से संबद्ध 20 इंजीनियर गिरफ्तार हुए थे। इन आतंकियों में देश के प्रतिष्ठित कालेजों से पास इंजीनियर भी शामिल हैं। कभी केरल में आइएस का सरगना रहा शजीर मंगलचेरी अब्दुल्ला एनआइटी, कालीकट से बीटेक की डिग्री प्राप्त कर चुका है। इसी तरह पिछले वर्ष एनआइए ने जामिया मिल्लिया से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के छात्र मोहसिन अहमद को आइएस के लिए पैसा इकट्ठा कर भेजने के आरोप में गिरफ्तार किया था। तुर्किये की जेल में बंद अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से इलेक्ट्रानिक्स इंजीनियरिंग किया हुआ सैयद मोहम्मद अर्शियान इस्लामिक स्टेट के लिए आत्मघाती ड्रोन सिस्टम तक बना चुका है। इसके साथ ही उसने आइएस के लिए छोटी दूरी का राकेट भी डिजाइन किया है। तुर्किये, सीरिया और कुर्द लड़ाकों की जेलों में बंद भारतीय या भारतीय मूल के विदेशी आतंकियों में कारपोरेट जगत से आए लोग, कालेज में प्रोफेसर, विभिन्न तकनीकों के विशेषज्ञ और यहां तक कि पत्रकार भी शामिल रहे हैं। ये सभी तथ्य और आंकड़े उस स्थापित मिथक को नकारते हैं कि इस्लामी कट्टरवाद के पनपने का कारण अशिक्षा है। आंकड़े यह भी बताते हैं कि कम से कम आइएस से संबद्ध इस्लामी कट्टरवाद का पोषण मदरसों की देन नहीं है। पकड़े गए आतंकियों में बहुत कम ही दीनी तालीम पाए हुए रहे। आशय यह है कि आइएस समर्थक मुस्लिम कट्टरवाद मदरसों के बजाय अन्य माध्यमों से प्रेरित हो रहा है। इस मायने में आइएस के प्रति इस वर्ग की सहानुभूति पूर्व में इंडियन मुजाहिदीन और स्टूडेंट्स इस्लामिक मूवमेंट आफ इंडिया (सिमी) के स्वरूप का अनुसरण करती है। इन दोनों ही चरमपंथी संगठनों का कैडर मदरसों के बजाय सामान्य स्कूल-कालेजों से पढ़कर निकला था। इतना अवश्य है कि जहां इंडियन मुजाहिदीन, सिमी और पीएफआइ का ध्यान केवल भारत केंद्रित था, वहीं आइएस का बढ़ता प्रभाव मुस्लिम कट्टरता के उस बदलते स्वरूप को दर्शाता है, जो क्षेत्रीय से अब वैश्विक जिहाद का हिस्सा बनने को आतुर है। एनआइए की छापेमारी में देश भर में होने वाली गिरफ्तारियां यह भी बताती हैं कि आइएस को संचालित करने वाली सलाफी कट्टरता का प्रभाव केरल के साथ-साथ देश के दूर-दराज वाले इलाकों तक पहुंच चुका है। आइएस के प्रति आकर्षण विवादित ढांचे के ध्वंस या हिंदुत्व के उभार जैसे उन खोखले कुतर्कों की भी हवा निकालता है, जिन्हें आगे बढ़ाकर इस्लामी जिहाद को संदर्भ देने का प्रयास होता रहा है। आइएस आतंकी न सिर्फ देश में जिहाद का तानाबाना बुन रहे हैं, बल्कि सुदूर इराक और सीरिया में ऐसे लोगों से लड़ने को उतावले हैं, जिनसे उनका कभी वास्ता तक नहीं रहा। इनके निशाने पर संख्या की दृष्टि से नगण्य, दीन-हीन और बेचारे यजीदी, अलावाइट, द्रूस, शबाक, असीरियाई और आर्मेनियाई ईसाई भी हैं, जिनका आइएस सिर्फ इसलिए नरसंहार कर रहा है, क्योंकि वे गैर-मुस्लिम हैं। आतंकी मनोविज्ञान पर शोध कर रही मनोचिकित्सक एन. स्पैकहार्ड के शब्दों में आइएस की कट्टरता युवा जिहादियों को इसलिए आकर्षित करती है, क्योंकि उसकी अबाध असहिष्णुता में उन्हें इस्लाम की आरंभिक शुद्धता नजर आती है।

## Social Media Corner

सच के हक में...

कैंसर के इलाज के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने का सराहनीय प्रयास। इससे देश भर में कई लोगों को लाभ होगा।

**(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर अकाउंट से)**

पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न प्रणब मुखर्जी जी को उनकी पुण्यतिथि पर नमन करता हूँ। देश के विकास में उनका योगदान, उनकी बौद्धिकता और सार्वजनिक सेवा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता हमें सदैव प्रेरणा देती रहेगी।

**(केंद्रीय मंत्री अमीत शाह के ट्विटर अकाउंट से)**

आज लखनऊ में अटल आवासीय विद्यालयों के विद्यार्थियों को एडमिशन किट वितरण और विद्यालय परिचायिका के विमोचन के साथ ही वेबसाइट लॉन्च हुई।

**(सीएम योगी आदित्यनाथ के ट्विटर अकाउंट से)**

# सवैधानिक प्रावधान पर स्वामी प्रसाद का प्रहार

भगवान बुद्ध ने कहा था कि किसी को मानसिक पीड़ा देना भी हिंसा होती है। स्वामी प्रसाद मौर्य अपने को बौद्ध कहते हैं। लेकिन वह लगातर बौद्ध दर्शन का उल्लंघन कर रहे हैं। उनके बयानों से हिन्दुओं को मानसिक पीड़ा पहुंच रही है। बौद्ध चिंतन के अनुसार उनका यह आचरण हिंसा की परिधि में है। पहले रामचरितमानस की एक चौपाई का उन्होंने गलत अर्थ बता कर आस्था पर प्रहार किया । इस पर मुंह की खाई थी। लेकिन बेहयाई ऐसी की कोई सबक नहीं लिया। अब कहा कि हिन्दू धर्म नहीं धोखा है। ऐसा कह कर उन्होंने संविधान की भावना पर प्रहार किया है। भारतीय संविधान के अनुच्छेद 25 में हिन्दू शब्द का उल्लेख है। जैन, सिख, बौद्ध धर्मावलंबी को हिंदू परिभाषित किया गया है। स्वामी प्रसाद ने हिन्दू को धोखा बताया। उनके बयान का निहितार्थ यह हुआ कि संविधान में धोखा का उल्लेख है। इसी प्रकार डॉ. आंबेडकर ने हिन्दू कोड बिल पेश किया था। स्वामी प्रसाद के अनुसार तो इसे भी धोखा समझना होगा। बसपा और भाजपा में मंत्री बन कर सत्ता सुख भोगने के बाद स्वामी प्रसाद मौर्य अब सपा में हैं। जिस पार्टी में रहे उसको छोड़ कर शेष दो पार्टियों को नागनाथ-सांपनाथ बताते रहे। अपने को नेवला बताने में उन्हें गर्व होता रहा। लेकिन इस राजनीतिक यात्रा में उन्होंने अपने को पूरी तरह अविश्वसनीय बना लिया है। इसीलिए उनके बयान भी उन्हीं की तरह अविश्वसनीय हैं। उनके राजनीतिक जीवन का अधिकांश हिस्सा सपा पर हमला बोलते ही बीता है। सपा संस्थापक से लेकर आज का नेतृत्व तक उनके निशाने पर रहता था। करीब डेढ़ वर्ष पहले तक उनका यही अंदाज हुआ करता था। उन्होंने अखिलेश यादव को सर्वाधिक विफल मुख्यमंत्री बताया था। योगी सरकार में मंत्री रहते हुए स्वामी प्रसाद सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के समर्थक थे। अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर मन्दिर निर्माण शिलान्यास के समय भी वह मंत्री थे। एक बार भी विचलित नहीं हुए। विधानसभा चुनाव अधिसूचना जारी होने के बाद उन्हें गजब ज्ञान की प्राप्ति हुई। जिस सरकार में पांच साल तक सत्ता सुख भोग रहे थे, उसी को दलित पिछड़ा विरोधी बता दिया। जिस पार्टी को नागनाथ कहते थे,उसी में पहुंच गए। रामचरित मानस पर असत्य टिप्पणी के बाद उन्हें सपा का राष्ट्रीय महासचिव बना कर पुरस्कृत किया गया था। तब से वह बेअंदाज हैं। अब तो ऐसा लगता है कि वह अब सपा में रहकर अपना पुराना हिसाब चुकता कर रहे हैं। पार्टी की छवि को पूरी तरह हिन्दू विरोधी बनाने की योजना पर कार्य कर रहे हैं। बसपा ने उन्हें फर्श से अर्श पर पहुंचाया। भाजपा ने उन्हें कैबिनेट मंत्री बना कर सम्मान दिया। जब वह बसपा और भाजपा के नहीं हुए, तो सपा के भी नहीं हो सकते। उन्हें चन्द्रयान सफलता स्थल को शिव-शक्ति नाम देना भी हजम नहीं हो पा रहा है। उन्होंने इसे वैज्ञानिकों का अपमान बताया। जबकि सच्चाई यह कि इस नामकरण से इसरो वैज्ञानिक प्रसन्न हैं। वह भी शिवभक्त हैं। उन्होंने सफल अभियान से पहले मन्दिरों में प्रार्थना की। सफलता के बाद पुनः दर्शन पूजन के लिए गए। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन के अध्यक्ष एस सोमनाथ ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग के क्षेत्र में काम करने वाले लोगों को संस्कृत से प्यार है। भारत वैदिक काल से ही एक ज्ञानी समाज था। जिसमें संस्कृति की भूमिका रही है। सोमनाथ ने कहा कि गणित, चिकित्सा, तत्व विज्ञान, खगोल विज्ञान आदि विषय शामिल थे जो संस्कृत में लिखे गए थे। ऐसी सभी शिक्षाएं देश में कई हजार साल बाद 'पश्चिमी वैज्ञानिकों के की गई खोजों' के रूप में वापस आईं। वह उज्जैन में महर्षि पाणिनि संस्कृत और वैदिक विश्वविद्यालय के चौथे दीक्षांत समारोह को संबोधित करने गए। कहा कि संस्कृत दुनिया की सबसे प्राचीन यानी पुरानी भाषाओं में से एक है जिसमें कविता, तर्क, व्याकरण, दर्शन, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, गणित और अन्य संबद्ध विषय शामिल हैं। सूर्य सिद्धांत सबसे पहली किताब है जो मैंने संस्कृत में देखी।

# फर्जी वेबसाइट

साइबर धोखाधड़ी को लेकर देश की सर्वोच्च अदालत की चिंता सुखद है। सर्वोच्च अदालत की रजिस्ट्री ने एक एडवाइजरी जारी की है और लोगों को उस घोटाले के बारे में आगाह किया है, जिसमें साइबर अपराधी लोगों की निजी जानकारी और गोपनीय डाटा चुराने के लिए सर्वोच्च न्यायालय के नाम का इस्तेमाल कर रहे थे। यह कितनी संगीन बात है कि साइबर अपराधी सुप्रीम कोर्ट की आधिकारिक वेबसाइट की भी नकल बना चुके हैं और फर्जी वेबसाइट की मदद से लोगों को बरगलाया जा रहा है। साइबर अपराधी लोगों से इस वेबसाइट के जरिये नाना प्रकार के व्यक्तिगत विवरण मांगते हैं और जाहिर है, उनका उपयोग फजीर्वाड़े के लिए होता होगा। देश में सर्वोच्च न्यायालय के प्रति लोगों में बहुत सम्मान और विश्वास की भावना है। अगर कोई न्यायालय का नाम खराब करना चाहता है, तो यह अक्षम्य अपराध है। न्यायालय की रजिस्ट्री ने सलाह दी है कि लोग बहुत परखने के बाद ही किसी वेबसाइट से जुड़ें। सर्वोच्च न्यायालय कभी भी किसी व्यक्ति से कोई गोपनीय जानकारी नहीं मांगता है। सलाह दी गई है कि लोग किसी भी प्राप्त लिंक की प्रामाणिकता की पुष्टि किए बिना न तो कभी क्लिक करें और न ही किसी से साझा करें। न्यायालय के इस दिशा-निर्देश की अक्षरशः पालना होनी चाहिए। देश में लोगों को फांसने की कोशिश होती रहती है, जिसे साइबर भाषा में ह्यफिशिंगह्ण कहा जाता है, इस फिशिंग के खिलाफ पूरी कड़ाई बरतने की जरूरत है। खासकर जो प्रतिष्ठित और विश्वसनीय संस्थान हैं, उनके नाम या यूआरएल से मिलते-जुलते किसी भी नाम का पंजीकरण नहीं होना चाहिए। यूआरएल या डोमेन बेचने वाली किसी भी कंपनी को पाबंद किया जाना चाहिए कि मिलते-जुलते नाम से कोई भी अपराधी कोई वेबसाइट न खोल पाए। अगर आज सर्वोच्च न्यायालय को दिशा-निर्देश जारी करने पड़े हैं, तो मामले की गंभीरता सभी जिम्मेदार सरकारी संस्थाओं को समझनी चाहिए। अव्वल तो वेबसाइट के मिलते-जुलते नाम को मंजूरी ही न मिले और अगर कोई चोरी से ऐसी वेबसाइट बना भी ले, तो उसे कड़ा दंड देने में कोई हर्ज नहीं है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, Jharkhand-835222, and Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. Editor- Fahim Akhtar. E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

BRIEF NEWS

## 38वां राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा : रैली निकाल लोगों को किया जागरूक

**CHAIBASA :** चाईबासा जिला स्वास्थ्य समिति के अंधापन नियंत्रण कार्यक्रम के तहत 38वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के तहत लोगों के बीच नेत्रदान करने के लिए जागरूकता रैली निकली गई। इस रैली के माध्यम से आमलोगों के बीच नेत्रदान करने के लिए पंपलेट भी बांटे गए। उन्हें बताया गया कि नेत्र को दान कर किसी की अंधकार भरी जिंदगी में प्रकाश भरने का कार्य किया जा सकता है। इसलिए सभी को नेत्रदान करना चाहिए। नेत्र चिकित्सालय सदर अस्पताल के चिकित्सक डॉक्टर मनोज सिंह मुंडा ने कहा कि लोगों को नेत्रदान करने के लिए यह रैली निकाली गई है, ताकि लोग जागरुक हों और नेत्रदान कर एक अंधकार वाली जिंदगी को प्रकाश युक्त बनाने में अपना सहयोग करें।

## बढ़ती महंगाई से आम जनमानस त्रस्त : रामहरि

**CHAIBASA :** मोदी सरकार रसोई गैस की कीमत 200 रुपये कम कर अपनी पीठ थपथपा रही है। उक्त बातें आंबेडकराइट पार्टी ऑफ इंडिया के सिंहभूम लोकसभा प्रभारी रामहरि गोप ने कही। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार जब सत्ता में आई थी, तब गैस सिलेंडर का दाम लगभग 400 रुपये के करीब था। वर्तमान में सिलेंडर का दाम तीन गुना बढ़कर 1200 रुपये के आसपास पहुंच गया था। इस बढ़ी हुई महंगाई के कारण पूरे देश में आम जनमानस को अपना परिवार चलाने में काफी कठिनाई हो रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने सत्ता में आने से पहले नारा दिया था बहुत हुई महंगाई की मार, अबकी बार मोदी सरकार। लेकिन अब महंगाई कई गुना अधिक बढ़ चुकी है और लोग परेशान है। अब चुनाव से छह महीना पहले गैस के दाम कम कर लोगों को बेवकूफ बनाने का काम कर रही है। अब महंगाई और बेरोजगारी की मार झेल रही देश की जनता इस षड्यंत्र को भली-भांति समझ चुकी है और 2024 में यही जनता मोदी सरकार को सत्ता से उखाड़ फेंकेगी।

## वारंटी को पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

**CHAIBASA :** सदर थाना के पुलिस ने शुक्रवार को फरार वारंटी नीरज साव को गिरफ्तार कर लिया। नीरज साव चाईबासा के मेरीटोला के रहने वाले हैं। सदर थाना पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर मंडल कारा, चाईबासा भेज दिया गया। उक्त कांड में न्यायालय से जमानत मिलने के पश्चात गिरफ्तार वारंटी फरार चल रहा था। सदर थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर प्रवीण कुमार ने कहा कि वारंटी लंबे समय से फरार चल रहा था। कोर्ट के आदेश के बाद इसे गिरफ्तार किया गया है। नीरज साव पर अन्य कई मामलों में भी वारंट जारी किया गया है।

## सड़क दुर्घटना में दो युवक घायल, एक रेफर

**MANOHARPUR :** मनोहरपुर-राउरकेला मुख्य मार्ग मेदासाईं गांव के समीप गुरुवार की देर रात सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवक घायल हो गये। घायल युवक को देर रात मनोहरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। वहां चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल युवक 24 वर्षीय सुरेश हो का प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए राउरकेला रेफर कर दिया। वहीं आंशिक रूप से घायल युवक 22 वर्षीय सुशील साईं को उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। दोनों युवक मनोहरपुर, चिड़िया ओपी थाना अंर्तगत चिड़िया के रहने वाले हैं। जानकारी के मुताबिक दोनों युवक रात को बाइक से राउरकेला ओडिशा की ओर जा रहे थे। तभी मनोहरपुर से दो-तीन किलोमीटर दूर मेदासाईं मोड़ पर एक बैल को बचाने के दौरान बाइक अनियंत्रित हो गई और ट्रक के चपेट में आ गया। इससे दोनों युवक घायल हो गये। मनोहरपुर सीएचसी अस्पताल में गंभीर रूप से घायल युवक सुरेश हो को प्राथमिक उपचार के बाद उसे राउरकेला ले जाया गया है।

# जिप सदस्यों की बैठक में हंगामा, अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पर लगा मनमानी का आरोप

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** पश्चिमी सिंहभूम का जिला परिषद कार्यालय में शुक्रवार को जिला अध्यक्ष लक्ष्मी सुरीन की अध्यक्षता में हुई जिला परिषद सदस्यों की सामान्य बैठक में जमकर हंगामा हुआ। लगभग एक घंटे तक सुचारू रूप से बैठक चली। लेकिन एक घंटे के पश्चात बैठक में हो हंगामा शुरू हो गया। जिला परिषद सदस्यों ने कुछ मामले में अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पर मनमानी करने का आरोप लगाया। झींकपानी प्रखंड के जिला परिषद सदस्य जॉन मिरन मुंडा ने दोनों पर डीएमएफटी फंड का दुरुपयोग करने का आरोप लगते हुए अविलंब इस्तीफा देने की मांग की। कहा कि गलत तरीके से काम हो रहा है। जिला परिषद सदस्य के क्षेत्र में डीएमएफटी फंड पर काम होनी चाहिए। जिला

बैठक में शामिल जिला परिषद सदस्य। ● फोटोन न्यूज

में यह काम जनहित में होना चाहिए। जिप सदस्य जॉन मिरन मुंडा ने चाईबासा में झारखंड के नाम पर संचालित तंबाकू फैक्ट्री पर बैन लगाने की मांग की। कहा कि अन्य राज्यों में झारखंड के नाम से तंबाकू बिक रही है, जिससे झारखंड बदनाम हो रहा है। इस दौरान अन्य सदस्यों ने भी अपने-अपने क्षेत्र की समस्याओं को सदन के समझ रखा। हंगामा को देखते हुए बीच में ही जिला परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सुरेन बैठक छोड़कर चली गई। लेकिन कुछ देर बाद वापस आ गई जिसके बाद सुचारू रूप से बैठक हुई।

**झींकपानी प्रखंड के जिप सदस्य ने किया धरना-प्रदर्शन :** सदन के अंदर विरोध करते जिप सदस्य व जिला परिषद कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन करते लोग जिला परिषद सदस्य जॉन मिरन मुंडा जिला परिषद अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पर मनमानी का आरोप लगाते हुए कार्यालय परिसर में ही धरना प्रदर्शन पर बैठ गए। इस दौरान कामगार यूनियन महासभा के कार्यकताओं ने भी हंगामा करना शुरू कर दिया। जिप सदस्य ने बैठक का बहिष्कार करते हुए कहा कि किसी भी कार्य में सदस्यों का सुझाव नहीं लिया जा रहा है। अपने तरीके से ही कम किया जा रह है। उनकी कई मांगे अब भी लंबित है, जिसे पूरा नहीं किया गया है जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। जिला परिषद सदस्य का चुनाव जनता द्वारा किया जाता है। लेकिन यहां जनप्रतिनिधियों का सम्मान नहीं होता है, यह जनप्रतिनिधियों का अपमान है। सदन भी सुचारू रूप से नहीं चलता, अपने मनमानी तरीके से ही सदन चलाया जाता है।

**सामान्य बैठक में डाक बंगला का प्रस्ताव पारित :** जिला परिषद की सामान्य बैठक में डाक बंगला का प्रस्ताव को पारित कर दिया गया है। डाक बंगला में पुराने कुछ लोगों का कब्जा था जिसे हटा दिया गया है। अब दोबारा मरम्मत करने का निर्णय लिया गया है। इसे लेकर डीडीसी द्वारा जिला परिषद सामान्य बैठक में एक प्रस्ताव रखा गया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया। जल्दी इसका डीपीआर तैयार कर लिया जाएगा और इसकी मरम्मत की जाएगी। मालूम हो की डाक बंगला बनने से जिला परिषद सदस्यों को रहने और रात में ठहरने की व्यवस्था हो जाएगी। आधिकारिक रूप से जिला परिषद सदस्यों के लिए अलग से कोई भी गेस्ट हाउस नहीं था जिस कारण जिप सदस्यों को काफी परेशानी होती थी।

# वार्ड नंबर एक में नाले की सफाई नहीं, लोग परेशान

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** चाईबासा नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड नंबर एक में रहने वाले लोग एक नाला के लिए परेशान हैं, क्योंकि वार्ड नंबर 1 मं पानी की निकासी के लिए एकमात्र नाला है। इसमें कई नालियां आकर मिलती है। इससे पानी की निकासी तो हो जाती है, लेकिन बरसात के दिनों में यह समस्या गंभीर हो जाती है। नाला में कचरा बना रहने के कारण पानी ओवरफ्लो करने लगता है, जिससे आमजनों को आने-जाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

कृष्ण कुजूर ने बताया कि शहर के किनारे इस वार्ड में सिवाय एक नाले की दूसरी कोई समस्या नहीं है। यहां पर पानी, बिजली, सड़क, राशन सभी सुविधाएं हैं। सभी नियमित रूप से मिल रही है। पानी की समस्या थी, लेकिन पाइपलाइन से जलापूर्ति होने के बाद से घर-घर पानी जा रहा है। पुलिस की पेट्रोलिंग भी दिन भर में दो बार होती है। पानी की निकासी के लिए एक और नाला की बन जाता है तो वार्ड में पानी निकासी की बड़ी समस्या का निदान हो जाएगा।

छेदी कुजूर ने नाला की समस्या पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक और नाला का निर्माण की मांग लंबे समय से की जा रही है। पूर्व में एक नाला बना भी जिसका फायदा हम लोगों को मिल रहा है, लेकिन जरूरत है कि नाला के बचे हुए भाग जिसे अभी तक ढका नहीं गया है, उसे ढकना जरूरी है, क्योंकि इसी से पानी ओवरफ्लो करता है। वर्षा के दिनों में आम लोग परेशान हो जाते हैं।

वार्ड नंबर एक निवासी राहुल कुजूर ने भी नाला का निर्माण अब तक नहीं होने पर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि इस वार्ड की स्थिति और कहा कि इस वार्ड की स्थिति वर्षा के दिनों में ज्यादा ही खराब हो जाती है।

# कोल्हान विश्वविद्यालय : दो माह से वेतन नहीं मिलने से सुरक्षा व सफाई कर्मी संकट में

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** कोल्हान विश्वविद्यालय में इन दिनों एजेंसी में कार्यरत कर्मचारियों का शोषण हो रहा है। पिछले दो माह से कार्यरत सुरक्षा और सफाई कर्मियों को मजदूरी नहीं मिली है। इसके कारण कर्मचारी काफी परेशान हैं। मानसिक स्थिति भी खराब हो चुकी है। इस मामले को लेकर कुलसचिव डॉ जयंत शेखर के पास शिकायत की गई। इस बार रक्षाबंधन त्योहार पार हो गया, लेकिन भुगतान नहीं हुआ। जुलाई व अगस्त माह का मानदेय अभी भी लंबित है। सुरक्षा कर्मियों ने कहा कि एजेंसी में कार्यरत पदाधिकारी कोल्हान विश्वविद्यालय में कार्यरत

कर्मचारियों को समय पर भुगतान नहीं करता है, जबकि एजेंसी के पास पैसा है। जब काम में रखा जाता है तो उस समय कहा जाता कि प्रत्येक माह भुगतान कर दिया जायेगा। एजेंसी अपने स्तर से भुगतान करेगी। इसके बावजूद भी नहीं करता है। कर्मचारियों का शोषण किया जाता है। मानदेय भुगतान को लेकर पूरी तरह से लापरवाही की जा रही है। जब भी भुगतान करने की बात कही जाती है, आश्वासन देकर वापस भेज दिया जाता है। मालूम हो कि कोल्हान विश्वविद्यालय के परीक्षा विभाग, प्रशासनिक भवन, पीजी विभाग समेत कुलपति आवास में लगभग 113 कर्मचारी कार्यरत हैं। एक भी कर्मी का पिछले दो माह से वेतन नहीं मिला है।

**सुपर स्टार सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड को मिला विवि में काम :** पिछले दो-तीन सालों से कोल्हान विश्वविद्यालय में आउटसोर्स कंपनी सुपर स्टार सिक्योरिटी प्राइवेट लिमिटेड को काम मिला है। इस एजेंसी का प्रत्येक साल नवीकरण होता है। बताया जाता है कि 20 लाख रुपए से अधिक प्रत्येक साल एजेंसी को भुगतान होता है, ताकि विश्वविद्यालय में सफाई और सुरक्षा व्यवस्था को दुरूस्त रखें। लेकिन इस पर गंभीरता नहीं दिखती है। एजेंसी के पदाधिकारी माह में एक-दो बार ही विश्वविद्यालय पहुंचते हैं।

**प्रभारी कुलपति के पास है एजेंसी की फाइल :** कोल्हान विश्वविद्यालय में कार्यरत सफाई कर्मी व सुरक्षा कर्मी को पिछले दो माह से मानदेय नहीं मिला है। कुल 113 कर्मचारी यहां कार्यरत है। एजेंसी का फाइल प्रभारी कुलपति के पास है। कोल्हान विश्वविद्यालय की ओर से भुगतान नहीं हुआ है। जिसके कारण भुगतान नहीं किया जा रहा है।

# महिला कॉलेज के इंटरमीडिएट शिक्षकों को नहीं मिला नवीकरण पत्र, बढ़ी परेशानी

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** महिला कॉलेज में कार्यरत इंटरमीडिएट शिक्षकों को अभी तक प्रभारी प्राचार्य की ओर से नवीकरण पत्र नहीं मिला है। जिस कारण शिक्षक परेशान हैं। जानकारी के अनुसार सभी शिक्षकों का प्रत्येक साल मार्च महीना में नवीकरण होता है। सभी शिक्षकों को नवीकरण पत्र दिया जाता है। लेकिन महिला कॉलेज प्रभारी डॉ प्रीतिबाला सिन्हा ने एक भी शिक्षक का नवीकरण नहीं किया है। सिर्फ हाजिरी के आधार पर सभी शिक्षक कार्यरत हैं। हालांकि शिक्षकों का मानदेय प्रभारी प्रिंसिपल ने बढ़ा तो दिया है। लेकिन अधिकारिक रूप से

पत्र जारी नहीं किया। मालूम हो कि महिला कॉलेज चाईबासा में जैक की निगरानी में ही इंटरमीडिएट की पढ़ाई संचालित होती है। इसमें कोल्हान विश्वविद्यालय की भूमिका नहीं होती है।

**इंटरमीडिएट में 12 शिक्षक व 3 शिक्षकेतर कर्मचारी हैं कार्यरत:** महिला कॉलेज चाईबासा में इंटरमीडिएट में कुल 12 शिक्षक कार्यरत हैं, जबकि 3 शिक्षकेतर कर्मचारी हैं। प्रत्येक साल लगभग आठ सौ से अधिक विद्यार्थियों का नामांकन होता है। सभी शिक्षक नियमित रूप से कक्षाएं चला रही हैं। इन सभी का भुगतान भी इंटरनल बजट से ही होता है।

# राज्य स्तरीय योग प्रतियोगिता आज से, 15 जिलों के प्रतिभागी होंगे शामिल

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** वेस्ट सिंहभूम डिस्ट्रिक्ट योगा एंड स्पोर्ट एसोसिएशन की ओर से शुक्रवार को चाईबासा के राजस्थान भवन में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में एसोसिएशन के सचिव कन्हैया अग्रवाल के अलावा अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। इस दौरान बताया गया कि 2 व 3 सितंबर को चाईबासा में राज्य स्तरीय दो दिवसीय योगा प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। यह प्रतियोगिता चाईबासा के पिल्लई हॉल में आयोजित किया जाएगा। बताया गया कि प्रतियोगिता में 350 प्रतिभागी शामिल होंगे। प्रतियोगिता को 12-12 आयु वर्ग में विभाजित किया गया है। 12 बालक वर्ग के लिए तथा 12 बालिका वर्ग के लिए होंगे। कुल 24 भाग होंगे। प्रतियोगिता में कुल 15 जिला के प्रतिभागी शामिल होंगे। जिसमें पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला खरसावां, रांची, गोड्डा, लोहरदगा, गुमला, पलामू, देवघर, जामताड़ा, गिरिडीह, कोडरमा सहित अन्य जिले के प्रतिभागी शामिल होंगे।

योगा प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए प्रत्येक खिलाड़ी को 300 रुपये रजिस्ट्रेशन शुल्क निर्धारित किया गया है। साथ ही रजिस्ट्रेशन क्लब को 2000 रुपये जमा करना होगा। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में कोल्हान प्रमंडल आयुक्त मनोज कुमार व उपायुक्त अनन्य मित्तल शामिल होंगे।

# ओडिशा में विधायक कार्यालय के पास मिला टाइमर लगा बम, घंटों दहशत में रहे लोग

**PHOTON NEWS BHUBANESHWAR :** ओडिशा के अंगुल जिले के भरतपुर में शुक्रवार को तालचर विधायक ब्रज किशोर प्रधान (बीजद) के कैंप कार्यालय के पास टाइमर लगा एक बम मिलने के बाद लोग दहशत में आ गये। तालचर उपसंभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) मानस रंजन बारीक ने बताया कि सूचना मिलने के बाद तुंरत मौके पर पहुंची पुलिस ने इलाके को घेर लिया और बम निरोधक दस्ते को बुलाया। उन्होंने कहा कि बम निरोधक दस्ते ने अंगुल के पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर बम को निष्क्रिय कर दिया है। बम में एक टाइमर लगा हुआ था। आगे की जांच के लिए, हम इसे प्रयोगशाला भेजेंगे और पता लगायेंगे कि बम के अंदर कोई विस्फोटक सामग्री है या नहीं।

**जांच मे जुटी पुलिस की टीम:** पुलिस विधायक के कैंप कार्यालय के आसपास के इलाके की जांच कर रही है कि क्या ऐसी कोई अन्य वस्तु भी वहां रखी गई है। उन्होंने कहा कि मामले में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए भी जांच चल रही है। यह घटना ऐसे दिन हुई, जब अंगुल जिले में बीजू जनता दल (बीजद) नेताओं और कार्यकताओं ने राष्ट्रीय राजमार्ग 53 की खराब स्थिति के विरोध में सड़क पर यातायात को बाधित करने का आह्वान किया था। प्रधान और उनके समर्थकों का कार्यालय परिसर से एक रैली निकालने का कार्यक्रम था। पार्टी के कुछ कार्यकताओं ने बम को देखा और पुलिस को इसकी जानकारी दी। प्रधान ने आरोप लगाया कि विरोध रैली को बाधित करने के लिए बम लगाया गया होगा।

# महिला कॉलेज की पूर्व छात्रा अनीता ने ओपन लाइब्रेरी में डोनेट की किताबें

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** महिला कॉलेज चाईबासा में शुक्रवार को एलुमनी एसोसिएशन ओपन लाइब्रेरी का शुभारंभ हुआ। जिसमें महिला कॉलेज की पूर्ववर्ती छात्रा अनीता टुडू जो सत्र (2001- 2003) में इंटरमीडिएट की छात्रा रही थी। वर्तमान में बैंक ऑफ बड़ौदा छत्तीसगढ़, धमतरी में डायरेक्टर, रूरल सेल्फ एंप्लॉयमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट के पद पर कार्यरत है। उन्होंने महिला कॉलेज के एलुमनी एसोसिएशन को ओपन लाइब्रेरी हेतु प्रतियोगिता एवं नेट की तैयारी से संबंधित

लाइब्रेरी में पुस्तक डोनेट करतीं पूर्व छात्रा अनीता टुडू। ● फोटोन न्यूज

किताबें प्रदान की।

अपने अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने पुस्तकों के महत्व को बताया और अपने विद्यार्थी जीवन में इसकी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए महाविद्यालय एलुमनी एसोसिएशन को ओपन लाइब्रेरी को किताबें डोनेट की ताकि छात्राएँ इसका लाभ ले सकें। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ प्रीतिबाला सिन्हा ने कहा कि जिस प्रकार बिना आत्मा के शरीर का कोई मूल्य नहीं होता उसी प्रकार पुस्तकालय भी शिक्षण संस्था की आत्मा होती है। उन्होंने बाकी एलुमनी को भी लाइब्रेरी में किताबें डोनेट करने की अपील की ताकि छात्राएँ लाभान्वित हो सके और उन्होंने विशेष रूप से अनीता टुडू को महाविद्यालय परिवार की ओर से धन्यवाद दिया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर डॉ सुचिता बाड़ा, डॉ अर्पित सुमन टोप्पो और सुजाता किस्पोट्टा उपस्थित थीं।

# तुईबीर पंचायत में ढलाई के दो दिन बाद ही फटने लगी पीसीसी सड़क

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** सदर प्रखंड के तुइबीर पंचायत अतंर्गत कुईडबुसू में डीएमएफटी फंड से लगभग 16 लाख रुपये खर्च कर बन रही पीसीसी सड़क निर्माण में अनियामितता बरती जा रही है। पीसीसी ढलाई करने के दो दिन बाद ही सड़क फटने लगी है। इससे सड़क की गुणवत्ता पर सवाल खड़े हो रहे हैं। महज दो दिन में सड़क फटने से ग्रामीणों ने विरोध जताया। ग्रामीणों में खराब गुणवत्ता को लेकर रोष है। यह सड़क ग्रामीण विकास विभाग के डीएमएफटी फंड से करोड़ों रुपये से बन रही है।

**गिट्टी को प्लेन किए बिना पीसीसी कर दिया :** कुइडबुसू में बन रही पीसीसी सड़क निर्माण जीएसबी साइज गिट्टी डालने के बाद प्लेन करने के लिए रोलर नहीं चलाया गया। गिट्टी को बिना प्लेन किये ही अनियामित तरीके से सड़क को पीसीसी कर दिया गया।

**नहीं लगाया गया है सूचना बोर्ड :** कुइडबुसू में ढाई किलोमीटर पीसीसी सड़क का निर्माण करना है। सड़क निर्माण से संबंधित कार्य स्थल पर सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया है। सूचना बोर्ड लगाये बिना कार्य शुरू कर 70 फीसदी सड़क का निर्माण किया जा चुका है। वहीं सड़क निर्माण का ठेकेदार कौन है, कैसे बनेगा पता नहीं चल पाया है।

**अवैध बालू से हो रहा निर्माण:** कुइडबुसू में पीसीसी सड़क निर्माण कार्य चल रहा है। सड़क को पीसीसी करने के लिए नदी से अवैध बालू का खनन किया जा रहा है। जबकि इस समय देश में एनजीटी लागू है। नदी से बालू का उत्खनन करना गैरकानूनी है। इसके बावजूद नदी से बालू का खनन जारी है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह सड़क ग्रामीण विकास विभाग चाईबासा प्रमंडल द्वारा किया जा रहा है। सड़क का शिलान्यास सांसद व विधायक ने किया था।

### चाईबासा के मांगीलाल रुंगटा 10 +2 विद्यालय में संस्थापक की 142वीं जयंती सह वार्षिकोत्सव का किया गया आयोजन

# बच्चों में अपार संभावनाएं, इन्हें संवारने और उभारने की जरूरत : आयुक्त

**PHOTON NEWS CHAIBASA :** मांगीलाल रूंगटा 10 +2 विद्यालय चाईबासा के भव्य सुसज्जित प्रांगण में शुक्रवार को विद्यालय के संस्थापक मांगीलाल रुंगटा की 142वीं जयंती सह वार्षिकोत्सव के उपलक्ष में आयोजित समारोह का विधिवत उद्घाटन मुख्य अतिथि मनोज कुमार आयुक्त कोल्हान प्रमंडल, विशिष्ट अतिथि अनन्य मित्तल उपायुक्त पश्चिमी सिंहभूम , सम्मानित अतिथि निर्मला कुमारी बरेलिया,क्षेत्रीय शिक्षा संयुक्त निदेशक कोल्हान प्रमंडल तथा संस्थापक परिवार के सदस्य मुकुंद रुंगटा के द्वारा संयुक्त रूप

मांगीलाल रुंगटा की मूर्ति पर माल्यार्पण करते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

से संस्थापक के प्रतिमा पर माल्यार्पण, मशाल प्रज्वलन एवं दीप प्रज्वलन करके किया गया। तत्पश्चात आगत अतिथियों का अभिवादन स्वागत भाषण एवं वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए विद्यालय की प्रभारी प्राचार्या शिल्पा गुप्ता ने अपने उद्बोधन के क्रम में नवोदित प्रतिभा के प्रोत्साहन,अत्याधुनिक शिक्षा का स्वरूप तथा संरचना के साथ मानव समाज और संस्था निर्माण, उसके कुशल संचालन हेतु प्रगतिशील परिकल्पना प्रयोग और

रंगारंग कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करते कलाकार। ● फोटोन न्यूज

प्रक्रिया प्रावधान के प्रतिमानक को और बेहतर बनाने पर बल दिया।

आयुक्त ने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि बच्चों का प्रदर्शन साबित करता है कि इसमें अपार संभावनाएं है जिसको परिष्कृत एवं प्रकाशित करने की आवश्यकता है। हमारी वर्तमान पीढ़ी और शिक्षक समाज पूरी निष्ठा और उत्साह के साथ इनके संरक्षण और संवर्धन के प्रतिबद्ध रहें।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि अनन्य मित्तल ने प्रतिभागियों का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि इस तरह की प्रतिस्पर्धा आयोजन से बच्चों के मन में क्रीडा एवं कला के प्रति सम्मान बढ़ेगा जो उसके सर्वांगीण विकास में सहायक होगा। उन्होंने कहा कि बच्चों के ज्ञान वर्धन और उत्साहवर्धन सहभागिता से अत्यंत अभिभूत हुआ हूं।

संस्थापक परिवार के सदस्य मुकुंद रुंगटा ने अपने पिताजी तथा दादा जी के श्री चरणों में वंदन करते हुए विद्यालय परिवार की ओर से सभी बच्चों विजेताओं प्रतिभागियों को उनके उज्जवल भविष्य के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दिए। विद्यालय की छात्राओं द्वारा आकर्षक मंगलाचरण नृत्य तथा छात्रों द्वारा नशा मुक्ति अभियान तथा चंद्रयान-3 लॉन्चिंग तथा लैंडिंग से संबंधित थीम नृत्य प्रस्तुत किया गया जो अतिथियों को काफी पसंद आया। अंत में विभिन्न चरणों में क्रीड़ा प्रदर्शन के क्रम में सभी विजेताओं और उप विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। मंच संचालन लेखा सिंह और सुषमा जोजोवार ने किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं तथा रुंगटा परिवार के सदस्यों का योगदान अतुलनीय एवं सराहनीय रहा।

# महिला की कुल्हाड़ी से काट कर हत्या

## तीन बच्चों के साथ घर में सो रही थी, विरोध में लोगों ने किया सड़क जाम

**समस्तीपुर ।** मोहनपुर ओपी क्षेत्र के मोहनपुर जीएमआडी कॉलेज के पास तीन बच्चों के साथ घर में सो रही महिला की बदमाशों ने गुरुवार रात तेज धारदार हथियार(कुल्हाड़ी) से वार कर हत्या कर दी। महिला हरदास गांव के संजय राय की पत्नी रेखा देवी 34 वर्ष बताई गई है। बताया है कि रेखा का पति इन दिनों लुधियाना में मजदूरी करता है। यह मोहनपुर में बच्चों के साथ फूस का घर बना कर रहती थी। घटना की सूचना के बाद आक्रोशित लोगों ने शव के साथ पत्थरघाट चौक पर महनार-मोहिउद्दीनगर पथ को जाम कर दिया। जिससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई है। उधर मामले की जानकारी के बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर छानबीन में जुट गई है। घटना के संबंध में बताया गया है कि महिला का घर गंगा किनारे हरदास पुर है। लेकिन गंगा के कटाव के कारण उसके पति ने करीब 15 वर्ष पूर्व कालेज के पास जमीन खरीद कर रहने के लिए फूंस का मकान बनाया था। महिला के पति संजय पहले गंगा में नाव पर बालू छान कर बेचने का काम करता था। लेकिन इन दिनों काम बंद हो जाने के बाद लुधियाना में मजदूरी करता है।महिला दो बेटा व एक बेटी को लेकर कॉलेज के पास बने मकान में रहती थी। मृतक महिला का पुत्र गोलू ने बताया कि रात गांव के ही राजू राय का पुत्र राहुल राय उनके घर में गलत नीयत से घुस आया। उनकी मां व बच्चों के द्वारा इसका विरोध किया गया तो राहुल ने कुल्हाड़ी से उसकी मां के गर्दन पर वार कर मार डाला। और वहां से फरार हो गया। बाद में उसका पिता भी मौके पर पहुंचा और शव को उठाकर झाड़ी में फेंकने की कोशिश की। लेकिन बच्चों द्वारा चिल्लाने के बाद सभी फरार हो गए। जिसके बाद लोगों की भीड़ जुट गई। महिला को तत्काल पीएचसी लाया गया। जहां से उसे रेफर कर दिया गया लेकिन इसी दौरान उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी के बाद बड़ी संख्या में हरदासपुर दियारा से लोग जुट गए। लोगो ने घटना के विरोध में महिला का शव पत्थर घाट चौक पर रख दिया और बांस बल्ला लगा कर सड़क जाम शुरू कर दिया। जिससे राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा। मामले की जानकारी पर मोहनपुर ओपी की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस व अन्य लोगों के समझाने बुझाने के बाद सड़क जाम समाप्त हुआ। शव को पुलिस ने जब्त कर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा है। पटोरी के डीएसपी गौरव प्रसाद ने बताया कि बच्चों के साथ सो रही महिला के घर में राहुल गलत नीयत से घुसा था। जिसका महिला और बच्चों ने विरोध किया। जिस पर कुल्हाड़ी से उसके गर्दन पर वार किया। जिससे उसकी मौत हो गई। मृतक का पुत्र ने इसको लेकर एक बयान दिया है। इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। आरोपी अभी फरार है।

## स्कूल प्रबंधनों पर सख्ती नहीं

रांची। जेवीएम श्यामली स्कूल की बस का आपातकालीन गेट अचानक खुलने से एक बच्चे के सड़क पर गिरने की घटना से न तो स्कूल प्रबंधन चेत रहे हैं और न ही प्रशासन कार्रवाई कर रहा है। कई ऐसी स्कूल बसें हैं, जिनका परमिट फेल हो चुका है और फिटनेस सर्टिफिकेट भी नहीं है। लेकिन प्रशासन इसकी जांच न कर सिर्फ मालवाहक वाहनों को पकड़ने में लगा है। ऐसे में स्कूल प्रबंधन के साथ प्रशासन की भूमिका भी संदिग्ध है। स्थिति यह है कि तीन से छह माह के अंतराल पर दर्जनभर बसों की जांच कर प्रशासन अपनी भूमिका निभा लेता है, पर बच्चों की सुरक्षा में ठोस कदम नहीं उठाने वाले स्कूल प्रबंधन व बसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करता। आरटीओ ने दो माह पहले करीब 70 बसों का परमिट नहीं होने पर नोटिस जारी किया था। इसमें से अभी भी करीब 50 बसों की फिटनेस जांच नहीं हुई और न परमिट लिया गया। इसके बावजूद प्रशासन सिर्फ नोटिस-नोटिस खेल रहा है। डीएवी हेहल, बिशप वेस्टकॉट, संत जॉन हाई स्कूल, ग्रीन लैंड पब्लिक स्कूल, लिटिल फ्लावर स्कूल, आयुष एजुकेशन सर्विस सहित अन्य स्कूलों की बस का परमिट फेल है। इन संस्थानों को बार-बार नोटिस भेजा गया, लेकिन प्रबंधन और बस मालिक बसों का न तो फिटनेस जांच करा रहे हैं और न परमिट ले रहे हैं।

जल्द सभी बसों की होगी जांचः स्कूल बसों में बच्चों की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बहुत जल्द सभी बसों की जांच की जाएगी। बिना परमिट और फिटनेस के चल रही बसों को जब्त किया जाएगा। -प्रवीण प्रकाश, डीटीओ, रांची

# 5 सेकंड में मारी 3 गोलियां

**भोजपुर ।** हॉस्पिटल में एक युवक को बदमाश ने गोली मार दी। युवक पत्नी की डिलीवरी के बाद बच्चे को देखने के लिए हॉस्पिटल पहुंचा था। गुरुवार (31 अगस्त) शाम 7 बजे बदमाश हॉस्पिटल पहुंचा। युवक के सामने आकर कमर से पिस्टल निकाली और ताबड़तोड़ तीन बुलेट दाग दी। मुख्य आरोपी गौतम ने आरा सिविल कोर्ट में सरेंडर कर दिया है। 5 सेकंड में युवक ने घटना को अंजाम दिया। फिर फरार हो गया। मामला आरा शहर के टाउन थाना क्षेत्र के धरहरा स्थित विंध्यवासिनी हॉस्पिटल का है। युवक की हालत गंभीर है। उसका इलाज चल रहा है। बताया जा रहा है कि युवक ने दहशत फैलाने के लिए अस्पताल में फायरिंग की है। हॉस्पिटल संचालक का कहना है कि वो कई बार धमकी दे चुका था। घटना का सीसीटीवी वीडियो भी सामने आया है। इसमें दिख रहा है कि अपराधी फोन पर बात करते हुए वॉर्ड में आता है। इसके बाद वो बेड पर बैठे युवक पर एक के बाद एक तीन गोलियां चलाता है। वो कुछ समझ पाता इससे पहले अपराधी भाग निकलता है। घायल युवक पटना जिला के गौरीचक थाना क्षेत्र के बाली गांव निवासी पुत्र रंगनाथ चौहान (33) है। उसे तीन गोली लगी है। एक बाएं साइड सीने में, दूसरी गोली बाएं हाथ में तो तीसरी गोली दाहिने साइड कमर पर लगी है। फायरिंग के बाद परिजन रंगनाथ को इलाज के लिए आरा शहर के बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल ले गए। जहां, उसका इलाज कराया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही टाउन थानाध्यक्ष संजीव कुमार टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंच मामले की छानबीन में जुट गए है। वहीं, पुलिस ने घटनास्थल से दो खोखा बरामद किया है। घायल युवक की सास संतरा देवी ने बताया कि मैं बच्चे को लेकर मैं बैठी हुई थी। जैसे ही गोली का आवाज सुनी तो मैं बच्चे को छोड़कर बाहर आई। देखा तो दामाद को गोली लगी हुई थी। वो तड़प रहा था। बदमाश गोली मारने के बाद भाग रहा था। फायरिंग के दौरान नर्सिंग होम में हमारे अलावा कोई और मरीज नहीं था। घायल रंगनाथ चौहान ने बताया- उसका ससुराल टाउन थाना क्षेत्र के धनुपरा गांव में है। उसकी पत्नी की डिलीवरी होने वाली थी। जिसको लेकर वह अपने ससुराल आया था। 28 अगस्त (सोमवार) को धनुपरा स्थित विंध्यवासिनी हॉस्पिटल में पत्नी का डिलीवरी हुई। बेटे का जन्म हुआ। वह वहीं भर्ती थी। गुरुवार (31 अगस्त) की देर शाम वह अस्पताल में चौकी पर बैठा हुआ था। तभी एक हथियारबंद अपराधी हॉस्पिटल में घुसकर अंधाधुंध फायरिंग कर उसे तीन गोली मार दी। अपराधियों ने अस्पताल के अंदर घुसकर अंधाधुंध फायरिंग क्यों की? इसका कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। अस्पताल संचालक सीताराम यादव ने बताया- इब्राहिम नगर का रहने वाला एक कुख्यात अपराधी हमेशा उनके क्लीनिक में घुसकर धमकी देते रहता है। पूर्व में भी अस्पताल में फायरिंग कर चुका है। जिसकी सूचना पहले पुलिस को दे दी गई थी। पुलिस अपने स्तर से मामले की छानबीन कर रही है। वहीं, इलाज कर रहे सर्जन चिकित्सक डॉक्टर विकास सिंह ने बताया कि जख्मी युवक को तीन गोली लगी है। गोली लगने के कारण उसका खून काफी बह गया है। ऑपरेशन कर दो बुलेट निकाल दी गई है। हालांकि अभी मरीज की स्थिति उतनी ठीक नहीं है। उसे ऑब्जर्वेशन में रखा जाएगा। एसपी प्रमोद कुमार ने बताया कि गुरुवार की देर शाम रंगनाथ अपनी पत्नी और बच्चे को देखने के लिए धरहरा स्थित निजी क्लिनिक में गए थे। इसी दौरान एक हथियारबंद अपराधी ने क्लिनिक में घुसकर उसे तीन गोली मार दी और फरार हो गया। इस घटना के बाद एएसपी चंद्र प्रकाश के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया, जो लगातार छापेमारी कर रही थी।

## संक्षिप्त डायरी

### मुंबई की बैठक पर बिहार में सियासत तेज

**पटना।** I.N.D.I.A. गठबंधन की बैठक मुंबई में हो रही है। बिहार की भूमिका इसमें अहम इसलिए है कि बीजेपी विरोधी पार्टियों के जुटान के बाद पहली बैठक पटना में हुई थी और अब तीसरी बैठक बड़े स्तर पर मुंबई में हो रही है। बिहार की राजनीति के दो बड़े धुरंधर नेता लालू प्रसाद और नीतीश कुमार जो राष्ट्रीय राजनीति में भी अपनी धाक रखते हैं मुंबई की बैठक में भाग ले रहे हैं। इस बैठक को लेकर बिहार की राजनीति गर्म है। बीजेपी के प्रवक्ता अरविंद सिंह ने कहा है कि मुंबई में घमंडिया गठबंधन के लोगों का जुटान हुआ है। भ्रष्टाचारियों का कुनबा एकजुट हुए हैं। ये घपले-घोटाले वाले लोगों की जमात है। इन सबों में इतनी ताकत नहीं है कि पीएम नरेन्द्र मोदी का सामना कर सके। ये सारे लोग देश को तोड़ने और बांटने वाले लोग हैं। देश के विकास पुरुष से सहमे हुए लोग हैं और अपने घर-परिवार के कुनबे को बचाने में लगे हुए हैं। चुनाव सामने है इसलिए ये बरसाती मेढ़क की तरह दिख रहे हैं। पीएम मोदी प्रचंड बहुमत से 2024 में फिर से आएंगे। आरजेडी के प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा है कि इंडिया गठबंधन की बैठक का साइड इफेक्ट है कि बीजेपी घबराई हुई है और ससंद का विशेष सत्र बुलाया गया है। वन नेशन वन इलेक्शन की बात हो रही है। मनमानी करने का प्रयास हो रहा है। हिलटरशाही, तानाशाही नहीं चलेगी। मोदी सरकार की विदाई का खाका इंडिया गठबंधन ने तैयार कर लिया है। बीजेपी के लोग घबराए हुए हैं। बीजेपी को उन सवालों का जवाब देना चाहिए जिसे लेकर इंडिया गठबंधन सामने आई है। महंगाई, बेरोजगारी, मजदूरों का सवाल, संविधान और लोकतंत्र को बचाने का सवाल है। इंडिया जीतेगा, बीजेपी का सफाया होगा।

### नशेड़ी चाचा ने नाबालिग भतीजी से किया दुष्कर्मः खाना लेकर छत पर गई थी

**जमुई ।** एक चाचा ने अपनी ही नाबालिग भतीजी के साथ दुष्कर्म किया। भतीजी अपने चाचा के लिए खाना लेकर छत पर पहुंची थी। इसी दौरान नशे में धुत चाचा ने 11 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म किया। जब नाबालिग ने इसका विरोध किया तो चाचा ने उसके साथ मारपीट की। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गई नाबालिग की मां की शिकायत पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। मामला जिले के चकाई थाना क्षेत्र की है। नाबालिग के पिता की मौत 5 साल पहले गंभीर बीमारी से हुई थी। इसके बाद वह अपनी मां और चाचा सहित अन्य परिवार के साथ रहती है। नाबालिग की मां ने बताया कि बच्ची का चाचा नशे की हालत में उसकी बच्ची के साथ गंदा काम किया। जब नाबालिग ने चाचा के चंगुल से बचने की कोशिश की तो उसने बच्ची का मारना शुरू कर दिया। नाबालिग ने अपने चाचा की करतूत अपनी मां और रिश्तेदारों को दी। चाचा ने पहले इस मामले का आपस में सुलझाने का प्रयास किया गया, ताकि बदनामी से बचा जा सके, लेकिन लड़की की मां थाने में इसकी शिकायत दर्ज कराई। घटना के बाद पीड़िता अपनी मां के साथ शुक्रवार की सुबह चकाई थाना पहुंची और चाचा के खिलाफ FIR दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने नाबालिग का मेडिकल जांच कराया और कड़ी सुरक्षा के बीच उसे कोर्ट में पेश किया। वहां बच्ची का 164 के तहत बयान दर्ज किया गया। जिसके बाद पुलिस ने आरोपी चाचा को गिरफ्तार कर लिया। मुख्यालय डीएसपी अभषेक कुमार सिंह ने बताया कि नाबालिग ने अपने चाचा पर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है।

# सीतामढ़ी और बगहा में झमाझम बारिश

## दरभंगा में उफान पर कोसी और कमला, कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात

पटना। बिहार में 3 सितंबर के बाद फिर से मानसून के एक्टिव होने की संभावना है। सीतामढ़ी और बगहा में दोपहर 12 बजे बाद अचानक मौसम ने करवट ली और तेज बारिश हुई। इधर, नेपाल में हो रही बारिश से बिहार के सटे इलाकों में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। दरभंगा में कमला और कोसी नदी उफान पर है। कुशेश्वरस्थान और किरतपुर के कई गांवों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। दरभंगा के कुशेश्वर स्थान और किरतापुर इलाके में कोसी और कमला नदी का का पानी घुस गया है। दोनों नदियों का जलस्तर बढ़ा हुआ है। पानी गांवों में घुस चुका है। बड़ी संख्या में लोग सुरक्षित स्थानों की ओर जा रहे हैं। जुगाड़ की नाव से लोग अपनी जिंदगी को दांव पर रखकर सुरक्षित स्थान पर निकल रहे हैं। लोगों के मुताबिक प्रशासन की ओर से कोई व्यवस्था नहीं की गई है। वहीं, कुशेश्वरस्थान के बीडीओ किशोर कुमार ने कहा कि अंचलाधिकारी(सीओ) के माध्यम से बाढ़ प्रभावित इलाकों के लोगों के लिए व्यवस्था की जा रही है। तीन-चार पंचायतों में लोगों को समस्या अधिक है। उन्हें ज्यादा से ज्यादा मदद पहंचाने की कोशिश की जा रही है।

किसी भी आपदा से निपटने के लिए स्थानीय गोताखोर और एसडीआरएफ की टीम से लगातार संपर्क बनाए हुए हैं। लगातार बारिश नहीं होने के कारण बगहा में भी गर्मी से लोग परेशान हैं। गंडक के जलस्तर में लगातार गिरावट दर्ज की गई है। आज गंडक बैराज से 77 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज हुआ है। बिहार में सितंबर के महीने में भी सामान्य से कम बारिश की संभावना विभाग द्वारा जताई गई है। 31 अगस्त तक पूरे राज्य भर में सामान्य से 27% तक कम बारिश दर्ज की गई। मौसम विभाग ने 10 सितंबर तक का पूवार्नुमान जारी किया। जिसके अनुसार प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर बारिश होगी लेकिन यह मानक से कम रहेगी। वहीं, मौसम विभाग ने आज भी प्रदेश के सभी जिलों में मौसम शुष्क बने रहने की संभावना जताई है। हालांकि, 3 सितंबर के शाम से मौसम में थोड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। कई जिलों में हल्की बूंदाबांदी देखने को मिल सकती है। जिसके कारण से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिलेगी। मौसम विभाग के अनुसार सितंबर महीने के पहले हफ्ते में राज्य भर में अधिकतम तापमान 34 से 36 डिग्री सेल्सियस रहेगा। वही दूसरे हफ्ते में अधिकतम तापमान 36 डिग्री से लेकर 38 डिग्री के बीच रहने की संभावना जताई गई है।

पटना में आज मौसम पूरे दिन शुष्क बना रहेगा। इस दौरान उमस भरी गर्मी लोगों को परेशान करेगी। वही गुरुवार को भी सुबह से ही उमस भरी गर्मी ने लोगों को परेशान कर के रखा। पटना का अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पटना जिले में अब तक 42% ही बारिश हुई है। जिसके कारण से इसका असर खेती पर पड़ा है। पटना जिला कृषि पदाधिकारी विकास कुमार के अनुसार पटना जिले में 60 फीसदी किसान की खेती बारिश पर निर्भर है। वही 40 फीसदी किसानों के पास अपनी बोरिंग है। ऐसे में बारिश पर निर्भरता वाले किसानों के बीच समस्या होना लाजमी है। इस बार पटना जिले में धान रोपनी का पूरा लक्ष्य 1 लाख 30 हजार 740 हेक्टेयर था। इसमें 1 लाख 28 हजार 352 हेक्टेयर में रोपनी हो चुकी है। लक्ष्य का 98 फीसदी रोपनी हुई है। पटना जिले के खुसरूपुर, मसौढ़ी, मोकामा, दनियावां, बख्तियारपुर, बाढ़, पुनपुन, संपतचक में लगभग 100 फीसदी रोपनी हो चुकी है।

# आज की आवश्यकता सब्जी बगीचा

अच्छे स्वास्थ्य के लिए दैनिक आहार में संतुलित पोषण का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। फल एवं सब्जियाँ इसी संतुलन को बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते है क्योंकि ये विटामिन, खनिज लवण तथा कार्बोज के अच्छे स्रोत होते हैं। फिर भी ये जरुरी हैं कि इन फल एवं सब्जियों की नियमित उपलब्धता बनी रहे. इसके लिए घर के पिछवाडें मे पडी जमीन पर खेती करना बहुत ही लाभदायक उपाय हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग–सब्जियों का सेवन करना चाहिए। परन्तु हमारे देश में साग–सब्जियों का वर्त्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है।

## सब्जी बगीचा

- उपलब्ध स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते हैं।
- एकत्रित अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी।
- सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी।
- सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी।

अतः यह एक सुरक्षित पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगी।



## सब्जी बगीचा के लिए स्थल

सब्जी बगीचा के लिए स्थल घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योद्घक परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर घुमाया जा सकता है। सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संखया पर निर्भर करता है। चार या पाँच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

## पौधा लगाने के लिए खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंमी की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 कि.ग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंमी या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएँ।

## सब्जी बीज की बुआई और पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे -भिंडी, पालक एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है।प्रतिरोपित फसल, जैसे - टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या टूटे मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढ़ककर उसके ऊपर 2सब्जी बगीचा का मुखय उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्ष भर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाया जाना चाहिए जिससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी,पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

50 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर,गोभी, बैगन, मिर्ची के लिए 25-30 दिनों की बुआई के बाद तथा प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है।टमाटर, बैंगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर रोपाई की जाती है। रोपण के बाद पौधों की सिंचाई की जाती है।

## फसल चक्र

वर्षा, शरद और ग्रीष्म की फसलें तालिका में बतलाए अनुसार लेना चाहिए -

### वर्ष भर उगाने के लिए फसल चक्र

| खरीफ | रबी | जायद | खरीफ | रबी | जायद |
|---|---|---|---|---|---|
| पालक | मिर्च | ककडी | बैंगन | मूली | भण्डी |
| तरोई | लहसून | छप्पन कद्दू | लोबिया | आलू | कद्दू |
| टमाटर | मैथी | तरबूज | मूली | प्याज | धनिया |
| टिण्डा | मटर | टमाटर | प्याज | पालक | करेला |
| भिण्डी | पत्तागोभी | करेला | भिण्डी | मूली | तरोई |
| लौकी | आलू | खरबूज | धनिया | फूलगोभी | लौकी |
| फूलगोभी | धनिया | प्याज | पुदीना | पुदीना | पुदीना |
| मिर्च | बाकला | टिण्डा | केला | केला | केला |
| ग्वार | बैंगन | बैंगन | नींबू | नींबू | नींबू |
| मिर्च | गाजर | पालक | पपीता | पपीता | पपीता |

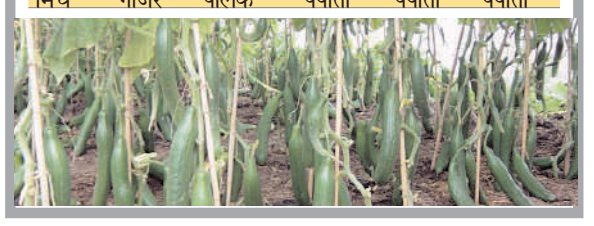

# उत्तर भारत में खरीफ मौसम में प्याज की खेती

उत्तरी भारत में प्याज रबी की फसल है यहां प्याज का भंडारण अक्टूबर माह के बाद तक करना सम्भव नही है क्योकि कंद अंकुरित हो जाते हैं।

इस अवधि(अक्टूबर से अप्रैल) में उत्तर भारत में प्याज की उपलब्ध्ता कम होने तथा परिवहन खर्चे के कारण दाम बढ जाते हैं। इसके समाधान के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने उत्तर भारत के मैदानो में खरीफ में भी प्याज की खेती के लिए एन-53(ह्-53) तथा एग्रीफाउंड डार्क रैड नामक प्याज की किस्मों का विकास किया है।

**प्याज की किस्म** - एन-53(आई.ए.आर.आई.); एग्रीफाउंड डार्क रैड (एन.एच.आर.डी.एफ.)

**बीज बुआई समय** - मई अंत से जून

**रोपाई का समय** - मध्य अगस्त

**कटाई** - दिसम्बर से जनवरी

**पैदावार** - 150 से 200 क्विंटल/हैक्टेयर

# अरहर में रोग प्रबंधन

अरहर खरीफ की मुख्य दलहनी फसल है। दलहनी फसलों में चना के बाद अरहर का स्थान है। अरहर अंतर फसल एवं बीच के फसल के रूप में उगाई जाती है, अरहर ज्वार, बाजरा, उर्द एवं कपास के साथ बोई जाती है।अन्य फलों की तरह अरहर में भी रोग का प्रकोप होता है जिनमें से कुछ रोगों के संक्षिप्त विवरण एवं प्रबंधन नीचे दर्शाया गया है।

**उकठा रोग (विल्ट)**

यह रोग फ्यूजेरियम नामक कवक से होता है। इस रोग में पौधा पीला पड़कर सुख जाता है। फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में एवं बारिश के बाद इस रोग का प्रकोप अधिक होता है। रोग ग्रसित पौधों की जडें सड़कर गहरे रंग की हो जाती हैं तथा छाल हटाने पर जड़ से लेकर तने तक काले रंग की धारियां पाई जाती हैं। एक ही खेत में कई वर्षों तक अरहर की फसल लेने पर इस रोग की उग्रता बढती है।

उकठा रोग (विल्ट)

**प्रबंधन –**

- जिस खेत में रोग का प्रकोप अधिक हो वहां 3-4 साल तक अरहर की फसल न लें।
- खेतों की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें।
- ज्वार के साथ अरहर की फसल लेने से रोग की तीव्रता में कमी की जा सकती है।
- कवक नाशी जैसे बेनोमील 50त्न + थायरम 50त्न के मिश्रण का तीन ग्राम प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करें।
- ट्राइकोडर्मा 4 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करके बोएं।
- रोग रोधी किस्में आशा, राजीव लोचन, सी -11 आदि का उपयोग बुआई हेतु करें।

**अरहर का बाँझ रोग –**

यह रोग विषाणु जनित है जिसका वाहक एरियोफिड माईट है जो की एक प्रकार का सूक्ष्म जीव है। इस रोग की अधिकता के कारण 75% तक उत्पादन में कमी देखी गयी है। रोग से ग्रसित पौधे पीलापन लिए हुए झाड़ीनुमा हो जाते हैं। पत्तियों के आकार में कमी, शाखाओं की संख्या में वृद्धि तथा पौधों में आंशिक या पूर्ण रूप से फूलों का नहीं आना इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं। फूल नहीं आने से फल नहीं लगते इसलिए इस रोग को बाँझ रोग कहते हैं। फसल पकने की अवस्था में रोगी पौधे लम्बे समय तक हरे दिखाई देते हैं जबकि स्वस्थ पौधे परिपक्व होकर सूखने लगते हैं।

**अरहर का बाँझ रोग –**

**प्रबंधन-**

- जिस खेत में अरहर लगाना हो उसके आसपास अरहर के पुराने एवं स्वयं उगे हुए पौधे नष्ट कर देना चाहिए।
- खेत में जैसे ही रोगी पौधे दिखे उनको उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए।
- फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- रोग रोधी प्रजातियाँ जैसे– पूसा-9, आई.सी.पी.एल.-87119, राजीव लोचन, एम.ए.-3, 6, शरद आदि का चयन करना चाहिए।
- फयूराडान 3 जी., की 3 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करना चाहिए एवं फसल की प्रारंभिक अवस्था में कैल्थेन (1 मिली./ली. पानी) का छिडकाव रोगवाहक माईट के रोकथाम में प्रभावी होता है।

**तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)-**

यह रोह कवक के द्वारा होता है। इसका प्रकोप। दिन से लेकर एक माह के पौधों में दिखाई देता है। शीघ्र पकने वाली किस्मों में इस रोग का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक होता है। प्रभावित पौधों की पत्तियों पर पनीले धब्बे बन जाते हैं एवं एक सप्ताह के भीतर पूरी पत्तियां जलकर नष्ट हो जाते हैं। साथ ही तने एवं शाखाओं पर धब्बे गोलाई में बढ़कर उतने भाग को सुखा देते हैं, जिससे तना एवं शाखाएं टूट जाती हैं। इस रोग का प्रकोप कम उम्र के पौधों में अपेक्षाकृत अधिक होता है। अनुचित जल निकास वाले क्षेत्रों में भी इस बीमारी का प्रभाव अधिक होता है।

**तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)-**

**प्रबंधन -**

- बीजों को बुवाई से पूर्व रिडोमिल नामक कवकनाशी की 2 ग्रा. मात्रा प्रति किग्रा.बीज की से उपचारित करें।
- खेतों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- जहाँ इस रोग का प्रकोप अधिक होता है वहां 3-4 वर्ष तक अरहर की फसल नहीं लेनी चाहिए।
- रोग की प्रारभिक अवस्था में ताम्रयुक्त कवकनाशी जैसे फायटोलान 50त्न की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से या रिडोमिल एम.जेड. 1.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से 10-12 दिन के अन्तराल में छिडकाव करना चाहिए।
- रोगरोधी किस्में जैसे – पूसा-9, एन.ए.-1, एम.ए.-6, बहार, शरद, अमर आदि का चुनाव करना चाहिए।

## नीरज डायमंड लीग में दूसरे स्थान पर रहे, रजत ही मिल पाया

### लंबी कूद में मुरली को पांचवां स्थान

**ज्यूरिख ।** भारत के विश्व चैंपियन भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा यहां शुरु हुई डायमंड लीग मीट में उम्मीद के अनसार प्रदर्शन नहीं कर पाये और दूसरे स्थान पर रहे, इस प्रकार उन्हें रजत ही मिल पाया। वहीं चेक गणराज्य के जैकब वाडलेज्च 85.86 मीटर भाला फेंककर पहले स्थान पर रहे और उन्हें स्वर्ण मिला। नीरज पहले पहले प्रयास में 80.79 मीटर फेंका जबकि अपने अगले दो प्रयासों में कोई अंक हासिल नहीं कर पाये। इसके बाद वह अपने चौथे प्रयास में 85.22 मीटर ही भाला फेंक सके। उन्होंने अपने अंतिम प्रयास में 85.71 मीटर भाला फेंका, जिसने वह दूसरे स्थान पर रहे। नीरज पहले स्थान पर रहे वाडलेज्च के थ्रो से केवल 15 सेंटीमीटर कम रहने के कारण पहला स्थान हासिल नहीं कर पाये। चार डायमंड लीग स्पर्धाओं के बाद, चोपड़ा कुल 23 अंकों के साथ ही तीसरे स्थान पर रहे। वहीं विश्व चैंपियनशिप में कांस्य विजेता वादलेच ने 85.86 मीटर भाला फेंककर पहला स्थान हासिल किया। दूसरी ओर लंबी कूद में भारत के ही मुरली श्रीशंकर को पांचवां स्थान मिला। मुरली ने अपने सर्वश्रेष्ठ प्रयास में 7.99 मीटर छलांग लगाकर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है।

# भारतीय पुरुष हॉकी टीम की जापान पर 35-1 से बड़ी जीत

## मनिंदर ने किये दस गोल

**सलालाह ।**

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एशियाई हॉकी 5एस विश्व कप क्वालीफायर में जापान को 35-1 से हराया। इस मुकाबले में भारत की ओर से मनिंदर सिंह ने सबसे अधिक 10 गोल गोल जबकि मोहम्मद रहील ने सात गोल किये। पवन राजभर और गुरजोत सिंह ने पांच-पांच, सुखविंदर ने चार, मंदीप मोर ने तीन और जुगराज सिंह ने एक गोल किया। वहीं जापान की ओर से एकमात्र गोल मसाताका कोबोरी ने किया। इस मैच में जीत के साथ ही भारतीय टीम पांच मैचों में चार जीत के साथ ही 12 अंक हासिल करते हुए क्वालीफायर के एलीट ग्रुप में नंबर एक पर पहुंच गयी है। वहीं पाकिस्तान टीम 12 अंक लेकर दूसरे नंबर पर है। तीसरे स्थान पर रही मलेशिया 43 गोल के नौ अंक हैं पर अगर वह अपना अंतिम मुकाबला जीत भी जाती है तो भी उसे सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए भारत के 73 गोल को पीछे छोड़ना होगा जो उसके लिए संभव नहीं है। इससे पहले भारत ने दिन के अपने पहले मुकाबले में मलेशिया को 7-5 से हराया था।

# एशिया कप में आज होगा भारत-पाकिस्तान महामुकाबला

## दोपहर तीन बजे से होगा मैच

**पालेकल ।**

एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में शनिवार को भारत और पाकिस्तान का अहम मुकाबला होगा। इस मैच पर दुनिया भर के प्रशंसकों की नजरें लगी रहेंगी। इस मुकाबले में भारतीय टीम के बल्लेबाजों और पाक गेंदबाजों के बीच सभी को कड़े संघर्ष की उम्मीद है। भारतीय टीम अपनी मजबूत बल्लेबाजी जबकि पाक टीम अपनी आक्रामक गेंदबाजी के लिए जानी जाती है। आगामी विश्वकप को देखते हुए ये मुकाबला और भी अहम हो जाता है क्योंकि इससे दोनो ही टीमों को अपनी तैयारियों का पता चल जाएगा। इस मुकाबले में रोहित शर्मा और विराट कोहली का सामना पाक के शाइन आफरीदी और हारिस रऊफ जैसे तेज गेंदबाजों से होगा। ऐसे में यहां की उछाल भरी पिच पर भारतीय बल्लेबाजों के कौशल की असली परीक्षा हो होगी। एशिया कप इस बार 50 ओवरों के प्रारूप में हो रहा है जिससे इसमें खेल रही टीमों को एकदिवसीय विश्वकप के लिए अपनी तैयारियों को आंकने का भी अवसर मिल जाएगा। आयोजकों और क्रिकेटप्रेमियों के लिये भारत और पाक के मुकाबले का विशेष आकर्षण रहता है। इस मैच से जहां आयोजकों को भारी राजस्व मिलता है, वहीं प्रशंसकों को रोमांचक खेल भी देखने को मिलता है। इस मैच में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भी अपनी टीमों के चहेते बन जाते हैं। इस मैच में भारतीय टीम की बल्लेबाजी कप्तान रोहित के अलावा विराट कोहली और शुभमन गिल पर आधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान वापसी कर रहे जसपीत बुमराह के पास रहेगी।

भारतीय प्रशंसक उम्मीद करेंगे कि इस मैच में विराट, रोहित और शुभमन गिल पाक गेंदबाजों रऊफ, शाहीन और नसीम शाह पर जमकर रन बनाये। वहीं पाक प्रशंसक चाहेंगे कि शाहीन और रऊफ जैसे गेंदबाज तूफानी गेंदबाजी करें। दोनों टीमों अपने मध्यक्रम को लेकर अभी भी संशय में हैं। भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज लोकेश राहुल इस मैच में नहीं खेलेंगे, ऐसे में उनकी जगह ईशान किशन को विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर जगह मिलना तय है। माना जा रहा है कि ईशान मध्यम्र में खेलेंगे क्योंकि प्रबंधन शीर्ष क्रम में शायद ही बदलाव करे। ईशान को राहुल की जगह चौथे या पांचवे नंबर पर उतारा जा सकता है। दूसरी ओर पाक टीम भी अपने मध्यक्रम के कमजोर होने से परेशान है। उसके पास एकदिवसीय में इस क्रम के लिए अनुभवी खिलाड़ियों की कमी है। विश्व कप 2019 के बाद से पाकिस्तान ने केवल 29 एकदिवसीय खेले है जबकि भारत ने 57 मैच खेले हैं। पाकिस्तान ने 29 में से 12 मैच इसी साल खेले। उसके शीर्ष तीन बल्लेबाजों बाबर आजम, फखर जमां रन और इमामुल हक का बल्ला ही जमकर चला है। विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान भी एकदिवसीय प्रारुप में अधिक रन नहीं बना पाये हैं जबकि टी20 में उनके नाम काफी रन हैं। उसामा मीर, सऊद शकील और आगा सलमान भी अब तक अधिक रन नहीं बना पाये हैं। ऐसे में सातवें नंबर के बल्लेबाज इफ्तिखार अहमद और आठवें नंबर के शादाब खान पर ही रनों की गति बढ़ाने की जिम्मेदारी आती है। इन दोनो ने ही निचले क्रम पर रन बनाये हैं। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो जसप्रीत बुमराह की वापसी से भारतीय आक्रमण पहले से बेहतर हुआ है। युवा प्रसिद्ध कृष्णा के आने से भी टीम को एक विकल्प मिला है। इन दोनों ने वापसी करते हुए आयरलैंड के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की थी पर देखना होगा कि उसी प्रभाव को ये दोनो एकदिवसीय प्ररुप में दिखा पाते हैं या नहीं। इसके अलावा भारतीय टीम के पास अनुभवी मोहम्मद शमी और सिराज भी हैं। भारतीय टीम के पास स्पिन ऑलराउंडर के तौर पर रविंद्र जडेजा का चयन तय है क्योंकि वह एक अच्छे बल्लेबाज हैं और सातवें नंबर पर भी बड़ी पारी खेल सकते हैं। दूसरे स्पिनर के लिए कुलदीप यादव और अक्षर पटेल में से किसी एक को जगह मिलेगी। कुलदीप ने काफी विकेट लिए हैं ऐसे में उनकी दावेदारी अक्षर से ज्यादा मजबूत है। ऑलराउंडर पंड्या को भी इस मैच में अच्छी गेंदबाजी और बल्लेबाजी करनी होगी। इसबार मौसम विभाग ने शनिवार को बारिश का पूर्वानुमान जताया है जिससे दोनों टीमों के प्रशंसकों की उम्मीदों पर पानी भी फिर सकता है क्योंकि इस मैच के लिए कोई अतिरिक्त दिन नहीं रखा गया है। इसलिए प्रशंसक दुआ करेंगें कि मौमस ठीक रहे।

## एशिया कप : भारतीय टीम को जीत के लिए पाक की कमजोरियों पर करना होगा प्रहार

**कैंडी।**

एशिया कप में शनिवार को भारत और पाकिस्तान क्रिकेट टीम के बीच अहम मुकाबला होगा। इस मुकाबले में जीत के लिए दोनो ही टीमें पूरी ताकत लगा देंगी। ये मुकाबला कैंडी के पल्लेकेले अंतरराष्ट्री क्रिकेट स्टेडियम में होगा। ग्रुप ए का ये मुकाबला भारतीय टीम के लिए बेहद अहम है क्योंकि अपने पहले ही मैच में नेपाल के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज कर पाक शीर्ष पर पहुंच गया है। इस मुकाबले में भारतीय टीम को जीत दर्ज करनी है तो उसे कप्तान बाबर आजम और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान पर अंकुश लगाना होगा। इसके अलावा तेज गेंदबाज शाइन अफरीदी से भी सावधान रहना होगा। इसके साथ ही पाक टीम की कमजोरियों पर प्रहार करना होगा।

पाक टीम में मोहम्मद नवाज 5वें गेंदबाज के तौर पर रहते हैं। पिछले साल टी20 विश्वकप में उनके कारण ही पाक के हाथ से मैच फिसल गया था। ऐसे में भारतीय बल्लेबाजों के पास नवात को निशाना बनाने का अवसर है। पाक के पास छठे गेंदबाज के रूप में इफ्तिखार अहमद का विकल्प है। इस प्रकार अगर टीम इंडिया पांचवें गेंदबाज पर आक्रमण करती है तो पाकिस्तान के लिए मुश्किल खड़ी हो जाएगी। पाक टीम का मध्यक्रम कमजोर है जिसका भारतीय गेंदबाजों को लाभ उठाना होगा। इफितखार अहमद ने नेपाल के खिलाफ तेजी से शतक लगाया था पर अच्छी गेंदबाजी के सामने पाक का मध्यक्रम लड़खड़ा जाता है। अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में शुरुआती विकेट गिरने के बाद उसके बल्लेबाजों के लिए रन बनाना कठिन हो गया था। रिजवान भी एकदिवसीय में अब तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं। ऐसे में भारतीय टीम अगर शुरुआती विकेट निकाल लेती है तो पाक पर दबाव बना सकती है। पाक टीम का इतिहास रहा है कि वह दबाव में बिखर जाती है। ऐसे में उसके फील्डर और ज्यादा गलतियां करते हैं जिसका लाभ भी विरोधी टीम को मिलता है।

## भारत-पाकिस्तान मुकाबले पर पानी फेर सकती है बारिश

**कैंडी ।**

एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में शनिवार को भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले अहम मुकाबले पर सभी की नजरें लगी हैं। दुनिया भर के प्रशंसक इस मैच का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे जो अब पूरा होने जा रहा है। इस मुकाबले से पहले मौसम विभाग की एक रिपोर्ट से प्रशंसकों की धड़कने बढ़ गयी हैं। इसमें कहा गया है कि शनिवार को बारिश हो सकती है। अगर ऐसा हुआ तो प्रशंसकों की उम्मीदों पर पानी फिर सकता है क्योंकि इस मैच के लिए कोई अतिरिक्त दिन नहीं रखा गया है। रिपोर्ट्स की मानें तो इस मुकाबले पर बारिश का बड़ा खतरा मंडरा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार कैंडी में भारत और पाक मैच के दौरान बारिश की संभावना काफी ज्यादा है। अनुमान है कि मैच शुरु होने से पहले ही बारिश हो सकती है। इससे टॉस और उसके बाद मैच में देरी हो सकती है। शनिवार शाम 5.30 बजे तक बारिश की संभावना 60 फीसदी तक है। मौसम विभाग के अनुसार अगले कुछ दिनों तक देश के कई राज्यों में बारिश हो सकती है जिसमें कैंडी मध्य में आता है और यहां शुक्रवार और शनिवार दोनो ही दिन बारिश की संभावना है। पाकिस्तान ने ग्रुप 1 में नेपाल के खिलाफ अपना पहला मैच बुधवार को 238 रनों से जीता है। ऐसे में अगर शनिवार को भारत के खिलाफ उनका खेल बारिश के कारण नहीं हो पाता है, तो भी पाक टीम सुपर 4 चरण में पहुंच जाएगी जबकि इसके लिए भारतीय टीम को अपने अगले मैच में नेपाल को हराना होगा।

# प्रधानमंत्री से मिले प्रज्ञानंद

**नई दिल्ली ।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिडे शतरंज विश्व कप में दूसरे स्थान पर रहे युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद की प्रशंसा करते हुए कहा कि हमें आप पर गर्व है। इससे पहले आज 18 वर्षीय प्रज्ञानंद अपनी परिजनों के साथ प्रधानमंत्री से मिलने उनके आवास पर पहुंचे थे। प्रधानमंत्री से मुलाकात से उत्साहित प्रज्ञानंद ने प्रधानमंत्री के साथ अपनी तस्वीरें साझा करते हुए लिखा, ''माननीय प्रधानमंत्री मोदी से उनके आवास पर मिलना एक बड़े सम्मान की बात थी। इस दौरान उन्होंने मुझे और मेरे माता-पिता का जिस प्रकार मनोबल बढ़ाया उसके लिए हम उनके आभारी हैं। तमिलनाडु के प्रज्ञानंद फिडे विश्व कप 2023 के फाइनल में पहुंचने वाले सबसे युवा खिलाड़ी हैं, हालांकि खिताबी मुकाबले में उन्हें नॉर्वे के दिग्गज खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा था। मोदी ने प्रज्ञानंद की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, ''आज सात, लोक कल्याण मार्ग पर बेहद ही खास मेहमान आए। आपसे और आपके परिवार से मिलकर खुशी हुई, प्रज्ञानंद। आप जुनून और दृढ़ता का चरितार्थ हैं। आप इस चीज की मिसाल हैं कि भारत का युवा हर मैदान जीत सकता है। हमें आप पर गर्व है! गौरतलब है कि प्रज्ञानंद विश्वनाथन आनंद के बाद विश्व कप फाइनल तक पहुंचने वाले दूसरे भारतीय हैं। इसके साथ ही उन्होंने फिडे के कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिये भी क्वालीफाई कर लिया है। वह बॉबी फिशर और कार्लसन के बाद कैंडिडेट्स में पहुंचने वाले तीसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं।

## संक्षिप्त समाचार

## वायकॉम18 ने खरीदे बीसीसीआई के टीवी और डिजिटल प्रसारण अधिकार

### ई-नीलामी में सोनी स्पोर्ट्स और डिज्नी स्टार को पछाड़

**मुम्बई ।** मुकेश अंबानी के समयह की वायकॉम18 मीडिया प्राइवेट लिमिटेड ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के टीवी और डिजिटल मीडिया प्रसारण अधिकार खरीदे हैं। वायकॉम18 ने अगले पांच सालों के लिए 5,963 करोड़ रुपए में बीसीसीआई से ये अधिकार लिए हैं। बीसीसीआई की ई-नीलामी में वायकॉम18 ने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क और डिज्नी स्टार को हराकर ये अधिकार हासिल किये। इस करार में 88 अंतर्राष्ट्रीय मैच आते हैं। वायकॉम18 अब बीसीसीआई को प्रति मैच 67.75 करोड़ रुपए का भुगतान करेगा। ये 2018-23 चक्र में डिज्नी स्टार द्वारा भुगतान किए गए 60 करोड़ रुपए से 12.91 फीसदी ज्यादा है। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने पिछले साल भी आईपीएल मीडिया अधिकारों की ई-नीलामी करायी थी। वहीं साल 2018 में बीसीसीआई मीडिया अधिकारों के लिए ऑफलाइन नीलामी हुई थी। ई-नीलामी में मीडिया अधिकार दो पैकेज में बिके। इनमें पैकेज-ए, टीवी के लिए है, जबकि पैकेज-बी डिजिटल और वर्ल्ड ब्रॉडकास्टिंग राइट्स के लिए था। प्रसारण अधिकार सितंबर 2023 से शुरू होकर मार्च 2028 तक रहेंगे। इस दौरान लगभग 88 इंटरनेशनल मैच होंगे। इस दौरान भारतीय टीम 88 मैच खेलेगी। इनमें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 21 और इंग्लैंड के खिलाफ 18 मैच होंगे। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने सोशम मीडिया पर वायकॉम 18 को अगले पांच सालों के लिए बीसीसीआई के टीवी और डिजिटल प्रसारण अधिकार खरीदने के लिए बधाई दी है।

## विराट से निपटने विशेष रणनीति बनायी : शादाब

**पालेकल ।** पाकिस्तान के ऑलराउंडर शादाब खान ने एशिया कप में भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से निपटने के लिए विशेष रणनीति बनायी है। शादाब ने कहा कि विराट कोहली शीर्ष स्तर के खिलाड़ी हैं और ऐसे खिलाड़ियों से निपटने के लिए किस प्रकार की गेंदबाजी करनी है ये वह जानते हैं। एशिया कप में भारत और पाकिस्तान के बीच शनिवार को मुकाबला होगा। इसमें पाक गेंदबाजों के निशाने पर विराट रहेंगे। इसका कारण है कि कोहली का रिकार्ड पाक के खिलाफ काफी अच्छा रहा है। पाक गेंदबाजों का लक्ष्य विराट पर अंकुश लगाकर भारतीय टीम पर दबाव बनाना रहेगा। शादाब ने कहा कि कोहली निश्चित तौर पर विश्वस्तरीय खिलाड़ी है। आपको उनका सामना करने के लिए विशेष रणनीति बनानी होगी। कोहली ने पिछले साल मेलबर्न में आईसीसी टी20 विश्व कप के दौरान पाक के खिलाफ 53 गेंदों पर नाबाद 82 रन बनाये थे जिससे ये मुकाबला भारतीय टीम ने जीता था। शादाब ने उस पारी को याद करते हुए कहा कि विराट जिस तरह के बल्लेबाज हैं और उन्होंने हमारे खिलाफ जिस तरह का प्रदर्शन किया है। मुझे नहीं लगता कि दुनिया का कोई भी अन्य बल्लेबाज उस तरह के हलातों में हमारे मजबूत गेंदबाजी आक्रमण का सामना कर पाता। विराट की विशेषता ये है कि वह टूर्नामेंट के किसी भी चरण में धमाकेदार पारी खेलने में सक्षम हैं।

## विराट से हुई पहली मुलाकात को याद कर बोले आजम, उनकी सलाह से फायदा हुआ

**कैंडी ।** पाकिस्तान क्रिकेट टीम के कप्तान बाबर आजम ने एशिया कप में दोनो ही टीम के बीच होने वाले मुकाबले से पहले भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली से हुई अपनी पहली मुलाकात को याद किया है। इस दौरान बाबर ने कहा कि उन्हें विराट की सलाह से लाभ हुआ। बाबर और कोहली की पहली मुलाकात साल 2019 विश्व कप में हुई थी। तब पाकिस्तान के एक गेंदबाज ने बाबर की मुलाकात विराट से करायी थी। इस दौरान पाक कप्तान ने उनसे बल्लेबाजी को लेकर टिप्स मांगे थे। गत वर्ष कोहली ने कहा था कि मैनचेस्टर में जब हम मिले थे तो मैंने पाया कि बाबर के मन में मेरे लिए बहुत सम्मान और आदर था। कोहली ने आगे कहा कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में बाबर के अविश्वसनीय प्रदर्शन का अनुसरण कर रहे हैं और उन्हें सभी प्रारूपों में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक मानते हैं। वहीं आजम ने कहा कि विराट जैसे महान खिलाड़ी से प्रशंसा के ऐसे शब्द सुनकर उनका मनोबल बढ़ता है। आजम ने कहा कि जब कोई आपके बारे में बहुत ज्यादा बोलता है तो बहुत अच्छा लगता है। मेरे बारे में विराट की टिप्पणी से मुझे गर्व महसूस होता है। मैंने उनसे 2019 विश्व कप के दौरान संपर्क किया था। वह तब अपने करियर के शीर्ष पर थे। उस समय, मुझे उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। बाबर ने कहा, मैंने उनसे बहुत सारे सवाल पूछे जो उस समय मेरे खेल के लिए आवश्यक थे। उन्होंने मुझे बहुत अच्छी तरह से समझाने का प्रयास किया। इससे मुझे बहुत सहायता मिली। यह बहुत अच्छा लगता है।

## ट्रांसजेंडर डेनियेले कनाडा की महिला क्रिकेट टीम में शामिल

**ओटावा ।** डेनियेले मैकगाहे को कनाडा की टीम में शामिल किया गया है। कनाडा की टीम अगले माह बांग्लादेश के खिलाफ टी20 विश्व कप 2024 के क्वालीफायर के लिए उतरेंगी। ऐसे में इस मुकाबले में उतरते ही मैकगाह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने वाली पहली ट्रांसजेंडर क्रिकेटर बन जाएंगी। 29 वर्ष की मैकगाहे पुरूष से महिला ट्रांसजेंडर खिलाड़ियों के लिए बनी आईसीसी की पात्रता के मानदंडों में सफल रही हैं। ये क्वालीफाइंग टूर्नामेंट लॉस एंजिलिस में चार से 11 सितंबर तक होगा। मैकगाहे ने अपने चयन पर खुशी जताते हुए कहा कि वह गर्व का अनुभव कर रही हैं। साथ ही कहा कि ट्रांसजेंडर समुदाय का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिये किसी सपने के सच होने के समान है। मैकगाहे फरवरी 2020 में ऑस्ट्रेलिया से कनाडा आई और नवंबर 2020 में पुरूष से महिला बनी। उन्होंने मेडिकल बदलाव मई 2021 से शुरू किया। आईसीसी ने इसको लेकर कहा कि डेनियेले ने आईसीसी की सभी शर्तों को पूरा किया है और वह अंतरराष्ट्रीय महिला क्रिकेट खेलने के योग्य है। वहीं मैकगाहे ने कहा कि अपने टेस्टोस्टेरोन का स्तर पता करने के लिए मैंने पिछले 2 साल में हर महीने खून की जांच कराई है।

## एशिया कप के ग्रुप-ए में पाक, बी में श्रीलंका शीर्ष पर पहुंचा

**मुम्बई ।** एशिया कप में अब तक संयुक्त मेजबान पाकिस्तान और श्रीलंका ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर ग्रुप-ए और बी में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। पाक ने जहां अपने पहले ही मुकाबले में नेपाल को बड़े अंतर से हराया। वहीं श्रीलंका ने भी बांग्लादेश के खिलाफ जीत हासिल की। इस टूर्नामेंट में ग्रुप स्तर के दौरान हर ग्रुप की शीर्ष-2 टीमों को सुपर-4 में प्रवेश मिलेगा। यहां राउंड रॉबिन के आधार पर हर टीम को अन्य तीन टीमों के खिलाफ 1-1 मैच खेलने का अवसर मिलेगा। इस दौरान सुपर-4 की प्वाइंट्स टेबल की टॉप-2 टीम फाइनल में प्रवेश करेगी। एशिया कप 2023 का खिताबी मुकाबला 17 सितंबर को कोलंबो में होगा। ग्रुप-ए में भारत के अलावा पाकिस्तान और नेपाल की टीमें हैं। पहले मैच में पाक को नेपाल पर जीत के साथ ही दो 2 अंक मिलने के साथ ही नेट रन रेट में भी अच्छा लाभ हुआ। पाक का नेट रन रेट अभी 4.760 है। ऐसे में अगला मुकाबला बारिश के कारण नहीं हो पाया तो भी टीम आसानी से सुपर-4 में पहुंच जाएगी। वहीं बात ग्रुप-बी में श्रीलंका ने बांग्लादेश पर पांच विकेट से जीत हासिल की है। इससे श्रीलंकाई टीम का नेट रन रेट 0.951 का नेट हो गया है। ऐसे में उसके सुपर-4 में पहुंचने के अवसर बढ़ गये हैं।

# अडाणी पर ओसीसीआरपी के आरोप, 2.2 से 4.4 फीसदी तक टूटे शेयर

## - अदाणी परिवार के सहयोगियों की कंपनियों ने मुनाफा कमाने समूह शेयरों का इस्तेमाल किया

**मुंबई ।**

अदाणी समूह पर आरोप लगाते हुए खोजी पत्रकारों के एक समूह ने कहा है कि अदाणी परिवार के सहयोगियों की कंपनियों ने समूह के शेयरों में निवेश कर लाखों डॉलर का मुनाफा कमाया। आरोपों के कारण समूह की कंपनियों के शेयर शुक्रवार को 2.2 से 4.4 फीसदी तक टूट गए। ब्रिटिश अखबारों ने ऑर्गनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) द्वारा जारी दस्तावेजों के हवाले से कहा कि अदाणी परिवार के सहयोगियों की कंपनियों ने मुनाफा कमाने के लिए समूह के शेयरों का इस्तेमाल किया। इस खबर के बाद अदाणी की एक कंपनी के अलावा सभी के शेयर लुढ़क गए और समूह का बाजार पूंजीकरण करीब 36,000 करोड़ रुपए कम हो गया। इससे पहले 24 जनवरी को अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने भी अदाणी समूह पर कॉरपोरेट धोखाधड़ी और शेयर भाव में हेरफेर के आरोप लगाए थे, जिसके बाद समूह का बाजार पूंजीकरण 8.4 लाख करोड़ रुपए कम हो गया था। अदाणी समूह ने कहा कि हिंडनबर्ग मामले में बाजार नियामक सेबी इन आरोपों की जांच पहले ही कर चुका है और इनका कोई भी सबूत उसे नहीं मिला। उधर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने इन आरोपों की जांच संयुक्त संसदीय समिति से कराने की मांग की। विपक्षी गठबंधन इंडिया की बैठक से पहले मुंबई में उन्होंने कहा, 'जी20 सम्मेलन से पहले भारत की प्रतिष्ठा दांव पर लगी है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चुप क्यों हैं? जांच क्यों नहीं करा रहे?

# शहरी सहकारी बैंक फंसे कर्ज की वसूली के लिए प्रयास करते रहें: आरबीआई गवर्नर

## - दास ने कर्ज जोखिम प्रबंधन में बैंकों के निदेशक मंडल की भागीदारी को जरूरी बताया

**मुंबई ।**

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शहरी सहकारी बैंकों को बड़े कर्जदारों के पास फंसे कर्ज की वसूली को लेकर लगातार प्रयासरत रहने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने आधुनिक लेखांकन तौर-तरीकों के जरिये वास्तविक वित्तीय स्थिति छिपाने को लेकर बैंकों को आगाह भी किया। आरबीआई के अनुसार गवर्नर ने मुंबई क्षेत्र के चुनिंदा बड़े शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के निदेशकों का एक सम्मेलन बुलाया था। इसमें तमाम बिंदुओं पर चर्चा की गई। दास ने कर्ज जोखिम प्रबंधन में बैंकों के निदेशक मंडल की भागीदारी को जरूरी बताया। कर्ज जोखिम प्रबंधन में मजबूत जोखिम मानक, प्रभावी निगरानी, समय पर शिनाख्त, फंसे कर्ज की प्रभावी वसूली के लिए बड़े कर्जदारों के मामले में निरंतर प्रयास करने और एनपीए (गैर-निष्पादित परिसंपत्ति या फंसा कर्ज) को लेकर पर्याप्त प्रावधान बनाए रखना शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि रिजर्व बैंक ने अपने दायरे में आने वाली वित्तीय संस्थानों के निदेशकों के साथ बातचीत शुरू की है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और निजी क्षेत्र के बैंकों के निदेशकों के साथ मई 2023 में दो अलग-अलग सम्मेलन आयोजित किए गए थे। बयान के अनुसार आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वित्तीय विवरणों में ईमानदारी और पारदर्शिता सुनिश्चित करने में निदेशकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने वास्तविक वित्तीय स्थिति को छिपाने के लिए आधुनिक लेखांकन प्रथाओं के उपयोग को लेकर आगाह भी किया। दास ने निदेशक मंडलों से परिसंपत्ति देनदारी प्रबंधन में अधिक सक्रिय होने और तरलता जोखिम को अधिक व्यवस्थित तरीके से प्रबंधित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि एक मजबूत आईटी और साइबर सुरक्षा बुनियादी ढांचे की स्थापना और बैंक स्तर पर अपेक्षित कौशल की उपलब्धता में निदेशक मंडल की भूमिका महत्वपूर्ण है। सम्मेलन में डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर राव और स्वामीनाथन जे के साथ-साथ रिजर्व बैंक के पर्यवेक्षण, विनियमन और प्रवर्तन विभागों का प्रतिनिधित्व करने वाले कार्यकारी निदेशकों और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

# जहां से सस्ता मिलेगा वहां से खरीदेंगे तेल: हरदीप सिंह पुरी

## भारत 80 प्रतिशत से अधिक तेल विदेशों से प्राप्त करता है

**नई दिल्ली ।**

पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत उन सभी देशों से तेल खरीद सकता है जो इसे कम कीमतों पर देंगे। पिछले साल रूस-यूक्रेन संघर्ष के बाद पश्चिमी देशों द्वारा आयात पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद से भारत रूस से रियायती कीमतों पर कच्चा तेल खरीद रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा` कि हम इस मामले में बहुत स्पष्ट हैं कि हम जहां से भी सस्ता तेल मिलेगा, वहां से तेल खरीदेंगे, जब तक कि यह हमारे बंदरगाहों पर आयात के स्थान पर न्यूनतम संभव कीमत पर पहुंचाया जाता है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक और उपभोक्ता है। भारत 80 प्रतिशत से अधिक तेल विदेशों से प्राप्त करता है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ रुपए के व्यापार के बारे में पूछे जाने पर मंत्री ने कहा कि तेल क्षेत्र में लेनदेन बहुत न्यूनतम था। दोनों देश जुलाई में डॉलर के बजाय रुपए में व्यापार की सुविधा देने पर सहमत हुए थे। उन्होंने कहा कि संयुक्त अरब अमीरात के साथ हमारा रुपया-दिरहम समझौता है लेकिन तेल क्षेत्र में लेनदेन बहुत न्यूनतम है। पेट्रोलियम कंपनियों की चालू वित्त वर्ष के पहले पांच महीनों में बंपर कमाई और कच्चे तेल के अपने उच्चतम स्तर से नीचे आने के बीच अनुमान जताया जा रहा है कि एलपीजी कीमतों में हुई 200 रुपए प्रति सिलेंडर की कटौती का बोझ सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों उठा सकती हैं। सूत्रों ने संकेत दिया कि इसके लिए सरकार संभवत- कोई सब्सिडी नहीं देगी। तेल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने हाल ही में एक टेलीविजन चैनल से बातचीत कहा था कि तीन तेल विपणन कंपनियों ने अच्छे कॉरपोरट नागरिक के रूप में कीमतों में कटौती की और अप्रैल-जून तिमाही के बहुत अच्छे मुनाफे का लाभ दिया। उन्होंने हालांकि सरकार के इस निर्णय के लिए सब्सिडी देने के बारे में पूछे गए सवालों का सीधा जवाब नहीं दिया। सूत्रों ने कहा कि कीमत में कटौती तेल कंपनियों के खाते में जाएगी और सरकार ने अब तक उन्हें सब्सिडी देने का संकेत नहीं दिया है। सरकार और उद्योग सूत्रों ने कहा कि सरकारी तेल कंपनियों इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) ने अप्रैल-जून तिमाही में बंपर कमाई की और उसके बाद भी यह सिलसिला जारी है।

# कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 157 रुपए सस्ता

## - अब कॉमर्शियल सिलेंडर 1522.50 रुपए का मिलेगा

**नई दिल्ली ।**

रसोई गैस सिलेंडर के बाद अब कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में कटौती की गई है। सरकारी तेल कंपनियों ने एक सितंबर को कमर्शियल सिलेंडर की कीमतों को अपडेट कर दिया है, जिसमें 19 किलो वाले सिलेंडर के दाम में 157 रुपए की कमी की गई है। इस बदलाव के बाद देश की राजधानी नई दिल्ली में एलपीजी सिलेंडर की कीमत 1522.50 रुपए हो गई है। इससे पहले बढ़ोतरी के साथ चार जुलाई को 1780 रुपए कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम पहुंच गए थे। बता दें कि मंगलवार को रसोई गैस सिलेंडर के दाम 200 रुपए घटा दिए गए थे।

सरकार के इस नए फैसले के बाद अब एलपीजी सिलेंडर (14.2 किलो) की कीमतों में बड़े बदलाव हुए हैं। देश की राजधानी दिल्ली में अब 14.2 किलो के घरेलू एलपीजी सिलेंडर 903 रुपए में बिक रहे हैं। ग्राहकों को अब पहले के मुकाबले 200 रुपए सस्ती कीमत पर सिलेंडर मिलने लगे हैं। दिल्ली में 1680 के बजाय 157 रुपए कम होकर अब कॉमर्शियल सिलेंडर 1522.50 रुपए का हो गया है। कोलकाता में शुक्रवार से सिलेंडर 1802.50 की जगह अब 1636 रुपए में मिलेगा। इसी तरह पहले मुंबई में इसकी कीमत 1640.50 रुपए थी जो अब घटकर 1482 रुपए हो गई है। वहीं चेन्नई में कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 157.5 रुपए की कमी हुई। अब यह 1852.50 रुपए की जगह 1695 रुपए में मिलेगा। दिल्ली में घरेलू एलपीजी 903 रुपए का है। कोलकाता में एलपीजी के दाम 929 रुपए पर है। मुंबई में 902.50 रुपए और चेन्नई में 918.50 रुपए पर है। सरकार ने 29 अगस्त की शाम को घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 200 रुपए की कटौती का ऐलान किया था, जिसके बाद 30 अगस्त को नई दरें लागू हो गई थी। उज्ज्वला योजना के तहत आने वाले 10 करोड़ से ज्यादा लोगों को 400 रुपए का फायदा होगा क्योंकि उन्हें 200 रुपए की सब्सिडी पहले से ही दी जा रही थी।

# अब एक्स पर कर सकेंगे वीडियो और ऑडियो कॉल

## - ऑडियो और वीडियो कॉल सुविधाओं को जल्द ही एक्स प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाएगा

**नई दिल्ली ।**

अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने एक बार फिर सबको हैरान कर देने वाला ऐलान किया है। जब से एलन मस्क ने ट्विटर पर कब्जा किया है तब से वह उसमें आए दिन कई बदलाव ला रहे हैं। उन्होंने हाल ही में ट्विटर का नाम बदलकर एक्स रखा था। अब उन्होंने ऐसा ऐलान किया है जिससे वाटसऐप की नींद उड़ गई है। दरअसल, मस्क ने ऐलान किया कि ऑडियो और वीडियो कॉल सुविधाओं को जल्द ही एक्स प्लेटफॉर्म पर जोड़ा जाएगा। एक्स अब सोशल प्लेटफार्म पर सभी को अकेले टक्कर दे रहा है। एक्स पर वीडियो और ऑडियो कॉलिंग सुविधा एंड्रॉयड, आईओएस, पीसी और मैक सहित प्लेटफार्मों पर काम करेगी। इस फीचर में ऑडियो और वीडियो कॉल करने के लिए फोन नंबर की जरूरत नहीं होगी। मस्क ने पोस्ट जारी करते हुए बताया` कि एक्स पर वीडियो और ऑडियो कॉल आ रही है। यह आईओएस, एंड्रॉयड, मैक और पीसी पर काम करेगा। किसी फोन नंबर की आवश्यकता नहीं है।

एक्स इफेक्टिव ग्लोबल एड्रेस बुक है। यह फैक्टर्स काफी यूनिक है। एलन मस्क भले ही कई बदलाव ला रहे हैं, लेकिन डाउनलोड की संख्या में कमी नहीं देखी गई। हालांकि, साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं में गिरावट देखी गई। एक रिपोर्ट में सेंसरटॉवर के आंकड़ों के हवाले से कहा गया है कि ट्विटर की रीब्रांडिंग के बाद के हफ्तों में एक्स के साप्ताहिक सक्रिय उपयोगकर्ताओं में 4 प्रतिशत की गिरावट आई है। बता दें कि एक्स से टक्कर लेने के लिए मार्क जुकरबर्ग ने हाल ही में एक नया सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म थ्रेडस भी लॉन्च किया था लेकिन अब एलन मस्क की नई घोषणा से इंस्टाग्राम और वाटसऐप को झटका लग सकता है।

## रुपया बढ़त के साथ बंद

**मुंबई ।**

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया सात पैसे टूटकर 82.72 पर बंद हुआ। इससे पहले सुबह घरेलू शेयर बाजार में सकारात्मक रुख के बीच ही रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले नौ पैसे की बढ़त के साथ 82.61 पर पहुंच गया। विदेश मुद्रा के विशेषज्ञों ने बताया कि विदेशी कोष के प्रवाह और कच्चे तेल की कीमत के 87 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहने का असर घरेलू मुद्रा पर पड़ा। सरकार की ओर से गुरुवार को जारी आंकड़ों के अनुसार कृषि तथा सेवा क्षेत्र के बेहतर प्रदर्शन से देश की आर्थिक वृद्धि दर (जीडीपी) चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में 7.8 फीसदी रही। यह पिछली चार तिमाहियों में सबसे ऊंची वृद्धि दर है। वहीं अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 82.58 पर खुला और फिर 82.63 पर पहुंच गया। बाद में वह 82.61 प्रति डॉलर पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद स्तर की तुलना में नौ पैसे की बढ़त है। गुरुवार को रुपया 82.70 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 फीसदी की बढ़त के साथ 103.65 पर आ गया।

## चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 फीसदी रही

**नई दिल्ली ।** चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में देश की आर्थिक विकास दर 7.8 फीसदी रही, जो पिछले साल की इसी अवधि में दर्ज की गई 13.1 फीसदी से काफी कम है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा ये आंकड़े जारी किए गए। हालाँकि, 2022-23 की जनवरी-मार्च अवधि (चौथी तिमाही) में दर्ज की गई 6.1 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में 2023-24 की पहली तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर ज्े यादा रही है। आधिकारिक बयान के अनुसार वास्तविक जीडीपी या स्थिर (2011-12) कीमतों पर जीडीपी 2023-24 की पहली तिमाही में 40.37 लाख करोड़ रुपए के स्तर तक पहुंचने का अनुमान है, जबकि 2022-23 की पहली तिमाही में यह 37.44 लाख करोड़ रुपए थी, जो 7.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है जबकि 2022-23 की पहली तिमाही में वृद्धि दर 13.1 प्रतिशत थी। आंकड़ों से पता चलता है कि कृषि, खनन, विनिर्माण, बिजली, निर्माण, होटल और परिवहन जैसी सभी गतिविधियों में 2022-23 की पहली तिमाही के मुकाबले 2023-24 की पहली तिमाही में विकास दर कम रही। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) ने 2023-24 की पहली तिमाही के लिए वास्तविक जीडीपी वृद्धि आठ प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया गया था।

## सेबी ने बिचौलियों के दावे मान्य करने एजेंसी का प्रस्ताव रखा

**नई दिल्ली ।** बाजार नियामक सेबी ने सेबी पंजीकृत मध्यस्थों और अन्य संस्थाओं द्वारा प्रदर्शन के किसी भी दावे को मान्य करने के लिए एक प्रदर्शन सत्यापन एजेंसी (पीवीए) के निर्माण का प्रस्ताव दिया है। सेबी परामर्श पत्र में कहा गया है कि अधिक ग्राहकों को आकर्षित करने और बढ़ने तथा व्यवसाय जारी रखने के लिए बिचौलियों, वस्तुओं को अपना प्रदर्शन दिखाने की आवश्यकता है। हालांकि, अधिक ग्राहकों की चाहत में इनमें से कुछ संस्थाएं निवेशकों के सामने अपने प्रदर्शन या सिफ़ारिशों के बारे में बढ़ा-चढ़ाकर दावे कर सकती हैं, जिससे निवेशकों को गुमराह किया जा सकता है। इस समय एसेट मैनेजमेंट कंपनियां (एएमसी) म्यूचुअल फंड योजनाओं के प्रदर्शन की गणना करती हैं। इसी तरह, पोर्टफोलियो प्रबंधकों को कुछ बेंचमार्क के मुकाबले अपने प्रदर्शन की रिपोर्ट करने की अनुमति दी गई है। इन मध्यस्थों, संस्थाओं द्वारा किए गए दावे अधिकतर स्व-सत्यापित होते हैं और वर्तमान में ऐसे दावों को मान्य करने के लिए कोई समर्पित एजेंसी नहीं है। निवेश सलाहकार (आईए) और अनुसंधान विश्लेषक (आरए) भी स्वाभाविक रूप से क्रमशः निवेश सलाह और खरीद, बिक्री, पकड़ की सिफारिश देने में शामिल होते हैं। सेबी द्वारा जारी आईएएस और आरए के लिए विज्ञापन कोड के संदर्भ में आईएएस और आरए को पिछले प्रदर्शन का कोई संदर्भ देने की अनुमति नहीं है। पंजीकृत मध्यस्थों की ओर से निवेशकों को अपना प्रदर्शन दिखाने की मांग की गई है, ताकि उनकी विश्े वसनीयता बढ़ाई जा सके।

# शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

## सेंसेक्स 556, निफ्टी 181 अंक उछला

**मुम्बई ।**

शेयर बाजार शुक्रवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही लिवाली (खरीददारी) से आई है। इसके साथ ही अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 फीसदी की आर्थिक वृद्धि रहने से भी निवेशकों में उत्साह है। यह पिछली चार तिमाहियों में सबसे ऊंची वृद्धि दर है। इसके साथ ही बीएसई मिडकैप और स्मॉलकैप सूचकांकों में भी 0.75 फीसदी की बढ़त रही।दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सूचकांक सेंसेक्स 555.75 अंक करीब 0.86 फीसदी बढ़कर 65,387.16 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स 65,473.27 तक ऊपर जाने के बाद 64,818.37 तक फिसला है। दूसरी ओर पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 181.50 अंक तकरीबन 0.94 फीसदी बढ़कर 19,435.30 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान निफ्टी 19,458.55 तक ऊपर जाने के बाद 19,255.70 तक गिरा है। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में 26 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। जिन पांच शेयरों को सबसे ज्यादा लाभ हुआ। वह है एनटीपीसी , जेएसडब्लूय स्टील, मारुति, पावर ग्रिड और टाटा स्टील के शेयर रहे। सबसे ज्यादा 5.23 फीसदी लाभ एनटीपीसी के शेयरों को हुआ। वहीं, दूसरी तरफ सेंसेक्स के शेयरों में केवल 4 शेयर ही नुकसान पर बंद हुए। अल्ट्राटेक सीमेंट, नेस्ले इंडिया, एलएंडटी और सन फार्मा सेंसेक्स के सबसे अधिक नुकसान वाले शेयर रहे। अल्ट्राटेक के शेयर सबसे अधिक करीब 0.50 फीसदी नीचे आये हैं। इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत हल्की बढ़त के साथ हुई है। सेंसेक्स 96.67 अंक की बढ़त के साथ 64,928.08 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 4.35 अंक की बढ़त के साथ 19,258.15 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार की चाल सपाट नजर आ रही थी। सेंसेक्स 16.36 अंक की बढ़त के साथ 64,847.77 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 6.20 अंक की बढ़त के साथ 19,260 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अमेरिकी बाजार में हल्की गिरावट दर्ज की गयी। डॉव जोन्स और एसएंडपी 500 सूचकांकों में 0.4 फीसदी तक फिसले। हालांकि नेस्डेक कंपोजिट 0.1 प्रतिशत बढ़ा। एशिया-प्रशांत बाजारों में भी शुक्रवार को शुरुआती सौदों में मिलाजुला कारोबार देखने को मिल रहा है। निक्केई 225 और एसएंडपी 200 सूचकांक 0.2 फीसदी तक गिर गए।

## महंगाई काबू से बाहर जाने के कोई संकेत नहीं: वी अनंत नागेश्वरन

**नई दिल्ली ।** हाल ही में देश का अप्रैल-जून की अवधि के जीडीपी डेटा जारी किया गया। डेटा जारी होने के बाद आर्थिक सलाहकार वी अनंत नागेश्वरन ने महंगाई को लेकर राहत की खबर दी है। नागेश्वरन ने कहा कि हमें इस बात की चिंता करने की जरूरत नहीं है कि महंगाई काबू से बाहर चली जाएगी यानी की महंगाई के काबू से बाहर जाने के कोई संकेत नहीं हैं। उन्होंने कहा कि सरकार के साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक भी अगस्त में हुई कम बारिश को ध्यान में रखते हुए कीमतों पर बढ़ोतरी पर नजर बनाए हुए हैं। नागेश्वरन ने कहा` कि कोर महंगाई दर में गिरावट आ रही है। खाने-पीने की कुछ खास चीजों की ही महंगाई बढ़ी है। ऐसे में कुल मिलाकर मुझे लगता है कि महंगाई को लेकर चिंता की कोई वास्तविक वजह नहीं है। महंगाई नियंत्रण से बाहर नहीं हो पाएगी। असमान मौसम और कम बारिश से आई सप्लाई में कमी के कारण पिछले कुछ महीनों में सब्जियों और कुछ दालों की कीमतों में तेजी से बढ़त हुई है। इससे जुलाई में खुदरा (रिटेल महंगाई) महंगाई 15 महीने के हाई 7.44 फीसदी पर पहुंच गई। जुलाई में सब्जियो की महंगाई के 37.3 फीसदी तक पहुंचने के कारण खाने-पीने की चीजों की खुदरा महंगाई दोगुनी से भी ज्यादा बढ़कर 11.5 फीसदी हो गई। ये दोनों आंकड़े जनवरी 2020 के बाद से सबसे हाई लेवल पर हैं। हालांकि अर्थशास्त्रियों का मत देखें तो उनका मानना है कि अगस्त महीने में खुदरा महंगाई 7 फीसदी के करीब बनी रहेगी। बता दें कि अगस्त के खुदरा महंगाई आंकड़े 12 सितंबर को जारी किए जाएंगे।

## यूपीआई से लेनदेन का आंकड़ा अगस्त में 10 अरब से ज्यादा

**नई दिल्ली ।** एकीकृत भुगतान व्यवस्था (यूपीआई) के जरिये लेनदेन का आंकड़ा अगस्त में 10 अरब को पार कर गया। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने गुरुवार को यह जानकारी दी। एनपीसीआई भारत में सभी खुदरा भुगतान प्रणालियों का मुख्य संगठन है। यूपीआई का इस्तेमाल मोबाइल फोन के जरिये पैसे के तात्कालिक लेनदेन के लिए किया जाता है। एनपीसीआई ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा` कि यूपीआई ने 10 अरब से अधिक लेनदेन के साथ रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इस अविश्वसनीय उपलब्धि और डिजिटल भुगतान की ताकत का जश्न मनाने में हमारे साथ शामिल हों। इस रफ्तार और यूपीआई के साथ लेनदेन के तरीके में क्रांतिकारी बदलाव को जारी रखें। एनसीपीआई के आंकड़ों के अनुसार 30 अगस्त को यूपीआई लेनदेन का आंकड़ा 10.24 अरब हो गया। इन लेनदेन का मूल्य 15,18,456.4 करोड़ रुपए रहा। जुलाई में यूपीआई लेनदेन की संख्या 9.96 अरब थी जबकि जून में यह 9.33 अरब थी।

# अमेरिका से इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार बढ़ाने कार्यबल का किया गया गठन

## - इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार को 100 अरब डॉलर तक बढ़ाने का लक्ष्य

**नई दिल्ली ।**

इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार बढ़ाने के लिए भारत-अमेरिका टास्क फोर्स की शुरुआत की गई है। इसका लक्ष्य एक दशक के भीतर दोनों देशों के बीच इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार को 100 अरब डॉलर तक बढ़ाना है। इंडिया सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) ने यहां लॉन्च मीटिंग आयोजित की, जिसमें दूरसंचार विभाग (डीओटी), अमेरिकी दूतावास, प्रमुख अमेरिकी और भारतीय कंपनियों, निवेश बैंकिंग बिरादरी और वाशिंगटन डी.सी. स्थित सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग (आईटीआई) परिषद के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। ट्राई के पूर्व अध्यक्ष राम सेवक शर्मा को टास्क फोर्स का अध्यक्ष बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए भारत-अमेरिका टास्क फोर्स दो तकनीकी शक्तियों के विलय का प्रतिनिधित्व करता है। यह उदघाटन बैठक एक आशाजनक भविष्य की ओर पहला कदम है जहां उद्योग के नेतृत्व में दोनों देश इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार और नवाचार में पारस्परिक विकास हासिल करने के लिए सहयोग करते हैं। भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण उद्योग 2025-26 तक 300 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन का लक्ष्य बना रहा है। टास्क फोर्स के प्रमुख उद्देश्यों में व्यापार को बढ़ावा देना, नवाचार को बढ़ावा देना, नौकरियां पैदा करना और वैश्विक तकनीकी पारिस्थितिकी तंत्र के साथ निर्बाध एकीकरण प्राप्त करना शामिल है। इसका उद्देश्य सेमीकंडक्टर उन्नति, उन्नत दूरसंचार, आईसीईटी और इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति श्रृंखला जैसी पहलों पर भारत और अमेरिका के बीच रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाना है। इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए भारत-अमेरिका टास्क फोर्स इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापार परिदृश्य को नया आकार देने के लिए एक अभूतपूर्व अवसर का प्रतिनिधित्व करता है। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के संयुक्त सचिव अमितेश कुमार सिन्हा ने कहा कि सरकार इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए भारत-अमेरिका टास्क फोर्स को सहायता प्रदान करने से पीछे नहीं हटेगी और सहायता के लिए भी मौजूद रहेगी।

## एटीएफ की कीमतों में 14 फीसदी बढ़ोत्तरी

**मुंबई ।**

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने शुक्रवार से एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में 14 फीसदी की बढ़ोतरी कर दी है। इसके दाम दिसंबर 2022 के बाद से उच्च स्तर पर पहुंच गए हैं। इस बढ़ोतरी के बाद दिल्ली में एटीएफ की कीमत 1.12 लाख रुपए से ज्यादा हो गई है। पिछले दो महीने से अब तक 24 फीसदी की बढ़ोतरी हो चुकी है। ऐसे में एटीएफ की कीमतें बढ़ जाने से इसका असर हवाई सफर पर भी पड़ सकता है। त्योहारी सीजन में हवाई सफर महंगा हो सकता है। ये लगातार तीसरा महीना है जब ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने एटीएफ के दाम में इजाफा किया है। देश की राजधानी दिल्ली में एटीएफ के दाम 20,295.2 रुपए प्रति किलोलीटर तक बढ़ गए हैं और इसके दाम 1.12 लाख रुपए से ज्यादा हो चुके हैं। दिल्ली में हवाई ईंधन या जेट फ्यूल के रेट बढ़कर 1,12,419.33 रुपए प्रति किलोलीटर तक जा चुके हैं। वहीं कोलकाता में 121063.83 रुपए प्रति किलो लीटर, मुंबई में 105222.13 रुपए किलोलीटर है। इसके अलावा चेन्नई में 116581.77 रुपए प्रति किलो लीटर है। 1 अगस्त को जेट फ्यूल की कीमतों में 8.5 फीसदी की भारी बढ़ोतरी की गई थी। दिल्ली में अगस्त में एटीएफ की कीमत 98,508.26 रुपए प्रतिकिलोलीटर थी। वहीं कोलकाता में 1,07,383.08 रुपए प्रतिलीटर, मुंबई में 92,124.13 रुपए प्रतिलीटर और चेन्नई में 1,02,391.64 रुपए प्रतिलीटर थी।

# भाई-बहन का बंधन हर भावना का अनुभव करता है: सुष्मिता

बालीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन ने सीरिज आर्या में अपने ऑन-स्क्रीन भाई-बहन के रिश्ते के बारे में कहा कि रक्षाबंधन एक उत्सव है, जहां आप इम्परफेक्ट बॉन्ड साझा करते हैं, मुश्किल समय में एक-दूसरे की ताकत बनने का वादा करते हैं। एक-दूसरे का सपोर्ट करने से लेकर सबसे मूर्खतापूर्ण चीजों पर लड़ने तक, भाई-बहन का बंधन हर भावना का अनुभव करता है।

सुष्मिता ने कहा कि सीरिज आर्या में निभाए गए अंकुर भाटिया के साथ भाई-बहन के रिश्ते का ऐसा ही एक जटिल पहलू हमने सीरीज आर्या में देखा। हालांकि, आर्या (सुष्मिता) और संग्राम (अंकुर) के बीच भाई-बहन का अच्छा रिश्ता नहीं है, लेकिन एक-दूसरे के लिए प्यार और देखभाल अटूट है। इसके बारे में सुष्मिता ने कहा, भाई-बहन के रिश्तों को शब्दों में बयां करना बहुत मुश्किल है। वे लड़ते हैं, वे सुलह करते हैं, वे फिर से लड़ते हैं, यह चलता रहता है जिसका हम सभी आनंद लेते हैं। आर्या और संग्राम के बीच का बंधन ऐसा नहीं है, लेकिन उनके रिश्ते के बारे में मुझे जो पसंद है, वह यह है कि उन्होंने अपने कड़वे रिश्ते को स्वीकार किया है और एक-दूसरे के लिए अपने प्यार को जाने नहीं दिया है।

रक्षाबंधन का बिल्कुल यही मतलब है। एक्ट्रेस ने कहा, एक उत्सव जहां आप इस इम्परफेक्ट बॉन्ड को अपनाते हैं और मुश्किल समय में एक-दूसरे की ताकत बनने का वादा करते हैं। बता दें कि सीरिज आर्या एक क्राइम-थ्रिलर ड्रामा है, जो राम माधवानी और संदीप मोदी द्वारा सह-निर्मित है, जिन्होंने सीरीज का निर्देशन भी किया है, जबकि विनोद रावत सह-निर्देशक के रूप में कार्यरत हैं।

# हिरानी के साथ आमिर की अगली फिल्म दिसंबर 2024 में आयेगी

फिल्म निर्माता राजकुमार हिरानी के साथ अभिनेता आमिर खान की अगली फिल्म क्रिसमस पर रिलीज होगी हालांकि अभी तक इसका नाम नहीं रखा गया है। हाल ही में फिल्म निर्माता राजकुमार हिरानी ने आमिर को एक स्क्रिप्ट सुनाई है, जिसे लेकर वो बेहद उत्साहित हैं। अभी अनुमान लगाया जा रहा है कि ये फिल्म एक डॉक्यूमेट्री होने वाली है। इसी के साथ आमिर अभिनय में वापसी करने के लिए पूरी तरह तैयार नजर आ रहे हैं। यह अक्षय कुमार की वेलकम 3 के साथ टकराएगी।

इस फिल्म का प्री-प्रोडक्शन चल रहा है और यह 20 जनवरी, 2024 को फ्लोर पर जाएगी। आमिर खान ने अगली फिल्म के लिए दिसंबर 2024 को तय किया है।आमिर खान प्रोडक्शंस के प्रोडक्शन नंबर 16 ने अभी शीर्षक तय नहीं किया है पर कहा जा रहा है कि 20 दिसंबर 2024 क्रिसमस 2024 को ये रिलीज होगी। फिल्म का प्री-प्रोडक्शन जारी है और फिल्म 20 जनवरी 2024 को फ्लोर पर जाएगी।अधिक जानकारी जल्द ही मिलेगी।

लाल सिंह चड्ढा की असफलता के बाद आमिर ने एक्टिंग से ब्रेक ले लिया। इस अभिनेता ने पंजाबी फिल्म कैरी ऑन जट्टा 3 के ट्रेलर लॉन्च के दौरान कहा था, मैंने अभी तक कोई फिल्म करने का फैसला नहीं किया है। मैं अभी अपने परिवार के साथ समय बिताना चाहता हूं। मैं इसके बारे में अच्छा महसूस कर रहा हूं क्योंकि मैं अभी यही करना चाहता हूं। मैं निश्चित तौर पर तभी फिल्म करूंगा जब मैं भावनात्मक रूप से तैयार हो जाऊंगा। अक्षय की वेलकम 3 का नाम कथित तौर पर वेलकम टू द जंगल रखा गया है।

हाल ही में फिल्म निर्माता राजकुमार हिरानी ने हाल ही में आमिर को एक स्क्रिप्ट सुनाई है, जिसे लेकर वो बेहद उत्साहित हैं। अभी अनुमान लगाया जा रहा है कि ये फिल्म एक डॉक्यूमेट्री होने वाली है। आमिर खान और हिरानी काफी अच्छे दोस्त हैं। दोनों लंबे वक्त से एक-दूसरे के साथ फिल्म करना चाह रहे है, लेकिन अबतक ऐसा कोई प्रोजेक्ट नहीं था जिसपर दोनों की सहमति बनी हो। हालांकि अब लगता है दोनों को एक ऐसी स्क्रीप्ट मिल गई है जिसपर दोनों की सहमति बन गई है। हिरानी ने आमिर के साथ एक बायोपिक बनाने का फैसला किया है।

# क्या जाह्नवी ने गुपचुप तरीके से की सगाई?

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर फिल्मों से ज्यादा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सुर्खियों में रहता है। अपने फिल्मी करियर में जाह्नवी का नाम कई लोगों संग जुड़ जाता है। इन दिनों जाह्नवी कपूर शिखर पहाड़िया संग डेटिंग की खबरों को लेकर छाई हुई है। जाह्नवी और शिखर पहाड़िया अक्सर साथ में टाइम स्पेंड करते हुए नजर आते रहते हैं। हाल ही में जाह्नवी अपने कथित बॉयफ्रेंड संग तिरुपति बालाजी मंदिर दर्शन करने भी पहुंची थीं। वहीं अब खबरें सामने आ रही है कि दोनों का रिश्ता एक कदम आगे बढ़ चुका है। दअरसल, खबरें वायरल हो रही है कि जाह्नवी कपूर ने शिखर पहाड़िया संग गुपचुप सगाई कर ली है। इस बात की चर्चा तब शुरू हुई जब तिरुपति मंदिर से जाह्नवी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इस वीडियो में जाह्नवी पर्पल और सिल्वर कलर की साड़ी पहने नजर आ रही थक्षं। इस दौरान जाह्नवी ने रिंग फिंगर में डायमंड की रिंग भी पहनी हुई थी। वहीं शिखर पहाड़िया ट्रेडिशनल व्हाइट वेष्टि और अंगवस्त में दिखाई दिए। जाह्नवी की रिंग फिंगर में अंगूठी नजर आने के बाद यूजर्स अंदाजा लगा रहे हैं कि उन्होंने सीक्रेट सगाई कर ली है। यूजर्स सोशल मीडिया पर कमेंट करके इसकी चर्चा कर रहे थे। लेकिन अब जाह्नवी की अंगूठी के पीछे का सच भी सामने आ गया है। पिंकविला की रिपोर्ट के अनुसार एक सोर्स ने जाह्नवी जान्हवी कपूर अकसर अपनी मां श्रीदेवी की जयंती पर उन्हें सम्मानित करने के लिए तिरुमाला मंदिर जाती हैं। लेकिन इस साल वो 13 अगस्त को मंदिर नहीं जा सकीं, क्योंकि वो भोपाल में अपनी फिल्म उलझ की शूटिंग कर रही थीं। शूटिंग से लौटने के बाद, उन्होंने मंदिर का दौरा ज़रूर किया। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने अंगूठी समेत अपनी मां के गहने पहने थे। उनकी सगाई की अफवाहें पूरी तरह से बकवास हैं। जाह्नवी कपूर के वर्क फ्रंट की बात करें तो उनके पास कई प्रोजेक्ट्स की लाइन लगी हुई है। वह जल्द ही राजकुमार राव के साथ 'मिस्टर एंड मिसेस माही' में नजर आएंगी। इसके अलावा उनके पास जूनियर एनटीआर के साथ 'देवरा' और अक्षय कुमार के साथ 'बड़े मिया छोटे मिया' भी है।

# नॉट रमैया वस्तावैया गाने का फुल वर्जन जारी

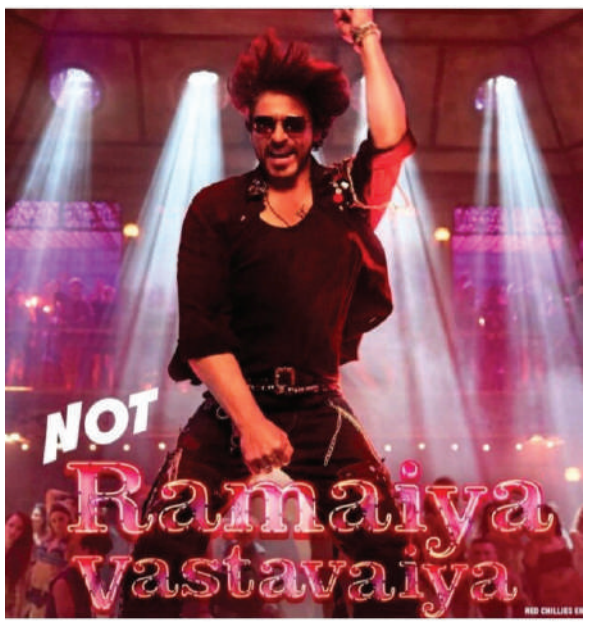


बॉलीवुड मेगास्टार शाहरुख खान ने हाल ही हिंदी, तमिल और तेलुगु में नॉट रमैया वस्तावैया गाने का फुल वर्जन जारी किया है। गाने पर शाहरुख खान साउथ सुपरस्टार नयनतारा के साथ स्टेज पर धमाल मचाते नजर आ रहे हैं। इस गाने में बेहतरीन साउंड डिजाइन के साथ बूमिंग प्रोडक्शन है। इलेक्ट्रॉनिक, टेक्नो, फिल्म म्यूजिक, ईडीएम, थोड़ा सा लोक और आइटम नंबर्स का मिश्रण नॉट रमैया वस्तावैया फ्लोर ट्रैक पर एक प्योर डांस है। शाहरुख खान को एक्ट्रेस नयनतारा और कुछ अन्य बैकअप डांसर्स के साथ फ्लोर पर नाचते हुए देखा जा सकता है। सभी स्वैग, ग्रूव और एटीट्यूड से भरपूर, शाहरुख खान एक परफेक्ट डांस ट्रैक लेकर आए हैं, जो लोगों को जवान के ट्रेलर के लिए और अधिक उत्साहित कर रहा है। बता दें कि । गाना नॉट रमैया वस्तावैया में राज कपूर की लीजेंडरी फिल्म श्री 420 के आइकॉनिक ट्रैक को मॉडर्न टच दिया गया है, लेकिन यह अभी भी अपनी खुद की यूनिट है और सिर्फ एक रीमिक्स होने के बजाय, इसका रीमेक पूरी तरह से कुछ और है।

# शाहिद ने पगड़ी पहने कई तस्वीरें की पोस्ट

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर बॉलीवुड स्टार शाहिद कपूर ने पगड़ी पहने कई तस्वीरें पोस्ट की। प्रथम फोटो में वह तैयार होते नजर आ रहे हैं। दूसरी फोटो में वह पगड़ी ठीक करवा रहे हैं। एक अन्य तस्वीर में शाहिद पिता पंकज कपूर के साथ पोज देते नजर आ रहे हैं। शाहिद ने ब्लैक कलर का कुर्ता और क्रीम कलर की पगड़ी पहनी हुई है। जबकि, उनके पिता पंकज कपूर ने वाइट शर्ट और पगड़ी के साथ कोट पहना हुआ है। फोटोज को शेयर करते हुए एक्टर ने कैप्शन में लिखा, पिताजी हमेशा कहते हैं घर पर शादी होगी तो पग पएगा ना। वर्कफ्रंट की बात करें तो, शाहिद को आखिरी बार अली अब्बास जफर द्वारा निर्देशित एक्शन थ्रिलर फिल्म ब्लडी डैडी में देखा गया। इसमें संजय कपूर, डायना पेंटी, रोनित रॉय, राजीव खंडेलवाल, अंकुर भाटिया और विवान भटेना भी हैं। यह 2011 की फ्रांसीसी फिल्म स्लीपलेस नाइट का रूपांतरण है।

# रसिका दुग्गल निभाना चाहती हैं पर्दे पर अमृता प्रीतम का किरदार

रसिका दुग्गल ने अपने दमदार अभिनय से अलग पहचान बनाई है। एक्ट्रेस को वेब सीरीज 'मिर्जापुर' से जबरदस्त लोकप्रियता मिली है। हाल ही में रसिका दुग्गल ने सिल्वर स्क्रीन पर कवयित्री-लेखिका अमृता प्रीतम का किरदार निभाने की इच्छा जताई है। रसिका दुग्गल ने कहा, मेरे ख्याल से अमृता प्रीतम का लेखन एक ही सांस में रोमांस और क्रांति की बात करता है। उनके शब्दों में एक उदासी है, एक चाहत है, एक जुनून है, एक शांत गुस्सा है, एक सवाल है और एक कल्पना है जो कभी भी अपने बारे में सचेत नहीं होती है और इसलिए दिल में घर कर जाती है। एक्ट्रेस ने कहा, मैं उनकी कविता से बहुत प्रभावित हुयी हूं और उनकी जीवनियों से बहुत प्रभावित से भी। यहां एक महिला है जिसने अपनी शर्तों पर जीवन जिया- अपने जोश और जुनून को स्वीकार किया और निडर होकर उनका पालन-पोषण किया। यदि उनके बारे में कोई फिल्म बनी तो उन्हें चित्रित करने का अवसर मिलना मेरे लिए एक सपने के सच होने जैसा होगा। वर्क फ्रंट की बात करें तो रसिका दुग्गल जल्द ही दिल्ली क्राइम के तीसरे सीज़न में नीति सिंह के रूप में दिखाई देगी। इसके अलावा, वह मिर्जापुर की बहुप्रतीक्षित तीसरे सीक्वल में बीना त्रिपाठी के रूप में लौटने के लिए तैयार हैं। वह लिटिल थॉमस, लॉर्ड कर्जन मेंशन, स्पाइक, फेयरी फोक और कुछ अन्य प्रोजेक्ट्स में भी दिखाई देंगी।